

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रापिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

[सं. ३] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी २०, १९७९ (पौष ३०, १९००)
No. 3] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 20, 1979 (PAUSA 30, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असम संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—पर्ट १

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 24 नवम्बर 1978

सं. ए० ३२०१६/२/७८-प्रशा०-II—संचित संघ लोक सेवा आयोग एतद् द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी अनुसंधान सहायक (अनुसंधान और सांचियकी) और स्थानापन्थ अनुसंधान अन्वेषक श्री रामसिंह को २-१२-१९७८ से २८-२-१९७९ तक की अवधि के लिये या आगामी आदेशों तक, इनमें जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में श्रीमती राजकुमारी आनन्द, कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अनुसं. एवं सांचिय०) के, जिन्हें कुट्टी स्वीकृत कर दी गई थी, स्थान पर तर्थं आधार पर कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अनुसं. और सांचिय०) के रूप में स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 दिसम्बर 1978

सं. ए० १२०१९/५/७४-प्रशा०-II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद् द्वारा के० स० से० संवर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री ए० ए० छावड़ा को १-१२-१९७८ से २८-२-१९७९ तक की अवधि के लिये या आगामी १-४२८/१९७८

आदेशों तक, इनमें जो भी पहले हो, तर्थं आधार पर वरिष्ठ विश्लेषक के रूप में स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

श्री ए० ए० ए० छावड़ा, वरिष्ठ विश्लेषक, संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग-बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे और उनका वेतन वित्त मंत्रालय के समय-समय पर यथासंशोधित का० शा० सं. ए० १०(२४)-व्यय III/६० दिनांक ४-५-१९६१ में उल्लिखित उपबन्धों के अनुसार विनियमित होगा।

सं. ए० १२०२५/१/७८-प्रशा०-II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद् द्वारा डा० रमेश कुमार को ३०-११-७८ के अपराह्न से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अस्थाई आधार पर निदेशक (मुख्य प्रणाली) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 दिसम्बर 1978

सं. पी०/११५०-प्रशा०-II(ii)—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद् द्वारा स्थाई वैयक्तिक महायक (के० स० स्ट० से० का ग्रेड ग), स्थानापन्थ वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक

(के० स० स्ट० से० का ग्रेड ख) और वाणिज्य विभाग से उधार के अधिकारी पर अनुभाग अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे श्री एम० एन० खंडूड़ी को 28-11-1978 से 28-2-1979 तक या आगामी आदेशों तक, इनमें जो भी पहले हों, तदर्थे अधिकार पर अध्यक्ष, के विशेष सहायक के रूप में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

एम० बालचन्द्रन
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 27 नवम्बर 1978

सं० ए० 32014/2/76-प्रश्ना०-III—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 1 मार्च, 1978 के अनुक्रम में, केन्द्रीय सचिवालय सेवा नियमावली, 1962 के नियम 10 के उपबन्ध के अधीन संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा (के० स० स्ट० से० का ग्रेड ('क') के स्थायी चयन ग्रेड अधिकारी श्री एम० गोपाल-कृष्णन को, राष्ट्रपति द्वारा 15-11-1978 से 28-2-79 तक की अतिरिक्त अवधि के लिये अधिकारी पर आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 30 नवम्बर 1978

सं० ए० 12025(ii)/1/77-प्रश्ना०-III—गृह मंत्रालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) के का० ज्ञा० सं० 5/21/77-सी०एम०(I) दिनांक 15 मार्च, 1978 के अनुसार तथा इस कार्यालय अधिसूचना सं० ए० 32014/1/78-प्रश्ना० III दिनांक 9-11-78 के आंशिक संशोधन में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक तथा तदर्थे अधिकार पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत अनुभाग अधिकारी श्री के० एन० शर्मा को राष्ट्रपति द्वारा 1-11-1978 से, आगामी आदेशों तक, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 7 दिसम्बर 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रश्ना०-I—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 17-11-78 का आंशिक आशोधन करते हुए, संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग के वैयक्तिक महायक (के० स० स्ट० से० का ग्रेड ग) और स्टेनोग्राफर के ग्रेड ग के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप में कार्य कर रहे श्री एम० पी० मेहरा को, जो वरिष्ठ वैयक्तिक महायक के रूप में स्थानापन्न रूप में कार्यरत थे, 30-11-78 (पूर्वाह्न) से निचले पद पर प्रत्यावर्तित कर दिया गया है।

दिनांक 8 दिसम्बर 1978

सं० पी०/1150-प्रश्ना०-II(i)—राष्ट्रपति द्वारा स्थायी वैयक्तिक महायक (के० स० स्ट० से० का ग्रेड ग) तथा स्थानापन्न वरिष्ठ वैयक्तिक महायक (के० स० स्ट० से० का ग्रेड ख) और अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग के तदर्थे विशेष महायक श्री एम० एन० खंडूड़ी को उनके सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 1977 में अहंता प्राप्त करने और वाणिज्य मंत्रालय में आवंटित हो जाने के परिणाम-स्वरूप 28-11-78 से 28-2-79 तक की अवधि के लिये या आगामी आदेशों तक इनमें जो भी पहले हो, वाणिज्य विभाग के संवर्ग से संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में उधार के अधिकार पर आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० ए० 19014/1/78-प्रश्ना०-I—राष्ट्रपति द्वारा भारतीय प्रशासन सेवा (उत्तर प्रदेश संवर्ग) की अधिकारी कुमारी ज्योति पांडे को 4 दिसम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 14 दिसम्बर 1978

सं० पी० 1854-प्रश्ना०-I—भारतीय लाक सेवा के अधिकारी और सम्प्रति संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में संयुक्त सचिव (परीक्षा) के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे श्री श्ना० ना० बाजपे को उनकी भारत सरकार रक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव के रूप में नियुक्ति के परिणाम-स्वरूप 14-12-1978 (अपराह्न) से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

दिनांक 15 दिसम्बर 1978

सं० पी०/1894-प्रश्ना०-I—उस्मानिया विश्वविद्यालय में भाषा-विज्ञान के लेक्चरर और संप्रति संघ लोक सेवा आयोग में प्रतिनियुक्ति पर अवर सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे डा० बी० प्रकाशन को उनके पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला में रीडर के रूप में चयन के परिणामस्वरूप 15 दिसम्बर, 1978 के अपराह्न से सं० लो० से० आ० के कार्यालय में कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

दिनांक 16 दिसम्बर 1978

सं० ए० 12025(ii)/1/77-प्रश्ना०-III—संयुक्त सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1977 के अधिकार पर कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 5/7/78-सी० एस०(I) दिनांक 25-10-78 द्वारा नामित होने पर संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एन० नमासिवायम को,

राष्ट्रपति द्वारा 13-11-1978 से, आगामी आदेशों तक, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

सं० ई० 32013/1/77-प्रशा०-१—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय के कें० सं० स्ट० से० संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के निम्नलिखित स्थायी अधिकारियों को उनमें से प्रत्येक के नाम के मामने दर्शाई गई अधिकारी के लिये या आगामी आदेशों तक, इनमें जो भी पहले हो, तदर्थे आधार पर अवर सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है:—

क्र०	नाम	अवधि
सं०		
1.	श्री बी० एस० जगोपोता	7-11-78 से 21-12-78 तक
2.	श्री बी० एस० कपूर	24-11-78 से 8-1-79 तक
3.	श्री पी० सी० माथुर	17-11-78 से 31-12-78 तक एस० बालचन्द्रन अवर सचिव संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर 1978

सं० ८ ई० पी० आर० एस० ३०३—श्री कस्तुरी लाल, मुस्तकिल अनुभाग अधिकारी, केन्द्रीय सतर्कता आयोग, कार्मिक और प्रशासन सुधार विभाग के ज्ञापन सं० 25013/7/77-एस्ट० (ए०), दिनांक 26-8-77 की शर्तों के अनुसार सरकारी नीकरी से 2-12-78 (पूर्वाह्न) से सेवानिवृत्त हो गया।

श्री निवास

अवर सचिव

कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मन्त्रालय

(कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1978

सं० एस० 169/68-प्रशा०-५—नागालैण्ड, सतर्कता विभाग में अन्वेषण निदेशक की नियुक्ति हेतु नागालैण्ड सरकार से प्रतिनियुक्ति के लिये चयन हो जाने पर, श्री एस० एन० मुखर्जी, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 1-12-78 (पूर्वाह्न) में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस उप-अधीक्षक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

रिपुदमन सिंह

प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 26 दिसम्बर 1978

सं० ई० 38013(2)/1/78-कार्मिक—नई दिल्ली से स्थानांतरित होने पर, श्री डी० वी० बहल ने दिनांक 11 दिसम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से कें० आ० सु० ब० यूनिट, बोकारो स्टील लिं०, बोकारो के कमांडेट पद का कायभार संभाल लिया।

सं० ई० 38013 (3)/1/78-कार्मिक—नई दिल्ली से स्थानांतरित होने पर, श्री एम० एम० थापर ने दिनांक 14 दिसम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से कें० आ० सु० ब० यूनिट, वी० पी० टी० विशाखापटनम के सहायक कमांडेट पद का कायभार संभाल लिया।

ह० अपठनीय

महानिरीक्षक

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

महालेखाकार आंध्र प्रदेश का कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

सं० ई० वी०-१/8-312/प्रमो०/726—महालेखाकार आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एस० बलराम कुण्ड को महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000 ई० वी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 27-10-78 के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाये, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

एस० आर० मुखर्जी

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०)

कार्यालय, मुख्य लेखा परीक्षक पूर्वोत्तर रेस्वे

गोरक्षपुर, दिनांक 27 दिसम्बर 1978

सं० एस० आ० आ० ५३९—१. इस कार्यालय के स्थाई लेखा परीक्षा अधिकारी एवं उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत परिषद में उप निदेशक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्त श्री आर० के० श्रीवास्तव ने अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-10-78 (अपराह्न) से कार्य का स्वतंत्र त्याग कर दिया।

2. श्री अभय सरन वर्मा, स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी, मुख्य लेखा परीक्षक द्वारा लेखा परीक्षा अधिकारी के पद-क्रम में दिनांक 1-11-78 से मौलिक रूप में नियुक्त किये गये हैं।

महानिरीक्षक

उप मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षा लेखा विभाग
कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 23 दिसम्बर 1978

सं० 68018(2)/71-प्रशा०-II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री पी० के० रामानुजम (विज्ञान एवं प्राचीनिकी विभाग में वित्त सलाहकार के रूप में, संयुक्त सचिव के पद पर (प्रतिनियुक्ति पर) को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-II (रूपये 2500-125/2-2750) में स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिये दिनांक 12 दिसम्बर, 1978, पूर्वाह्न से आगामी आदेश पर्यन्त, 'अनुक्रम नियम' के अधीन, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 दिसम्बर, 1978

सं० 18348/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री टी० वैकटसुब्रह्मण्यन्, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक, को दिनांक 31-8-79 (अपराह्न) से पैशन स्थापना को अन्तरित कर विद्या जाएगा और तदनुसार वे रक्षा लेखा विभाग की नफरी पर नहीं रहेंगे।

आर० एल० बख्शी
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

महानियंत्रक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 18 दिसम्बर, 1978

सं० 91/78/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री टी० के० सेन, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोरमैन), दिनांक 28-2-1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता
सहायक महानियंत्रक
आर्डनेन्स फैक्टरियां

उद्योग मंत्रालय

(श्रीदीगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 नवम्बर 1978

सं० 12(714)/72-प्रशा०-(राजपत्रित)-राष्ट्रपति, लघु उद्योग विकास संगठन के सहायक नियेशक ग्रेड-II (कांच/मूल्कला)—श्री सी० सी० दास को दिनांक 24 मई, 1978 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक नियेशक, ग्रेड-I (कांच/मूल्कला) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. सहायक नियेशक ग्रेड-I (कांच/मूल्कला) के पद पर नियुक्त होने पर, श्री दास ने दिनांक 24 मई, 1978 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोहाटी के सहायक नियेशक ग्रेड-II (कांच/मूल्कला) पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 24 मई, 1978 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान गोहाटी में सहायक, नियेशक, ग्रेड-I (कांच/मूल्कला) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

महेंद्र गुप्त
उप नियेशक (प्रशा०)

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर, 1978

सं० ए०-17011/142-प्र०-६—महानियेशक, पूर्ति तथा निपटान ने बम्बई निरीक्षणालय में भण्डार परीक्षक (वस्त्र) श्री ए० विश्वारामकृष्णन् को दिनांक 18 अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से श्री आगामी आदेशों तक के जारी होने तक उसी निरीक्षण मण्डल, नई दिल्ली के अधीन उप नियेशक निरीक्षण, कानपुर के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के रूप में तदर्थ आवार पर नियुक्त किया है।

पी० डी० सेठ
उप नियेशक (प्रशासन)
कृते महानियंत्रक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 1 दिसम्बर 1978

सं० प्रशा०-पी० एफ० (201) (.)—श्री सुनील कुमार मिश्र, अधीक्षक को एतद्वारा 1-12-1978 (पूर्वाह्न) से सहायक भुगतान आयुक्त (इस्को प्रतिपूरण) के पद पर तदर्थ स्थानापन्न होने के लिये नियुक्त किया जाता है।

पी० के० सरकार
लोहा और इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 26 दिसम्बर 1978

सं० 9826 डी०-2339 (एम० आर० बी०)/19 बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्र के सहायक भू-भौतिकीविद् श्री मूल राज वर्मा को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से 23 अगस्त, 1978 के अपराह्न से मुक्त किया जा रहा है ताकि वे क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कालेज, श्रीनगर में प्राध्यापक (लेक्चरर) के पद का कार्यभार ग्रहण कर सकें।

दिनांक 27 दिसम्बर 1978

सं० 4962-एन०-4/72/19-ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भंडार अधीक्षक (तकनीकी) श्री एस० बी० देव बर्मन को सहायक भंडार अधीक्षक के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 10-11-1978 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 28 दिसम्बर 1978

सं० 5912 एन-2222 (बी० सी० एस०)/19-ए०—श्री बी० चन्द्र शेखरन को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 10 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

बी० एस० कृष्णस्वामी
महानिदेशक

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-16, दिनांक 23 दिसम्बर 1978

सं० 4-154/78/स्था०—भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के निदेशक, श्री एस० आर० दाम को इस सर्वेक्षण के मध्य क्षेत्र, नागपुर में सहायक मानव विज्ञानी (सांस्कृतिक) के पद पर 23 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से अस्थायी आधार पर अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

सी० टी० थोमस
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक दिसम्बर, 1978

सं० 3(8)/68-डी० (एस०)/एस०-द०—दूरदर्शन केन्द्र, कलकत्ता के वेतन और लेखा कार्यालय के कनिष्ठ लेखा अधिकारी, श्री बासुदेव भट्टाचार्य को, केन्द्रीय इंजीनियर (पूर्व) के कार्यालय, आकाशवाणी, कलकत्ता में दिनांक 6-11-78 से, अगले आदेशों तक, रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया गया है।

सं० 1/9/78-एस०-द०—महानिदेशक आकाशवाणी निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से अगले आदेश तक क्रमशः केन्द्रीय विक्री एकांश तथा

व्यापारिक प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, बम्बई में नियुक्त करते हैं:—

- श्री जे० गोम्ज डी मेलो, 12-10-78 (पूर्वाह्न)
प्रशासनिक अधिकारी,
केन्द्रीय विक्री एकांश,
व्यापारिक प्रसारण सेवा,
आकाशवाणी, बम्बई को वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के रूप में।
- श्री पी० डी० अवारी, 12-10-78 (पूर्वाह्न)
वरिष्ठ लेखापाल,
केन्द्रीय विक्री एकांश,
व्यापारिक प्रसारण सेवा,
आकाशवाणी, बम्बई को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में।

एस० बी० सेषाद्री
प्रशासन उप निदेशक
कूते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 23 दिसम्बर 1978

सं० ए०-22013/1/73-सिव्वन्दी-I—फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने फिल्म प्रभाग नई दिल्ली के स्थानापन्न छायाप्राहृक श्री सी० के० माधवराव को दिनांक 2-12-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक फिल्म प्रभाग कलकत्ता में न्यूजरील आफिसर के पद पर नियुक्त किया।

नरेन्द्र नाथ शर्मा
सहायक प्रशासनीय अधिकारी
कूते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1978

सं० ए० 12025/6/78-(सी० आर० पी०) प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने निर्माण तथा आवास मंत्रालय, नई दिल्ली के मुद्रण निदेशालय के लेखा अधिकारी श्री आर० पी० सरसेना को 26 अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय मनोविकार-चिकित्सा संस्थान, रांची में प्रशासन अधिकारी के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

श्री आर० पी० सरसेना को केन्द्रीय मनोविकार चिकित्सा संस्थान, रांची में प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्ति हो जाने पर श्री बी० बी० नाग को 26 अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से प्रशासन अधिकारी के पद से प्रत्यावर्तित समझा जाये।

दिनांक 28 दिसम्बर 1978

सं० ए० 12026/15/77-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री अर्जुन कुमार को राष्ट्रीय मलेशिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली में 23 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12025/5/78-(एस० जे० एच०) प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली के कनिष्ठ जीवरसायनज्ञ, श्री डी० सरकार को 29 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी अस्पताल में जीवरसायनज्ञ के पद पर नियुक्त किया है।

शामलाल कुठियाला
उप-निदेशक प्रशासन

विद्युत परियोजना में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णन,
प्रशासनिक अधिकारी,
हते मुख्य परियोजना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग
विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग
बम्बई-5, दिनांक 16 दिसम्बर 1978

सं० पी० ई० डी०/3(236)/78-प्रशासन—विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निदेशक इस प्रभाग के निम्नलिखित व्यक्तियों को 1 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए इसी प्रभाग में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-प्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं:—

क्रम संख्या	नाम	वर्तमान संस्थायी पद,	स्थायी पद,
		ग्रेड	यदि कोई है
1. श्री के० रामदासन	. वैज्ञानिक	वैज्ञानिक	
		सहायक 'सी'	सहायक 'बी'
2. श्री एम० एल० कल्सी	. —यथोपरि—	—यथोपरि—	
3. श्री डी० एस० कंबले	. —यथोपरि—	—	

बी० बी० थाटे,
प्रशासनिक अधिकारी

नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना

बुलन्दशहर, दिनांक 12 दिसम्बर 1978

सं० ए० ए० पी० पी०/प्रशासन/1 (104)/-78-एस०/12691—नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के अस्थायी सहायक श्री के० आर० सी० पिले को 1 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये नरोरा परमाणु

बुलन्दशहर, दिनांक 21 दिसम्बर 1978

सं० ए० ए० पी० पी०/प्रशासन/1 (18)/78-एस०—इस परियोजना के सहायक कार्मिक अधिकारी श्री पी० वेनूगोपालन ने, उनका तबादला विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग में होने पर, 1 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

एस० कृष्णन,
प्रशासनिक अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक दिसम्बर 1978

सं० ए० ए० डी०-2/2752/78-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी/एम० बी० श्री के० के० चट्टर्जी का नौकरी से त्यागपत्र निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग द्वारा 30-11-1978 (अपराह्न) में स्वीकार कर लिया गया है।

एस० बाई गोखले,
वरिष्ठ प्रशासनिक एवं
लेखा अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1978

सं० ए० 12025/1/78-ई० उत्त्यू—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री आर० ए० राय को दिनांक 11-11-78 (पूर्वाह्न) से और अन्य आदेश होने तक, नागर विमानन विभाग में सहायक अग्निशमन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है और उन्हें क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय कलकत्ता में तैनात किया है।

सत्य देव शर्मा,
उप-निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर 1978

सं० ए० 32013/15/76-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 23-11-78 की अधिसूचना सं० ए० 32013/15/76-ई० सी० का आणिक संशोधन करते हुए ऋग संख्या 2 के सामने दिए गए इंद्राजों को निम्न प्रकार से संशोधित किया जाए :—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1.	श्री डी० के० शर्मा	क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, नागर विमानन विभाग, सफदरजंग एयरपोर्ट नई दिल्ली।

सं० ए० 12025/1/78-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित व्यक्तियों को नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में उनके नाम के सामने वी गई तारीख से और अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न तकनीकी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है और उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने अंकित स्टेशन पर तैनात किया है :—

क्रम सं०	नाम	जिस तारीख से नियुक्त हुए	तैनाती स्टेशन
1.	श्री दबशीष घोष	16-11-78 (पूर्वाह्नि)	वै० संचार स्टेशन कलकत्ता
2.	श्री दीपक पाल	18-11-78 (पूर्वाह्नि)	वै० संचार स्टेशन कलकत्ता

सं० ए० 32013/2/78-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 7-1-78 की अधिसूचना सं० ए० 32013/4/75-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने यह निर्णय किया है कि श्री पी० एम० मलिक, महाथक तकनीकी अधिकारी जो यमन जनवादी प्रजातन्त्र गणराज्य सरकार (म्रशन) में प्रतिनियुक्ति पर थे, की तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में पदोन्नति की प्रभावी तारीख दिनांक 29-10-1975 (पूर्वाह्नि) मानी जाएगी।

सं० ए० 32013/7/78-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री विजय पंवार, तकनीकी अधिकारी वैमानिक संचार स्टेशन

पालम को दिनांक 21-11-78 (पूर्वाह्नि) से छः माह के लिए अथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं० ए० 39012/3/78-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निदेशक रेडियो निर्माण तथा विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय में तकनीकी अधिकारी श्री विजय कुमार लूधगा का दिनांक 1-8-78 (पूर्वाह्नि) से सरकारी सेवा से त्यागपत्र संनीकार कर लिया है।

सं० ए० 39012/4/78-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री एस० एन० मूर्ति, तकनीकी अधिकारी, नियंत्रक व्यापारिक मंचार स्टेशन का कार्यालय, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई का दिनांक 30-9-78 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से त्यागपत्र संकीर्त कर लिया है।

सत्य देव शर्मा,
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1978

सं० ए० 32013/18/78-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री के० गोपाल, वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी को दिनांक 27 नवम्बर, 1978 से छः माह की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर उप-निदेशक विमानक्षेत्र नियंत्रक के ग्रेड में नियुक्त किया है।

श्री के० गोपाल को मुख्यालय में उपनिदेशक (प्रशिक्षण तथा लाइसेंसिंग) के हैप में तैनात किया है।

वी० शी० जौहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन

समाहर्तालिय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

तागपुर, 440001, दिनांक 20 नवम्बर 1978

मं० 10/78—श्री भ० किं० वाचामुन्दर, प्रभुवा लेखा अधिकारी जो सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क गोदा में भुगतान एवं लेखा अधिकारी के पद पर तैनात थे ते स्थानान्तरण पर भुगतान एवं लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क,

नागपुर का, श्री जी० टी० चिपलूणकर जो भुगतान एवं लेखा अधिकारी का अंतिरिक्त रूप में दिनांक 1-10-78 से 5-11-1978 तक कार्यभार संभाल रहे थे को कार्यभार मुक्त कर दिनांक 6-11-78 के पूर्णाह्न से कार्यभार संभाल लिया।

सं० 11/78—श्री आर० एस० बेरार, प्रमुख लेखा अधिकारी जो भुगतान एवं लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नागपुर का कार्यभार संभाल रहे थे, ने सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 30-9-1978 के अपराह्न से सेवानिवृत्त हो गये हैं।

दिनांक दिसम्बर 1978

सं० 9/78—श्री झेड द्वाजा जो समाहृती क्षेत्र नागपुर के अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी "ख" वटुपदीय अधिकारी रेंज-III गोदिया के पद पर तैनात थे ने सेवा-निवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-10-78 के अपराह्न से सेवामुक्त हो गये हैं।

माध्यम पहलकर,
समाहृती

दक्षिण पूर्व रेलवे
महाप्रबन्धक का कार्यालय
कलकत्ता-43, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

सं० पी/जी०/14300 बी/क०III इस रेलवे पार्ट सिविल इंजीनियरी विभाग के निम्नलिखित द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों का पृष्ठीकरण इस रेलवे पर उसी विभाग की द्वितीय श्रेणी सेवा में दिनांक 7 फरवरी, 1974 से किया जा रहा है:—

क्रम सं०	नाम
1. श्री ए० एन० पाल	
2. श्री एस० के० मजूमदार	
3. श्री जे० जी० डॉसन	
4. श्री पी० के० भट्टाचार्जी	
5. श्री आर० बी० सरमेना	
6. श्री एम० के० माडल	

सं० पी०/जी०/14/300 बी० (III)—इस रेलवे के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के निम्नांकित अवर वेतनमान (प्रथम श्रेणी) अधिकारियों का पृष्ठीकरण इस रेलवे के उसी

विभाग में प्रवर वेतनमान में प्रत्येक के सामने उल्लिखित तिथि से किया जा रहा है:—

क्रम सं०	नाम	पृष्ठीकरण की तिथि
1. श्री एच० बी० संजीवा गाव		25 मार्च, 1967
2. श्री के० एस० गुहा		6 नवम्बर, 1968
3. श्री पी० ली० पेरेस		12 दिसम्बर, 1968
4. श्री एम० पी० बुधिराज		1ली अप्रैल, 1969
5. श्री एन० सन्धानम्		22 जुलाई, 1969
6. श्री एम० श्रीनिवासन		22 जुलाई, 1969
7. श्री जे० सी० गुप्ता		22 जुलाई, 1969
8. श्री के० बेंकटेश्वर राध		22 जुलाई, 1969

मोहिन्दर मिह गुजराल,
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

(कम्पनी लौं बोँड़)

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और आरमस एण्ड सारस्वत मरिन इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पणजी, दिनांक 18 दिसम्बर 1978

सं० 253/जी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि आरमस एण्ड सारस्वत मरिन इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विवरित हो गई है।

द० रा० घोटे
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
गोवा दमण और दीव

कम्पनी अधिनियम 1956 और एसेन्सियल कोल एण्ड मिनरल कम्पनी प्राइवेट लिंग० के विषय में।

कानपुर, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

सं० 14916/3209-एल० बी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस सारीब से तीन माह के अवधारण पर एसेन्सियल कोल एण्ड मिनरल कम्पनी प्रा० लिंग० का नाम इसके

प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

एम० नारायणन्)
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
य० पी० कानपुर

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स आयलेन्ड इम्पोर्ट एक्सपोर्ट ट्रेडिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 21 दिसम्बर 1978

सं० 15261/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मेसर्स आयलेन्ड इम्पोर्ट एक्सपोर्ट कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स जेकबर्ड बोवन लेबल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 21 दिसम्बर 1978

सं० 12418/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स जेकबर्ड बोवन लेबल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

एल० एम० गुप्ता
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम 1956 और मै० कक्ष (इन्डिया) प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 22 दिसम्बर 1978

सं० एस० ए०/461/3553 (2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मै० कक्ष (इन्डिया) प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मै० राठौर इन्वेस्टमेन्ट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 22 दिसम्बर 1978

ग० एम० ए० 715/3554(2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मै० राठौर इन्वेस्टमेन्ट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके

प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और दी मै० ब्लू मार्जन्ट होटल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 22 दिसम्बर 1978

सं० एस० ए०/677/3555 (2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दि ब्लू मार्जन्ट होटल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मै० सम्बलपुर मित्रेल इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 22 दिसम्बर 1978

सं० एस० ए०/357/3556 (2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सम्बलपुर मित्रेल इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

डी० कै० पाल
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
उडीसा

कम्पनी अधिनियम 1956 और हॉक फाइनेंस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालन्धर, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

सं० जी/स्टेट/560/3772—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि हॉक फाइनेंस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कोरोनेशन बूलन एन्ड स्टील इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालन्धर, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

सं० जी/स्टेट/560/3212—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कोरोनेशन बूलन एन्ड स्टील इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और हिमाचल फिल्मस लिमिटेड के विषय में।

जालन्धर, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

सं० जी/स्टेट/560/3014—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हिमाचल फिल्मस लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उसके कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

मन्त्र प्रकाश तापल
कम्पनी रजिस्ट्रार
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़

मैसर्स प्रेस्टिज फाईनेंस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 415 (2) के अन्तर्गत नोटिस।

नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर 1978

सं० लिक्वि/3558/21645—माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 4-9-1972 के आदेश से मैसर्स प्रेस्टिज

फाईनेंस प्राईवेट लिमिटेड का परिसमाप्ति होना, आदेशित हुआ है।

पी० एस० माधुर
महायक कम्पनी रजिस्ट्रार
दिल्ली एवं हरियाणा

कार्यालय आयकर आयुक्त कानपुर
कानपुर, दिनांक 22 दिसम्बर 1978

आदेश

सं० 41—श्री इन्द्रजीत शर्मा आयकर निरीक्षक को आयकर अधिकारी (वर्ग ख) के रूप में आफिसियेंड करने के लिए रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तत्काल से तथा दूसरे आदेशों के मिलने तक नियुक्त किया जाता है। यदि बाद में देखा गया कि इनकी नियुक्ति उपलब्ध रिक्त स्थानों से अधिक हो गयी है तो ये परावर्तन के भागी होंगे। पदोन्नत होने के पश्चात इनकी मेवा आयकर आयुक्त आगगा की सौंपी जाती है।

प्रशान्त कुमार मिश्र
आयकर आयुक्त, कानपुर

प्रकृष्ट प्राइंट ई० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-30 बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० एस्ट्रार-III/एपी 282/78-79—अतः मुझे, आर०
एम० पंजवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सम्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सर्वे नं० 62, हिस्सा नं० 6 सर्वे नं० 63 हिस्सा नं० कुछ नहीं है तथा जो आढ़वली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-6-78 (डाक नं० 427/76)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प को उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मसर्स प्रकाश कर्स्ट्सक्षण और इंजीनियरिंग कम्पनी, हेग बिल्डिंग, 2nd स्पॉर्ट रोड, बलार्डस्टेट, बम्बई (अन्तरक)

2. मैसर्स रिफाईनरी ब्यू, हाउसिंग सोमायटी लि० घाटकोपर, माहूल रोड, चैम्बूर, बम्बई-74 (अन्तरिती)

3. वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में संपत्ति है :—

बिल्डिंग (ए)

फ्लैट नं०	फ्लैट मालिक के नाम
ए० 1	श्री एन० एस० वकिल
ए० 2	श्री हरभजन सिंह
ए० 3	श्रीमती जी० डी० चावला
ए० 4	सरदार ए० एस० दस
ए० 5	श्रीमती मांहिदर कौर
ए० 6	श्री रामकृष्ण बी० वाडके

ए० 7	श्री के० एन० चोपरा
ए० 8	श्रीमती रनजीत कौर
ए० 9	श्री नंदा देवी जगननाथ
ए० 11	श्री लाला जुगननाथ
ए० 12	मैसर्स जगननाथ ए० एन्ड मन्स
ए० 13	श्री हंसराज बहल
ए० 14	श्रीमती सविता बाली
ए० 15	श्रीमती उत्तम कौर स्वानी
ए० 16	श्री कुलवंत मिह स्वानी

बिल्डिंग (बी)

बी० 2	श्रीमती हरविंदर कौर चड्हा
बी० 3	श्री कोचर बिशननाथ
बी० 4	" " " " " लाल शर्मा
बी० 5	श्रीमती एम० बी० देव
बी० 6	श्री राम जोध राम
बी० 7	श्रीमती पुष्पा मित्तल
बी० 8	श्री कुंदन लाल खोमला
बी० 9	श्रीमती बलवंत कौर
बी० 10	श्री गलशन तलवार
बी० 11	श्रीमती कौशलया खटीयाल
बी० 12	श्री हंसराज बहल
बी० 13	श्री अमरीक लाल खोमला
बी० 14	श्री रामलाल चोपरा
बी० 15	श्रीमती एन० बी० रत्ना
बी० 16	श्रीमती एन० बी० रत्ना

बिल्डिंग (सी)

सी० 2	श्री कल्यानपुर एस० आर०
सी० 3	श्री लालसिंह
सी० 4	श्री बी० बी० नावरे
सी० 5	श्रीमती के० के० बहल
सी० 6	श्रीमती हुकम कौर चोपड़ा
सी० 7	श्री एन० एल० गुप्ता
सी० 8	सरदार सुरजीत मिह
सी० 9	श्री पूरन प्रकाश सेहगल
सी० 10	श्री धरम पाल उपल
सी० 11	श्री सूरज प्रकाश सेहगल
सी० 12	श्री बिहारी लाल सेहगल
सी० 13	मैसर्स राम ए० एन्ड कम्पनी
सी० 14	श्री मांहिदर सिंह
सी० 15	श्रीमती विमला बी० जैन
सी० 16	श्री चार्ल्स मैथीग्रस

बिल्डिंग (डी)

डी० 1	श्रीमती लीली बहल
डी० 3	मेजर तीलोचन सिंह
डी० 4	" " " " " कुमार
डी० 6	श्री रामलाल चोपड़ा
डी० 7	श्रीमती उमिला चोपड़ा
डी० 8	श्री सुभाष चंद्र वाधवन
डी० 9	श्री प्रीतम लाल वाधवन
डी० 10	श्रीमती शान्ति रानी वाधवन
डी० 11	श्री बालकृष्ण वाधवन
डी० 12	श्री आर० एस० भाटला
डी० 13	श्री एल० टी० दीवान
डी० 14	श्री एस० डी० कपूर
डी० 15	श्री आर० पी० कपूर
डी० 16	श्री आर० पी० कपूर

बिल्डिंग (एफ)

एफ 1	श्री सरदार स्वरन भिह
एफ 1ए	श्री साद राम भाटला
एफ 1बी	श्री जगन नाथ एण्ड मन्न
एफ 2	श्री तलवार
एफ 3	श्री एन० एस० मनचंदा
एफ 4	श्री एस० पी० कश्यप
एफ 5	श्री सुधीर एण्ड अरुण बसीन
एफ 6	श्री बोधराज आनंद
एफ 7	श्रीमती विमल खेरा
एफ 8	श्री ग्री० पी० थारेर
एफ 9	श्रीमती गीता जी० नाईक
एफ 10	श्री के० एल० भाटला
एफ 11	श्रीमती अरुणा सन
एफ 12	श्रीमती हरबन्स कोर
एफ 12ए	श्री शादीलाल चोपड़ा

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्रार्थना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्राह्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खती की जमीन या मैदान के बे तमाम टुकड़े या भाग, जो आडवली मौजूद हैं और माप से 5293-3/4 वर्ग गज या उसके आसपास यानी 4425.58 वर्ग मीटर हैं, उन पर खड़ी ए, बी, सी, डी और एफ इमारतों, प्लाट नं० बी-1, ए-10, सी-1, डी-2, और डी-5 को छोड़कर, महित, रजिस्ट्री जिला, बान्द्रा, बम्बई उपनगर जिल म है, जिल के नम्बर इस प्रकार है:—

सर्वे नं०	हिस्मा नं०	ए०जी०	निर्धारण
62	6	0-33	रु 2-0-0
63	कुछ नहीं	0.10 3/4	रु 2-0-0

5293-3/4 वर्ग गज के लगभग बराबर,

और इसकी सीमा इस प्रकार है:—

उत्तर में सर्वे नं० 60, हिस्मा नं० 5, बाली संपत्ति, दक्षिण में सर्वे नं० 81, भारवली के सर्वे नं० 9 बाली संपत्ति, पूर्व में सर्वे नं० 60 हिस्मा नं० 7 बाली संपत्ति, पश्चिम में माहूल घाटकोपर रोड।

आर० एम० पंजवानी,

सक्षम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III अम्बई

तारीख: 27-12-1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/III/12-78/322—अतः मुक्त डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बी-244 है तथा जो हरी नगर, गांव तिहार की आबादी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची म पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-4-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राम नाल करवान पुत्र श्री भगवान दाम करवाल निवासी डल्लू० जैड-409/के, जनक पार्क, हरी नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री राम प्रकाश अनेजा पुत्र मूलचन्द अनेजा निवासी, बी-244 हरीनगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 विसम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/III/12-78/324—अतः
मुझे डी० पी० गोयम्

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 10/66 है तथा जो पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-8-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में आकृतिक रूप से कृपित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन रेज-III, दिल्ली-1

1. श्री जोगिन्दर सिंह सुपुत्र श्री मिलखीराम निवासी 15-ए, पूसा रोड, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्री लनित कुमार सुपुत्र श्री आर० के० नन्दा निवासी जे-10/49 राजोरी गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकता द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हप्तोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित है, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 10 रोड नं० 66 जो 27955 वर्गमीटर का है, पंजाबी बाग कालोनी एरिया मादीपुर गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

उत्तर—प्लाट नं० 8

दक्षिण—प्लाट नं० 12

पूर्व—सर्विस लेन

पश्चिम—सड़क नं० 66

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 28-12-78

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/मई-89/3848/78-79

4857—ग्रत: मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 9/23 है तथा जो साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
6-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) देसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रत: ध्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्रीमती भागवती, पत्नी श्री सुन्दर दास टेकचन्द्रानी,
निवासी 7/19 साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)
- श्रीमती मुशीला बाई चड्हा (1/2 हिस्मा) पत्नी श्री
आर० के० चड्हा, (2) श्री बूज के० चड्हा (3) श्री द्वन्द्व
भूषण चड्हा, (4) श्री नवीन चड्हा, मभी सुपुत्र श्री आर०
के० चड्हा निवासी 9/23, साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यद्य सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

2-1/2 मंजिला बिल्डिंग जोकि 200 वर्ग गज क्षेत्रफल के
प्लाट पर बनी हुई है, इसका नं० 9/23 है, साउथ पटेल नगर,
नई दिल्ली में है ।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 1-1-1979

मोहर:

प्ररूप आई० ई० एन० एम० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेज II, दिल्ली

4/14 क, आमफ्रेली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/मई/108/3865/4857—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभी सम्प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० बी०/५ है तथा जो नार्थन सीटी एक्सटेनशन, डी० डी० ए०, रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-5-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण पे हुई किसी आय ही बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिनाने में सुविधा के लिए ;

अतः मम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः :—

1. श्रीमती गजीन्द्र कौर, पत्नी कर्नल प्रभजीन्द्र सिंह, निवासी बी०-21 ग्रीन पार्क एक्सटेनशन, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ति देवी, पत्नी श्री शिखर चन्द जैन, निवासी 15 बंगलो रोड, कमला नगर, दिल्ली-7 (अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही मर्यादित होगा जो उम अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक दुमंजिला मकान जोकि 1167.66 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, इसका नं० बी०-2, ब्लाक नं० 5 है, नाथन सीटी एक्सटेनशन स्कीम, डी० डी० ए०, रूप नगर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व: प्लाट नं० 1

पश्चिम: प्लाट नं० 3

उत्तर: रोड

दक्षिण: रोड

आर० बी० एल० अग्रवाल,

मध्यम अधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 1-1-1979

मोहर :

प्रलृप आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

4/14 क, आमफली भारा, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 1 जनवरी 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/एस० आर०-III/अप्रैल/ 405/78-79—अतः मुझे कुमारी अंजनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से प्रधिक है

और जिसकी संख्या 118 है तथा जो सुन्दर नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्ती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से भुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मर्यादितियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावृत्त अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

बता: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसार में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—
3—426GI/78

1. श्रीमती राजमोहिनी सूरी, पत्नी श्री सतवन्त सूरी, निवासी बी-38, कनाट पलैस (2) श्रीमती ललिता मेहरा, पत्नी श्री ओ० पी० मेहरा, निवासी डी-161, न्यू राजीन्द्र नगर, नई दिल्ली तथा (3) श्री राजीन्द्र नाथ खन्ना सुपुत्र श्री हरी नाथ खन्ना, निवासी 11, शिव सदन, 'सी' रोड, मारीन ड्राईव, बर्म्बाई (अन्तरक)

2. श्रीमती सुरजीत जैसवाल, पत्नी श्री एल० पी० जैसवाल, निवासी-148, सुन्दर नगर, नई दिल्ली (2) श्रीमती दौलत जैसवाल पत्नी श्री जगजीत जैसवाल निवासी 118 सुन्दर नगर, नई दिल्ली तथा (3) श्री अमरजीत डी० जैसवाल, सुपुत्र श्री एल० पी० जैसवाल, निवासी 148, सुन्दर नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 118 जिसका क्षेत्रफल 0.179 एकड़ है तथा इसके साथ बाउंड्री दिवार तथा और छांचा भी बना हुआ है, सुन्दर नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : मैन रोड

पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : प्लाट नं० 117

दक्षिण : प्लाट नं० 119

अंजनी ओजा,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 1-1-1979

मोहर :

प्रश्न प्राईंटॉटॉ एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

4/14 क, आमकाली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

निर्देश मं० आई० ए० मी०/एक्य०/।/एम० आर०-III/अप्रैल/408/78-79—प्रतः मुझे कुमारी अंजनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसे मैं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या एम-128 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावरु अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से दूर्दृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—

- श्रीमती लाजया रानी, पत्नी श्री वी० एम० भल्ला, निवासी 5/621, लोधी कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री जोगीन्द्र मिह, मुपुल श्री धर्म सिंह, निवासी ई-238, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका नं० 128, ब्लाक नं० 'एम' है और क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है, निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, बाहपुर गांव, दिल्ली नगर निगम की सीमा के अन्तर्गत, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड
पश्चिम : सर्विस लेन
उत्तर : प्लाट नं० एम-126
पश्चिम : प्लाट नं०-130

कुमारी अंजनी ओजा,
सक्षम प्राधिकरी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28-12-78

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1
4/14 क, आसफाली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

निवेद सं० आई० ए० सी० /एक्य०/ए० सं० आर०
III/प्रप्रैल-83/78-79/497—अतः मुझे कुमारी अंजनी ओजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी मंख्या ए० सं०-40 है तथा जो मस्जीद रोड, जंगपुरा ईस्ट,
नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उगावद्वय अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 29-4-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

दुकान जिसका नं० ए० सं० 40 है और क्रंत्रफल 286 वर्ग फुट
है, मस्जीद रोड, जंगपुरा एक्सटेंशन नई दिल्ली में है।

कुमारी अंजनी ओजा,
सक्षम अधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 28-12-1978

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

4/14 क, आसफाबली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/अपैल-64/436/78-79

—अतः मुझे कुमारी अंजनी ओजा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या एम-185 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुभूति में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 25-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह किष्वास
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी भाय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती सनेह लता, पत्नी श्री परशोत्तम सिंह चौपड़ा,
निवासी प्रेम विला, सेन्ट्रल रोड, जम्मू तवी (अन्तरक)
2. श्री शिव बीर सिंह, सुपुत्र श्री अतर सिंह, निवासी एस-6,
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सम्पत्ति से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुभूति

एक फ्रॉहोल्ड प्लाट नं० एम-185, और खेतफल 400 वर्ग
गज है, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सर्विस लेन

पश्चिम : रोड

उत्तर : प्लाट नं० एम-183

दक्षिण : प्लाट नं० एम-187

कुमारी अंजनी ओजा,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भायकर भायकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 1-1-79

मोहर :

प्रस्तुत ग्राही ० टी० एन० एस०—————
भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक भागकर ग्राहक (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली-1
नई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी 1979

निर्देश सं० ग्राही० ए० सी०/एक्य०/१/एम० आर०-III/४४०/
अप्रैल/७८-७९—अतः मुझे, कुमारी अंजनी ओजा

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी मख्या बी-10 है तथा जो कैलाश कालौनी, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपांचाल अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
26-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अस्तरकों)
और अन्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भागकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रमुखरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अफताब अहमद तथा अनवर अहमद दोनों सुपुत्र
श्री हाजी योख मोहम्मद इशाक, निवासी बी-10,
कैलाश कालौनी, नई दिल्ली । (अन्तरक)
2. श्री एस० प्रतिपाल मिहू, सुपुत्र श्री हर्कंस सिंह निवासी
जी-1, बी० के० दत्त कालौनी नई दिल्ली (2) एस० हरमन्वर
सिंह निवासी जी-2, बी० के० दत्त कालौनी (3) श्रीमती
परमजीत कौर, पत्नी एस० राजीन्द्र सिंह निवासी के० 69,
बी० के० दत्त कालौनी तथा (4) श्रीमती मनमोहन कौर
पत्नी श्री इन्द्रजीत सिंह, निवासी डी-24, बी० के० दत्त
कालौनी, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंत के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

संज्ञोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

2-1/2 मैजिला बंगला जोकि 464. 1/2 वर्ग गज क्षेत्रफल
के प्लाट पर बना हुआ है । इसका नं० बी-10 है, कैलाश कालौनी
नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

ईस्ट (पूर्व) : प्लाट नं० बी-9

पश्चिम : प्लाट नं० बी-11

उत्तर : रोड

दक्षिण : सर्विस लेन

कुमारी अंजनी ओजा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भागकर ग्राहक (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 1-1-79

मोहर :

प्रस्तुप ग्राही० दी० एन० एस०—————

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269वा०(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी 1979

फॉर्म १० ग्राही० ए० पौ०/एक्य०/१/एस० आर० III/अप्रैल/
15/409/78-79—प्रतः मुझे कुमारी अंजनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-वा०
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी संख्या डब्लू-36 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुभूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख: 18-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से रूचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या प्रथा प्राप्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृत्ति
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

प्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की आरा 269-वा० के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की आरा 269-वा० की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जात:—

1. श्रीमती कैलाश सूरी, पत्नी श्री एन० सी० सूरी, निवासी
डब्लू-36, पहली मजिल ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ति सूरी पत्नी श्री क० एल० सूरी (2)
श्री क० एल० सूरी, मुपुत्र श्री लाल चन्द (3) श्री आर०
क० सूरी मुपुत्र श्री क० एल० सूरी तथा (4) श्री मोहिन्द्र
कुमार सूरी, मुपुत्र श्री क० एल० सूरी, निवासी डब्लू-36,
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अमृतसूची

2-1/2 मंजिला बंगला जोकि 418 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट
पर बना हुआ है, इसका नं० डब्लू 36, है, दिल्ली नगर निगम
की सीमा के अन्तर्गत, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में निम्न प्रकार
से स्थित है:—

पूर्व : रोड़

पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : प्लाट नं० 34 पर मकान

दक्षिण : प्लाट नं० 38 पर मकान

कुमारी अंजनी ओजा,
सज्जम अधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 1-1-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुष्ट (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी 1979

निवेद सं० आई० ए० सी०/एक्य०/ज०/एस० आर० III/109/
अप्रैल/78-79—अतः मुझे कुमारी अंजनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मंदिरा 23/172 है तथा जो जोर वाग, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्व स्प से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 20-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कुन्दन खूर्णी राम, निवासी सी-37, मार्फ़ेयर गार्डन,
नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री मै० नेज प्रोपर्टीज (प्रा०) लि० ई-6/13, वमन्त
बिहार, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक द्वाई मंजिला बिल्डिंग जोकि 1236, 1 वर्ग गज फीहोल्ड
प्लाट पर बनी ही है। इसका नं० 23, ब्लाक नं० 172 है, जोर
वाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लाट नं० 24

पश्चिम : प्लाट नं० 22

उत्तर : मैन रोड

दक्षिण : सर्विस लेन

कुमारी अंजनी ओजा
सभम अधिकारी
सहायक आयकर आयुष्ट (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली

तारीख : 1-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 की धारा 269प (1) के प्रधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1
 नई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/पुस आर०-III/अप्रैल/
 400/78-79—अन: मुझे कुमारी अंजनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
 के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
 स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये
 से अधिक है

और जिसकी सं० बी-30 है तथा जो महारानी बाग बंगला नं० 8,
 ईस्टन एवेन्यू, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
 में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
 नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
 का 16) के अधीन तारीख 4-4-1978

को पूर्वोंकर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोंकर सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पक्का प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (प्रन्तरकों) और
 प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया
 गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत, उक्त
 अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या छससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
 को, जिन्हें भारतीय धार्य-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिनते
 में सुविधा के लिए;

अतः यद्युपि, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के प्रनुसरण
 में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपशारा (1)
 के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधीकृत ।—

1. श्री दीप बी० कालेलकर, मुपुत्र स्वर्गीय डा० बी० डी०
 कालेलकर, निवासी 22, जी० आई० डी०सी०, इन्डस्ट्रियल
 एरिया, मकानपुरा रोड, बरोदा (अन्तरक)
2. श्रीमती महिन्द्र कौर, पत्नी सरदार सुजान सिंह, द्वारा
 बी-30, महारानी बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकर सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंकर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

ल्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
 भासित हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय
 में दिया गया है।

अनुसूची

एक छाई मंजिला बिल्डिंग जोकि 1191.66 वर्ग गज
 क्षेत्रफल के प्लाट पर बनी हुई है, जिसका नं० बी-30 है (जोकि
 ईस्टन एवेन्यू से जाना जाता है), महारानी बाग, नई दिल्ली में है।

कुमारी अंजनी ओजा,
 सक्षम अधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 1-1-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेंज-57 रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 14 दिसम्बर 1978

निदेश नं० एवं 30 ग्रंजन—ग्रातः मुझे ग्रमर सिंह बिसेन ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 427 है तथा जो सिविल लाइन्स न्यू हैदराबाद लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-4-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पल्लव प्रतिशत से अधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितीयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उस अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

ग्रातः ग्राव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

4—426GI/78

1. श्रीमती जे० एन० खना व अन्य (ग्रन्तरक)
2. श्री हरमजन सिंह व अन्य (ग्रन्तरिती)
3. विक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 427 सिविल लाइन्स, न्यू हैदराबाद लखनऊ फीहोल्ड व सम्पत्ति का वह सभी विवरण जो सेल-डीड व कार्य 37 जी संख्या 1889 में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दर्ज है 28-3-78 को।

ग्रमर सिंह बिसेन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रंजन रेंज, लखनऊ

तारीख : 14-12-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-व (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-57, रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ
लखनऊ, दिनांक 14 दिसम्बर, 1978

निवेश नं० जे 44 अर्जन—ग्रत: मुझे ग्रमर सिंह विसेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी प्लाट संख्या 427 सिविल लाइन्स न्यू हैदराबाद
लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
तारीख 28-3-1978/19-4-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाधूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितिबों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्तिमों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए

पद: पद; उक्त अधिनियम की आरा 269-व के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपचारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अन्तरित:—

1. श्रीमती जे० एन० खन्ना व अन्य (अन्तरक)
2. श्री जगदीश प्रकाश मिश्रा व अन्य (अन्तरिती)
3. ...विक्रेता... (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन
के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजान के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाल
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
नद फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रयोग 20-क में परिमाणित
है, वही प्रयोग होगा जो उस प्रयोग में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट नं० 427 वाके सिविल लाइन न्यू हैदराबाद
लखनऊ (फीहोल्ड) व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो कि सेल डील
व फार्म 37-जी संख्या 1872 में जो कि सब रजिस्ट्रार लखनऊ
के कार्यालय में दिनांक 28-3-78 को दर्ज है।

ग्रमर सिंह विसेन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 14-12-1978

मोहर:

प्रस्तुत प्राई. टी. एन. एस. --

1. श्री जे. एन. खन्ना व अन्य

(अन्तरक)

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्यापा

2. श्री पी. एन. श्रीवास्तव

(अन्तरिती)

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-57, रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निवेशनं ० पी ६७ अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की व्यापा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

और जिसकी संख्या 427/3 है तथा जो न्यू हैंदराबाद लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-3-78/ 19-4-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यसपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत प्रधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और प्रत्यक्षी (प्रत्यक्षियों) के बीच ऐसे प्रस्तुरण के लिए काय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित चौथे से उक्त प्रस्तुरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तुरण से हुई किसी पाय की वादत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिस्में सार्वतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की व्यापा 269-व के प्रमुखरूप में, भी, उक्त अधिनियम की व्यापा 269-व की उपव्यापा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरात्मक व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिचायित हैं, वही प्रथम होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट नं० 427/3 वाके न्यू हैंदराबाद लखनऊ रकबा 6924 वर्ग कीट (फीहोल्ड) व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो कि सेल डीड व 37-जी संख्या 1879 में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार लखनऊ में दिनांक 28/3/78 को दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 14-12-78

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० एम० एस०-----

1. श्री जे० एन० खन्ना व प्रन्थ

(प्रस्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

2. श्री प्रभू दयाल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-57, रामलीर्थ मार्ग, लखनऊ
लखनऊ, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निदेश नं० बी० 78/अर्जन—अतः मुझे प्रमर सिंह विसेन प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मंजूरी प्लाट नं० 427/2 न्यू हैदराबाद लखनऊ है तथा जो हैदराबाद लखनऊ में स्थित है (और इससे उपायम अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-3-1978 को पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिका करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्तरिती के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुख

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बावत उक्त प्रक्रियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बम-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एक किता प्लाट नं० 427/2 वाके न्यू हैदराबाद लखनऊ (फीहोर्ड) व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो कि सेल हीड व फार्म सं० 37-जी संख्या 1884 में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 26-3-1978 को दर्ज है।

प्रमर सिंह विसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ

अतः प्रबृ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्यातः—

तारीख: 14-12-1978

मोहरः

प्रकृष्ट प्राईंटी० ई० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

सं० 233/78-79—यतः मुझे के० एस० बैंकट रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 16/25 है, जो जोनाला गडाबारी गली बैलर
में स्थित है और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के का यालय, नैलर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
12-4-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्दह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर, अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रथोबनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधित:—

1. (1) मै० बागेश्वर राज धर नं० 16-1694 राम-
सूर्यनगर वेलूर (2) मै० यादवराज कं० मै० डी० पी०
एल० बालानगर धर नं० 1-8-702/29-2 मलामुटा)
हैदराबाद (3) श्रीमती बाला सरस्वत्या धर नं० 16-
1694 राममूर्ती नगर नेलूर (अन्तरक)

2. श्री तीरुविदी राममूर्ती तुमेटीबारी पलिम कनीबारी/
वादक प्रकाशय जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों, पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
प्रध्याय में दिया गया है ।

मनुसूची

डोर नं० 16/25 जीनलागडाबारी गली नेलूर मनजुहोटल
कहा जाता है । रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 842/78 उप रजिस्ट्री
कार्यालय नेलूर ।

के० एस० बैंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 2-12-78

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वा० (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

नं० 234/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा०
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 2-4-554 है, जो नलागूटा रामगोपाल पेट
में स्थित है (और हमसे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्द्राबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 10-4-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक सप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा० के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा० की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती रहमतुशीर्सा पत्नी स्वर्गीय ये० ये० एस० कुरेशी
घर नं० 201 मरिंडपली सिकन्द्राबाद (2) गुलाम मोही-
नोहीन कुरेशी (3) गुलाम मोहीनोहीन (4) कलीलीदीन
(5) श्रीमती गौसीय (6) श्रीमती शेहनाज (7)
सुरेण्या कुरेशी नं० 2 ता० 7 के० रकवाले हैं माता जी
(अन्तरक)

2. मैसर्स समीत इन्जीनियरिंग कारपोरेशन नं० 7946
राजीमनदां, सिकन्द्राबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबू
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 2-4-554 लीज होलड अमीन नं० 33-ए बीस्टैन
248-वरी यार्ड नलागूटा सिकन्द्राबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
930/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद में।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 2-12-78

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

सं० नं० 235/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 7/528 ए आर बी है तथा जो प्रोदाटूर में स्थित
है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप से अंकित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रोदाटूर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल
1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में [में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, प्रयत्न:—

- (1) श्री गलारामन्ना (2) जी वापुजी (3) श्री विनोद
बाबू (4) जी मायेनात (मैनर) जी० पी० ए०
माता अकम्मा भमाम रहते हैं सीरीगुप्पा राउ हास्पेट
तालुक वेलारी जिला करनाटका प्रदेश। (अन्तरक)
- एम० जी० नागो रेड्डी पिता एम० नागीरेडी हालमासपेट
प्रोदाटूर (अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

1/6 शेयर घर का नं० 7/528 ए आर बी माना जाता है
माय बाबा टेटर प्रोदाटूर में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 835/78
उप रजिस्ट्री कार्यालय प्रोदाटूर में।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 2-12-78

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एस० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 2 दिसम्बर 1978

सं० नं० 236/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिसकी सं० 7/528 ए आर बी है, जो प्रोद्धूर में स्थित है
(झौर इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, प्रोद्धूर में रजिस्ट्री-
करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख
अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्राप्त हु प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्धारित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भूम्य प्राप्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाधृत प्रस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यद्युपि, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व
के अनुसरण में, मैं, 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269-व
के प्रधीन की उपधारा (1) के निम्नलिखित अवित्तीयोंवशीत :—

1. (1) गल्लारामना (2) जी० बापुजी (3) श्री विनोद-
बाबू (4) श्री समेनाता (मैनर) श्री पी० ए० माता
अकम्मा तमाम रहते हैं सीरीगुपा रोड हासपेट तालूक
बेलारी जिला कर्नाटका प्रवेश (अन्तरक)

2. पालामीरी नागम्मा पती नागमन रेडी कवापरेटु
सेन्ट्रल स्टेस रास्ता प्रोद्धूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेत के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपचौकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्याय होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/6 भाग घर नं० 7/528 में कहा जाता है साईबाबा एटर
प्रोद्धूर रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 836/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय
प्रोद्धूर में ।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 2-12-78

मोहर:

प्र० श्री आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 2 दिसम्बर 1978

नं० 237/78-79—यतः मुझे के० एस० वैकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1/6 भाग 7/528 है, जो प्रोद्दूर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रोद्दूर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
12-4-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
(अन्तरिती) अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक कम से कमित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

- (1) श्री गला रामचंद्र (2) श्री बापुजी (3) श्री
विनोद बाबू (4) श्री समेनात (मेनर) माता रकवाले
ह श्रीमती अकम्मा तनाम बेलारी यें रहते हैं (अन्तरक)
2. श्रीमती प्रोटेनदुला लक्ष्मी देवी पती चन्द्रासेकर रेडी कडपा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
मर्यादित होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

1/6 भाग है घर नं० 7/528 में कहा जाता है "साईबाबा
सिनेमा थेटर" प्रोद्दूर में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 837/78 उप-
रजिस्ट्री कार्यालय प्रोद्दूर में।

के० एस० वैकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपषारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थति:—

5—426GI/78

तारीख: 2-12-1978

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 दिसंबर 1978

नं० 238/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन
ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 1/6 घर नं० 7/528 है, जो प्रोदटूर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रोदटूर में भारतीय रजिस्ट्री-
करअ प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-4-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष्य प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच
ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या मन्द आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः, घब, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के अनु-
सरण में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ष की उपग्रामा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा० :—

- (1) श्री गलारामश्वा (2) श्री बापुजी (2) श्री बी०
विनोदवाबू (4) श्री सपिनत (मैनर) माता श्रकम्मा
रकवाले हैं, सीरीगुपा गाउ में रहते हैं, बेलारी (अन्तरक)
- श्री सेटीपली नामी रेडी (मैनर) पिता श्री रंगुरामीरेडी
रकवाले हैं प्रोदटूर में (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राम्यकर :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्त व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के ग्रन्तराय 20-क में परिभाषित हैं, वही
पर्यंत होगा, जो उप ग्रन्तराय में दिया गया है।

अनुसूची

1/6 का भाग है घर नं० 7/528 का कहा जाता है "सापेबाबा
थेटर" प्रोदटूर में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 838/78 उप रजिस्ट्री
कार्यालय प्रोदटूर में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम अधिकारी
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 2-12-78

मोहर:

प्रकृष्ट ग्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 प्र (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 2 दिसम्बर 1978

नं० 239/78-79—यतः सुझे के० एस० वेंकट रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 26,000/-
है से अधिक है।और जिसकी सं० 1/6 भाग 7/528 है, जो प्रोद्वदूर में स्थित है
(और इससे उपांच्छ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रोद्वदूर में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-4-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुजे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत प्रधिक है और प्रमत्तरक (प्रमत्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमत्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) प्रमत्तरण से हुई किसी धारा की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रमत्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी धारा या किसी इन या अन्य प्रासितियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृत्त
प्रमत्तरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, लिखने में सुविधा के लिए;प्रतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ना के प्रमत्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधान (1)
मध्यीन, मिम्नलिखित अवित्तियों, अवृत्त :—1. (1) श्री गवारामश्वा (2) श्री बापुजी (3) श्री विनोद-
बाबू (4) श्री सायिनात (मैनर) माता उसके श्रीमती
(प्रकम्मा रकवाले हैं सीरीगुपा गाउ बेलारी जिला
(अन्तरक)2. श्री अवरी पली नागेश्वर रेडी पिता ए० सी० नागेश्वर
(रेडी प्रोद्वदूर) (अन्तरिती)को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधान
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधान के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा, प्रबोहस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकें।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त पद्धतों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधानाय 20-क में परिभाषित हैं, वही
पर्यंत होगा जो उस प्रधानाय में विद्या गया है।

अनुसूची

1/6 भाग घर नं० 7/528 कहा जाता है "सायीबाबा थेटर"
प्रोद्वदूर में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 839/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय
प्रोद्वदूर में।के० एस० वेंकट रामन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबादतारीख: 2-12-1978
मोहर:

प्रस्तुप ग्राही० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269 अ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

नं० 240/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी संख्या 1/6 भाग 7/528 में है, जो प्रोद्दूर में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रोद्दूर में रजिस्ट्री-करन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-4-78 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी दून या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अचौतः:—

1. (1) श्री गला रामन्ना (श्री बापुजी) (3) श्री विनोदबाबू
 (4) श्री साईनान (मैनर) माता श्रीमती अकम्मा
 अदीपती है तमाम रहते हैं सीरीगुपा राउ में बेलारी जिला
 (अन्तरक)

2. श्री सतीपली अशोक रेड्डी (मैनर) पिता जी श्री रगुरामी
 रेड्डी अदीपती है प्रोद्दूर में। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में एक जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-अ में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/6 भाग है घर नं० 7/528 में कहा जाता है "साई बाबाथेटर" प्रोद्दूर में रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 840/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय प्रोद्दूर में।

के० एस० वेंकट रामन,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 2-12-78

मोहर:

प्रकाश प्राईंट डी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269वां (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 विसम्बर 1978

नं० 241/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269वां
के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी प्लाट नं० 5-1-11-251/5 में है, जो बेगमपेट
सिकन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सिकन्द्राबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का० 16) के अधीन 19-4-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यक्षापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया हैः—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
निए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्त्र आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यब, उक्त अधिनियम की भारा 269वा के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की भारा 269वा की उपधारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित अवित्यों अवधारितः—

1. श्री विश्वनाथ डी० शहानी 'कलाभवन के पास सैदाबाद
हैदराबाद में' (अन्तरक)
2. श्रीमती सी० भारती देवी घर नं० 1-2-412/2 गगन
महल कालीनी हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्त्वांशी अवित्यों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किसी अवित्यों द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्यों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

ल्पव्याप्तिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही मर्यादा होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 5 पहली सतापर घर नं० 1-11-251/2 बेगमपेट
सिकन्द्राबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1032/78 उप रजिस्ट्री
कार्यालय सिकन्द्राबाद में।

के० एस० वेंकट रामन,
सभाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखः 2-12-1978

मोहरः

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 2 विसम्बर 1978

नं० 242/78-79—यतः मुझे के० एस० बैंकट रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 9/1/एक है, जो सहनगर हैदराबाद
ईस्ट में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद ईस्ट
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख अप्रैल 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्दि किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर बैने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपषारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) बलुरी शेषमां पती वीवेनकोश शवरलु (2) बी०
श्रीदेवी पिता बी० वेनकटेश्वरलु कोतापेट रोड हैदराबाद
35 में (अन्तरक)

2. श्री वेन कटेश्वर क्वापरेट हौज बिल्डिंग सोसायटी अदीपती
श्री सदाकृष्णमूर्ती 3-5-1140 रामकोटे हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध कोई भी आधेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किनी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

इष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

मनुष्य

खुली जमीन सर्वे नं० 9/1/एक में है, 1-26 एकर सहनगर
गाउ हैदराबाद ईस्ट में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1770/78 उप
रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में ।

के० एस० बैंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रज, हैदराबाद

तारीख: 2-12-1978

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

नं० 243/78-79—यतः मुझे के० एम० वेंकट रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 9/1/एफ है, जो सरुनगर म
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुभूति में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
1-4-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, पर्याप्त:—

1. श्रीमती वलुरी सुबाराजु (2) वी० सुबमम्मा (3) वी०
विश्वेश्वर राऊ (4) वी० रामाचन्द्रा राजु 1-2-412/1
प्रगत महल कालोनी हैदराबाद में। (अन्तरक)

2. श्री वी० वेंकटेश्वर कवापरेटु हौज बिल्डिंग सोसायटी
सरुनगर, इसका अधिपति श्री के रादाकृष्णमूर्ती है
हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जीरासी जमीन वीस्टर्न 7.08 एकर्स है सर्वे नं० 9/1/एफ
सरुनगर गाउ हैदराबाद ईस्ट में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1870/78
उप सजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में।

के० एम० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 2-12-1978

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 विसम्बर 1978

नं० 244/78-79—यतः मुझे के० एस० बैकट रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है
और जिसकी सं० 8/373 है, जो मनबजार माडपती में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ताडपती में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
12-4-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल
के लिये प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान
प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है
और प्रतारक (प्रतरकों) और प्रस्तुरिती (प्रस्तुरितियों) के बीच ऐसे
प्रस्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया
है :—

(क) प्रतारण से हुई किसी माय को बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थि प्राप्तियों को
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रस्तुरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बनकहारी नरसीमलु ताडपती अनंतापुर-जिला
(अन्तरक)

2. (1) श्री मुत्याला बालामराया (2) एम जीना रामव्या
वार्ड नं० 10 मेनबजार ताडपती अनंतापुर (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थि अविक्त द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

इष्टव्यक्तिगत :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दोर नं० 8/373 मेनबजार ताडपती के पास में अनंतापुर
जिला रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 496/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय
ताडपती अनंतापुर जिला में।

के० एस० बैकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-12-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

26९ घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

नं० 245/78-79—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26९-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 3/294 है, जो लक्ष्मीपुरम वेलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-4-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रतिक्रिया (अन्तरक्रिया) और प्रतिक्रिया (अन्तरिक्रिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी प्राय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। औरया

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अण आस्तियों को जिस्में भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम, की धारा 26९-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 26९-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—

6-426GI/78

1. श्री गुनुपती श्रीनिवासुल रेडी पिता बलरामीरेडी कोतुर गड नेलूर जिला (अन्तरक)

2. (1) श्री लीनमा रेडी वेंकटरमणा रेडी (2) लीनमा रेडी वेनकटनरसा रेडी थैल-वी-रमना रेडी और कम्पनी शनतापेट वेलूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायबाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 3/294 लक्ष्मीपुरम वेलूर रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 980/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय नेलूर में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम अधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 6-12-1978

मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

नं० 246/78-79—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० आफीस नं० 213 है, जो सागर बु घर हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोत पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(a) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(b) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं विधा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स स्वास्थ्यक बिल्डर्स 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री एस० आमलेशचन्द्रा राऊ 3-6-641 हीमायतनगर हैदराबाद (अन्तरिती)

जो मृ मूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविन में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आपीस नं० 213, 2-मंजिला पर सागरबु घर नं० 1-2-524 दीमलगुडा हैदराबाद वीस्टर्न 427 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1303/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन
मक्षय अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 6-12-1978
मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वा०(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

नं० 247/78-79—यतः, मुझे के० एस० वेंकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269वा०
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० में अधिक है

और जिसकी सं० अपीसले 108 हैं, जो मागरवृ दीमलगुडा हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 13-4-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाय से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा० के मनु०
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वा० की उपचारा
(1) के अद्वीत निम्नलिखित अस्तियों, प्रथात्:—

1. मैसर्स स्वास्तीक विल्डर्स घर नं० 1-2-524/3 दीमलगुडा
हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती के० सकुवायम्मा घर नं० 6-3-596/21 वेंकट-
रमणा कालोनी, केरलाबाद-हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि गा तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना
की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वहीं प्रथा होगा, जो उक्त
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफीम घर नं० 108 पहलीस्ता पर घर नं० 1-2-524/3
सागर वृ दीमलगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1304/78
उपर रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-12-1978

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

नं० 248/78-79—यतः सुझे के० एस० वेंकट रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० आपीस नं० 207 है, जो सागरबुध घर हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
अपैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- मैसर्स स्वास्तिक बुलडर्स घर नं० 1-2-524/3 दोमलगुडा सागरबुध घर हैदराबाद (अन्तरक)
- श्री मनमोहन रेडी पिता डाक्टर मेन बालाकृष्ण रेडी घर नं० 3-6-198 हिमायतनगर हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

आपीस घर नं० 207 2-सतापर सागरबुध घर नं० 1-2-524/3 दोमलगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री इस्तावेज नं० 1305/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख: 6-12-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एम. १०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद
हैदराबाद दिनांक 6 दिसम्बर, 1978

नं० 249/78-79—यतः मुझे के० एम० वेंकट रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० आपीस नं० 209 है, जो सागरवु दीमलगुडा
में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
13-4-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रत्यक्षित (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रति-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनुकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
आना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के बनुसरण में
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. मैसर्स स्वास्तिक बुलडस 1-2-524/3 दीमलगुडा
हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्री एम० कृष्णा कुमार पिता एन० श्रीनिवास आयर-
553 सीमाविगुडा हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से
किसी अधिकत द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अधिकत द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आपीस नं० 209 2-मंजिला घर नं० 1-2-524/3 सागरवु
घर दीमलगुडा हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1307/78
उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज हैदराबाद

तारीख: 6-12-1978
मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 दिसंबर 1978

नं० 250/78-79—यतः, मुझे के० एस० वेंकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० आपीस नं० 112 है, जो सागरबु-हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 13-4-1978

को पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त मम्पति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के निए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अल: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत् :—

1. श्री स्वास्तिक विलडस 1-2-524/3 दीमलगुडा
हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री सतीश कुमार अग्रवाल 15-1-52 फीलकाना
हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त मम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आपीस नं० 112 पहली सता पर घर नं० 1-2-524/3
सागरबु नं० दीमलगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1307/78
उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एम० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 6 दिसम्बर 1978

नं० 251/78-79—यतः, मुझे, के० एस० बैंकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सभी सभी प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या नं० 111 घर नं० 1-2-524/3 दोमलगुडा
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय प्रप्रैल 78
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
लग पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्यातः:—

1. मैसर्स स्वास्तीक बुलडर्स 1-2-524/3 दोमलगुडा
हैदराबाद। (अन्तरक)

2. सतीश कुमार अगरवाल 15-1-52 पीलकाना हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्यि व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संशोधन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आपील नं० 111 I मनपनगर मारावु घर नं० 1-2-524/3
दोमलगुडा हैदराबाद में दस्तावेज नं० 1369/78 उपकार्यालय
हैदराबाद रजिस्ट्री आपील में।

के० एस० बैंकट रामन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख: 6-12-78
मोहर:

प्र० पूर्ण आई० टी० एन० एस०—
ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
ग्राम्यन रेज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

नं० 252/78-79—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन,
ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आफीस नं० 313 है, जो 1-2-524/3 दीमलगुडा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
अप्रैल 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने वे सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्ता :—

- मैसर्स स्वास्तीक बिलडर्स 1-2-524/3 दीमलगुडा
हैदराबाद। (अन्तरक)
- डाक्टर (श्रीमती) के शांता प्रकाश पती डाक्टर जया-
प्रकाश घर नं० 11-2-553 आगपुरा हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹ सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृतात्मकी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 313 तीसरी मनजिल पर घर नं० 1-2-524/3
दीमलगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1370/78 उप
रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण),
ग्राम्यन रेज, हैदराबाद।

तारीख: 6-12-1978
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 दिसंबर 1978

नं० 253/78-79—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण ऐसा कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 214 है, जो दीमलगुडा-हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः ग्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु०
सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्ननिनित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7-426—GI/78

1. मैमर्स स्वास्तीक विलडर्स 1-2-524/3 दीमलगुडा
हैदराबाद। (अन्तरक)

2. एस० अमलेशधेन्द्र मोर्दा घर नं० 3-6-641 हिमायत
नगर हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही ग्रंथ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 214 2-मंजिल पर घर नं० 1-2-524 सागरवु
दीमलगुडा हैदराबाद में है। रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1371/78
उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन,
मक्षय अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख : 6-12-1978
मोहर :

प्रस्तुप ग्राइंड टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदरगाबाद
हैदरगाबाद, दिनांक 6 दिसंबर 1978

नं० 254/78-79—यतः; मुझे, कें० एस० वेंकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिमकी नं० कुली पलाट है, जो 3-5-874 में हैदरगुड़ा
में स्थित है (आँग दमसे उपावड अनुसूची में आँग पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदरगाबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
21-4-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(३) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(४) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थातः:—

1. श्रीमती एम० शीतरीश और दूसरे लोग है (अन्तरक)
2. (1) श्री वी० धेगदीशवर रेड़ी (2) श्रीमती वी० वी०
जय लक्ष्मी 17-2-मलका जगीर मिकन्दगाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त प्राप्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संशोधन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभासित
है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुली जमीन वीमने 576 वर्ग यार्ड घर नं० 3-5-874 के
जमीन में हैदरगुड़ा हैदरगाबाद दस्तावेज नं० 1479/78 उप रजिस्ट्री
कार्यालय हैदरगाबाद में।

कें० एस० वेंकट रामन,
मश्रम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदरगाबाद।

तारीख : 6-12-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 255/78-79—यतः, मुझे, को० एम० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उक्त के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 3-5-874 है, जो हैदरगुण्डा हैदराबाद में स्थित है (आँग इसमें उपावद्ध अनुसूची में आँग पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों 41. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधार्त्:—

1. श्रीमती एम० एम० श्रीतंगेश और दूसरे हैं।

(अन्तरक)

2. कृमारी वी० मुहामिनी गिता डाक्टर वी० गोपाल राव 3-5-170/ए/8, नारायणगुण्डा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्तैरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौरपदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वीस्टेन 355 बर्ग यार्ड नं० 3-5-874 हैदरगुण्डा, हैदराबाद में है दस्तावेज 1478/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

को० एम० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 6-12-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० पू० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

निदेश नं० 256/78-79—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट
रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो 3-5-874 हैदरगुडा हैदराबाद
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 21-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परदह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रतिशत (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे प्रत्यरूप के लिए तथा पारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रत्यरूप निम्निति में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय ही बात, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में मुश्विरा के लिए;
ग्रोर/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी भन या पन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-क्र
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिमी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में मुश्विरा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की
उपलब्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती एस० एस० श्रीनगेश पती स्वर्गीय एस० एस०
श्रीनगेश और दूसरे नाम हैं।

(अन्तरक)

2. (1) श्री नटवरलाल पिला जीवनदास कोटेंचा,
(2) श्रीमती चन्द्रिका पती नटवरलाल कोटेंचा 3-5-141,
ईडन गार्डन हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जागे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
सार्वत्राहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काउ भी प्राप्तें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसंबधी व्यक्तियों पर मूल्यांकी
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख व 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
पन्थ व्यक्ति द्वारा, अद्वोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन बस्ती नं० 283 1/2 वर्ग याड़ घर का जमीन
नं० 3-5-874 हैदरगुडा, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
1480/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-12-1978

मोहर :

प्रख्यात आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 दिसंबर 1978

निदेश सं० 257/78-79—यतः, मुझे, के० एम० वेंकट
रामन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
हमें डप्पक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यदि विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लाट नं० 3-5-874 है, तथा जो हैदरगुडा
हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 21-4-1978को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए,
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बनने में सुविधा के लिए; और/वा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में से, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अविनियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती ए० एम० श्रीनगेश और दूसरे
(अन्तरक)
2. श्री मुहम्मद इकबल पिता स्वर्गीय मुहम्मद दब्राहीम
3-5-854/3 हैदरगुडा, हैदराबाद
(प्रस्तुतिः)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूल्यांकन
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविनियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
लिए गए सर्वेषां।स्वदीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं,
वहां अवृं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन बस्ती नं० 200 वर्ग यार्ड जमीन नं० 3-5-874
हैदरगुडा, हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1481/78
उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।के० एम० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 6-12-1978

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 दिसंबर 1978

निदेश मं० 258/78-79—यतः, मुझे, के० एम० वेंकट
रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ओर जिसकी मं० 3-3-380 है, तथा जो सुवाशरोड में स्थित
है (ओर इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मिकन्दराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1809 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 13-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चर्चेय से उक्त अन्तरण में
लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमा करने पा उससे बचने में-मुद्दिष्ठा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या पा किया जाना आहिए या, डिपाने में सुविधा
के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 अ (1) के
अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुकुन्दास मलानी पिता मोहन लाल मलानी
पुराकुटी सब का आदिपति है मोहन लाल मुकुन्दास मलानी
घर नं० 44 एम० जी० रास्ता मिकन्दराबाद में

(अन्तरक)

2. श्रीमती मैनावाई पती मोहन लाल मलानी
मुमाश रास्ता सिकन्दराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

घर नं० 3-3-380 मुमाश रास्ता सिकन्दराबाद में वस्ती नं०
57 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 981/78 उप रजिस्ट्री
कार्यालय मिकन्दराबाद में

के० एम० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 6-12-1978

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

निवेश सं० 259/78-79—यतः, मुझे, के० एम० वेंकट
रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपय से प्रधिक है

और जिसकी सं० 6-3-903/1 है, तथा जो सोमाजीभुडा में स्थित
है (ओर इसमें उपावद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 11-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः छब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः:—

1. श्रीमती अमीना बेगम हैदरी घर नं० 8-2-309
बनगारा हीलम हैदराबाद रास्ता नं० 14।

(अन्तरक)

2 दि हैदराबाद केमिकल्स मपलैंपर्स लिमिटेड जिमका
डारेंकट्ट डाक्टर रमेश गोधी घर नं० 6-3-903/1
सोमाजीभुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही शर्य होगा जो उम अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर का नं० 6-3-903/1 सोमाजीभुडा हैदराबाद रजिस्ट्री
दस्तावेज नं० 1150/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद
में।

के० एम० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 6-12-1978

मोहर :

प्रस्तुप ग्राइंड ट्री० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) १

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

निदेश सं० 260/78-79—पतः, मुझे, के० एम०] वेंकट
रामन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सम्प्रभावित साधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक है।श्रीराजिमकी मं० 8/173 है, तथा जो श्रीरामुलुपेट में स्थित
है (श्रीराजिमकी में श्रीरामुलुपेट में श्रीरामुलुपेट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रोद्वार में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अप्रैल, 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वयाप्त्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षात्र प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए या, लिपाने में सुविधा
के लिए।प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रवक्ता:—1. श्री पसुपुलेटी जनेश्वर्या पी० स्वामी कीड्या मिवासी
श्रीरामुलुपेटा, प्रोद्वार

(अन्तरक)

2. श्री कीपरु पुबारायुद् विता चीतामुबर्या मोमेटी
कालोनी प्रोद्वार (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त न्यावर संपत्ति में हिन-
बद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
सिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसन्धान

डोर नं० 8/173 श्रीरामुलुपेटा प्रोद्वार कस्बा कडपा जिला
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 880/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय प्रोद्वार
में।के० एम० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-12-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी०एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदरगाबाद

हैदरगाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

निदेश सं० आर० ए० मी० नं० 261/78-79—पतः, मृ०
के० ए० म० वैकट रामन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 3-6-289 है, तथा जो हैदरगुडा में स्थित है,
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदरगाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
7-4-1978

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की,
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वय
अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, उपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

४—426GI/78

1. (1) मुहमद शर्फी दीन खान (2) मुहमद इमामोदीन
खान (3) माहमद हममने दीन खान (4) श्रीमती
बीकानुनीमा वैगम (5) लालकुनीमा वैगम निवासी
11-5-121 रैडहीलग हैदरगाबाद

(अन्तरक)

2. (1) श्री दाउदखान (2) मुहमद अली खान (3)
अमदुला खान (4) मुहमद रियाजोदीन खान (5)
इब्राहीम अली खान घर नं० 22 कइकपुरा करनूल
(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यशालियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के मन्दन्ध में कोई भी भावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में नितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पहला मंजिला घर नं० 3-6-289 दूसरे घर वर्गीय हैदरगुडा
हैदरगाबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1615/78 उप रजिस्ट्री
कार्यालय हैदरगाबाद में।

के० ए० म० वैकट रामन

सदायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, हैदरगाबाद

तारीख : 6-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

ग्रंथनं रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

निवेदण सं० 262/78-79—यतः, मुझे, वी० पशुपतो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 4 घर नं० 5-8-525 है, तथा जो धीरगगली लेन में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः:—

1. श्रीमती लक्ष्मी वाई पत्नी जगदीश परशाद घर नं० 21-1-293 रिकावर्गंज हैदराबाद जी० पी० ए० जगदीश परशाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती (1) कमला वाई पत्नी हजारी लाल लेट (2) श्रीमती रुक्मिनी वाई पत्नी वावृत्ताल (3) श्रीमती रुक्मिनी वाई पत्नी मेडमल घर नं० 21-2-755 रिकावर्गंज हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रकाशन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में अमावस्या होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टिक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 4 घर नं० 5-8-525 का भाग धीरगगली लेन हैदराबाद वस्ती नं० 28-11 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1116/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद।

वी० पशुपती,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण),
ग्रंथनं रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-12-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज. हंद्रावाड

हैदराबाद, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

निदेश सं० 263/78-79—यतः, मुझे, वी० पशुपति
रामन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-ख के प्रतीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ओर जिसकी संग प्राप्त नं० 11 घर नं० 5-8-522 है, तथा जो धीरागणी लेने हैंदरावाद में स्थित है (ओर इसमें उपावद्ध अनुमती में ओर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्तालिय, हैंदरावाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1008 1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ओर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ओर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तररक्ष से हूँई किसी भाष्य की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरके दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्थानियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत : भ्रम, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रत्येक निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्ति :—

1. श्री जगदीश परशाद घर नं० 21-1-293 रिकावगंज
हैदराबाद

2. श्री ईश्वरीया अरब्दवाम 22-1-66 जामवाग हूँदगावाद
(अन्तरक)
(अत्तरिती)

को पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां फरता है।

उत्त समाज के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकोप—

(क) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के रागपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्त्रीकरण :—हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-के में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनसुची

मनगी नं० 11 घर नं० 5-8-522 में हैं धीरगमली लेन हैंदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1146/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैंदराबाद ।

दी० पसुपती
सक्षम प्राचिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लैदराबाद

तारीख : 13 दिसम्बर 1978

मोहर ३

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रुद्राबाद कार्यालय

हैदरगाबाद, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

निदेश सं० 264/78-79—प्रतः, मुझे, वी० पशुपती प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० वीथाग 5-7637/12 का है, तथा जो स्टेशन रास्ता निजामाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, निजामाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-4-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्यति:—

1. श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी धनशर्मा शरदा जगदीश ज के पास निजामाबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती राधुबाटू पत्नी देवीदाम (2) दिलीप कुमार पिता देवीदाम दोनों रहने हैं बेनेल गाटू आरमुर तलाक निजामाबाद जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के माध्यम 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिना धर नं० मलगी नं० 5-7-637/12 स्टेशन रास्ता निजामाबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1197/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय निजामाबाद में।

वी० पशुपती
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-12-1978

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

निदेश मं० 265/78-79—पतः, मुझे, वी० पशुपति आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मलगी नं० 5-7-637/13 है, तथा जो स्टेशन रास्ता निजामाबाद में हित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निजामाबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-4-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से नें से दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसरण में, मेरे उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पतः—

1. श्रीमती शोभा देवी पती गोवर्धन शास्त्रा गांधी गंज निजामाबाद में रहते हैं

(अन्तरक)

2. श्री ए० दिलीप कुमार पिना देवीदाम रहते हैं वनेवा ग्रामपूर नामक निजामाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन प्रधाय में दिया गया है।

अमृतसूची

मलगी नं० 5-7-637/13 बस्ती नं० 56.00 वर्ग यार्ड स्टेशन रास्ता निजामाबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1198/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय, निजामाबाद में।

वी० पशुपति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-12-1978

मोहर :

प्रष्ठप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद,

हैदराबाद, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

निदेश सं० 266/78-79—यन. मुझे, वी० पशुपती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

आ० जिसकी सं० 7-1-47/2-ए है, तथा जो गनज गस्ता निजामाबाद में स्थित है, (आ० इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निजामाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, सिवायित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. श्री वी० मुवर्शन रेडी गांधीगंज निजामाबाद में (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती किल्ली बाई पनि रत्ननाल जोशी (2) नन्दलाल व्यास पिता नातगल व्यास घर नं० 7-4-303 कुमारगंजी-निजामाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोसूत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 7-1-47/2-ए, लालालाजपत राय गांधीगंज निजामाबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1486/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय निजामाबाद।

वी० पशुपति
सक्रम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-12-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

निदेश सं० 267/78-79—यतः, मुझे, वी० पण्डिती आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० 7-1-47/2-ए का भाग है, तथा जो मीरजी कम्पनीनज में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुशूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, निजामाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री वी० सुदर्शन रेड़ी गांधीगंज के पास निजामाबाद में (अन्तरक)
2. (1) श्रीमती किणी बाई (2) भगवान दाम व्याम घर नं० 7-4-301 कुमारगंगी निजामाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताश्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रे० मी० मी० गिर्दीन घर नं० 7-1-47/2-ए, लानालाजपत राय (मीरधी कम्पनीज) निजामाबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1487/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय निजामाबाद में।

वी० पण्डित
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-12-78

मोहर:

प्रस्तुप प्राई. टी. एम. एस.—

अधिकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को बाप

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, मंडायर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज, हैदराबाद कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

निदेश सं. 268/78-79—यतः मुझे, —वी० पशुपती आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी मं. मनगी नं. घर नं. 5-9-250 ता 257 है, तथा जो धारागती नेन में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख अप्रैल-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में अक्षय प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी निसी प्राय या किसी बन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवृत्ति 1—

1. श्रीमती मोहिनी के देवनानी घर नं. 3-5-170/ए, नारायणगुडा पीछे हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्री एम० हनुमतराव घर नं. 3-5-318 विट्टलवाडी नारायणगुडा हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भान्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मनगी नं. 7 जमीन का सता पर युनिटी हौज घर नं. 5-9-250 ता 257 धारागती नेन श्रावादी रास्ता हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं. 1566/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में

वी० पशुपती
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अधीन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-12-1978

मोहर :

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269४ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 दिसंबर 1978

निर्देश सं० 269/78-79—यतः मुझे,—के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269४ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० शापनं० 5 घर नं० 5-8-524 है, जो धीरागली लेन आबीदा रास्ता में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में श्री पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्थ्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उच्च पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, प्रौद्योगिकी

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों को जिस्ते भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः ग्रन्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-४ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

9-426GI/78

1. श्रीमनी लक्ष्मी बाई पति जगदीश प्रसाद 21-1-295 रिकावर्गंज, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्री वी० यादगिरि राउ (2) वी० एल० रत्नसीमा राउ (3) वी० कृष्णा राउ तमाम रहने हैं 2-1-332 वल्लाकुन्डा हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रित्य विकास के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ४—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिचित हैं, वही प्रर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 5 घर नं० 5-8-524 में है धीरागली भेन में है आबादी रास्ता हैदराबाद में क्षेत्रीय 28.11 वर्ग यार्ड है—रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1579/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन,
सभी प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-12-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निदेश सं० 270/78-79—यतः, मुझे, के० एम० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक, और जिसकी सं० ए भाग 10-2-287/1 है, जो ए० सी० गार्ड हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के उक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

1. श्रीमती ताहीरा शहीद पत्नी ग्रिगोडियर जी० एम० शहीद घर नं० 10-2-287/1 ए० सी० गार्ड हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती के० धीनामल पत्नी स्वर्गीय कर्तृपति छेटीयार (2) श्रीमती पी० मरोजा पत्नी पी० पेरीजा घर नं० 7-1-702 मार्केट गली सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"ए" क-भाग घर न० 10-2-287/1 में शांति नगर ए० सी० गार्ड के पास हैदराबाद में—रजिस्ट्री दस्तावेज न० 1141/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० एम० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रज, हैदराबाद

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निदेश सं० 271/78-79—यतः मुझे, कै० एस० वैंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० 3-5-783/22 है, तथा जो किरान कोटी रास्ता हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिती) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्में भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, मर्गतः :—

1. श्रीमती दीनुकणा पति डॉक्टर आर० सी० कन्ना धर नं० 9-4-4 टीलीढ़की हैदराबाद (2-2-1130/26) नवानलाकुन्टा) हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री कै० बी० मामराज पति कै० एस० मूर्ती धर नं० 5-9-194/2 धीरागली लेन, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

धर नं० 3-5-783/22 कीनरा कोटि रास्ता हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1587/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

कै० एस० वैंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 14-12-1978

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 18 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 281/78-79—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट
रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सम्बन्धित कारण का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 18 प्रतिशत भाग घर नं० 3-4-258 में है, जो काचीगुड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रस्तुरकों) और प्रत्यक्षित (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रत्यक्ष स्थितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृत्ति अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्यक्षरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्दात्:—

1. (1) श्री दीनयार बारीया 1-1-538/1 बांका राम हैदराबाद
(2) श्री पेरसीबारिया 1-1-538/1 बांकाराम हैदराबाद
(3) श्री टी० वेंकटस्थामी पिता कृष्णस्वामी वारंगल
(अन्तरक)

2. (1) श्री आर० सेनकर्ण्या कसबा बाजार कम्पनी
(2) एम० विजय रेड्डी (3) सी० आर० राजलिंगम
11-4-411 चीककुटी मिकन्दगाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

उपलिखित:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

18 पैसे का भागीदार घर नं० 3-4-258 काचीगुड़ा स्टेनन रोड हैदराबाद में—बस्ती नं० 1692 वर्ग यार्ड है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1248/78 रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सभाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 18-12-1978

मोहर :

प्रलग्न आई० टी० एन० एम०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 20 दिसम्बर 1978

निवेश सं० 282/78-79—यतः, मुझे, के० एम० वेंकट
रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

ओर जिसकी सं० प्लाट नं० 1 और 2 में है, जो रोड नं० 1 बनजारा हॉल्म में स्थित है (ओर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ओर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

1. श्री नेमली फरनान्डेस पिता पी० परनवडे ज 1-4-1004 बीकुलकुण्टा हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती गमीन करिमा पिता मुहम्मद हमदीन 5-5-708 नामपत्री हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ओर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित में है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1 और 2 बनजारा हॉल्म रास्ता नं० 1 हैदराबाद में बस्ती नं० 710 अर्ग यार्ड दस्तावेज नं० 1564/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एम० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में; मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 20-12-1978

मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 20 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 282/78-79—ग्रत, मुझे, के० एस. बैंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1 और 2 है, तथा जो सेड नं० 1 बनजारा होल्स में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख प्रैनल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती लेजली फरनाडेज पिता पी० फरनाडेज 1-4-1004 बोगुलकुन्टा, हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्रीमती शमीम पातिमा पिता मुहमद हसमीबीन 5-5-708 नामपती हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1 और 2 बनजारा होल्स रास्ता नं० 1 हैदराबाद बस्ती नं० 710 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1564/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० एस० बैंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 20-12-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 2 सितम्बर 1978

निदेश सं० आय० ए० स०/अर्जन/78/78-79—यह,

मुझे, के० एम० चावडा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दो मंजली मकान नं० 197/0+1 जो प्लाट नं० 16, 3500 स्केअर फुट, मौजा सिताबडी, नागपुर में है, तथा जो सिताबडी, नागपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-4-1978 को पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अधारपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रतिरक्त (प्रतिरक्तों) और प्रतिरक्ती (प्रतिरक्तियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) प्रतिरक्त से हुई किसी धार्य की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी छन या प्रध्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रतिरक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए एवं, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के प्रत्यक्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री कुण्डा केशव कोलहेकर, रिटायर्ड मिलील जज, धनतोली, नागपुर

(अन्तरक)

2. श्रीमती मनाबाई रामअवतार मिश्रा, मदर बाजार, नागपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा सिताबडी, स० नं० 262, पी० सी० नं० 8, प्लाट नं० 16 3500 स्क्वे० फीट, और उस पर स्थित दो मंजिला मकान कारपोरेशन नं० 197/0+1 मिलिल लाइन्स, बाईं नै० 66, मर्कल नं० 21, नागपुर।

के० एम० चावडा
सक्षय अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 2-9-1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 12 अक्टूबर 1978

निर्वेश सं० फा० सं० आय० ए० सी०/अर्जन/82/78-79—

यतः, मुझे, पी० बी० चार्ल्स,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन मकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नमूल प्लाट नं० 23/2 तथा 22 और उस पर का मकान है, तथा जो किनारा बाजार अकोला में स्थित है (और इससे उपावड्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अकोला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा या या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाव या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसार सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्तियों अर्थात्:—

1. श्री गणेश कुमार किमतगोपाल पुरोहित, रामदास, नागपुर।
(अन्तरक)

2. श्री जयरामदास करतारमल गुरबानी श्री तुलसी दाम करतारमल गुरबानी, द्वारा बनी राम करतारमल, किरण बाजार अकोला।
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घासेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्साद्वारा किसी भूत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त मर्दों और पर्णों का, जो उक्त अधिनियम के मछाय 20-क में परिभाषित हैं वही मर्द होंगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

नमूल प्लाट नं० 23/2 तथा 22 और उस पर बना मकान जो किनारा बाजार अकोला में स्थित है।

पी० बी० चार्ल्स
सभम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 12-10-1978

मोहर :

प्राप्त प्राईटी एन० एस०

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निर्देश सं० फा० सं० आ० प० सी०/अर्जन/84/78-79—
यतः, मुझे, डब्ल्यू० हसन,मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-ह० से अधिक है,और जिसकी सं० खुला प्लाट जिसका मूलिसिपल नं० 68/1
(पुराना) 150+1 नया) एरिया 150×100 (पुराना) है,
तथा जो आतुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आतुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 24-4-1978को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

1. श्री मदनलाल धोड़ीराम वियानी लातुर

(अन्तरक)

2. श्रीमती निमला ओंकार फिरके लातुर

3. श्री अशोक लक्ष्मण कुकडे लातुर

4. श्री रामचन्द्र कृष्णाजी आलूरकर लातुर

सभी रहने वाले लातुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरियों पर सूचना
भी लाभील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।एष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

(ख) एसी किसी भाय या किसी घन या अन्य मासितियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रभकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;खुला प्लाट जिसका मूलिसिपल नं० 68/1 (पुराना)
150/1 (नया) एरिया—150+100 मिगनल कैम्पस
आतुर।डब्ल्यू० हसन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, नागपुरइतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा
(1) के द्वीप निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

10—426GI/78

तारीख : 16-11-1978

मोहर :

प्रस्तुप्राप्ति दी० एन० एस० ——————
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 13) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, कोचीन

कोचीन-18, विनांक 16 अगस्त 1978

निदश सं० एम० मी० 226/78-79—प्रतः, मुम्बे, पी०
ओ० जार्ज,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुमान है, तथा जो ऊरकम
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची म और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, चेरपू में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 17-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) डा० प० रामचन्द्रन (2) गोविन्दन कुट्टी
(रामचन्द्रन के द्वारा)
(अन्तरक)
2. श्री पी० बी० अशोकन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

पृष्ठोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

24 cents of land in Sy. No. 101-1 of Oorakam village.

पी० ओ० जाज
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, एण्डकुलम

तारीख : 16-8-1978
माहर :

प्रूफ आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम, कोचीन-16

कोचीन-16, दिनांक 21 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० एल० सी० 248/78-79—यतः मुझे,
वी० मोहनलाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो मण्डल
पंचायत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-4-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अनुशमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जी० पी० जोस

(अन्तरक)

2. श्री सोमपालन

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिये जा सकेंगे।

ल्पव्यक्तिगत :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

10 cents of land with buildings as per schedule attached
to Doc. No. 991/78 of SRO-Anthikad.

वी० मोहन लाल,
सभी प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, एरणाकुलम।

तारीख : 21-10-1978

मोहर :

प्रस्तुत वाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोचीन

कोचीन-16, दिनांक 23 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० एन० सी० 251/78-79—यतः मुझे,
वी० मोहन लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो चावक्काड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चावक्काड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री पी० भास्करन नायर और दूसरे (अन्तरक)

2. श्री पी० वी० अब्दुलवहाब (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तदसम्बद्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य अविक्त द्वारा, अस्तोद्दस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के तथा परिभाषित हैं, यही पर्व होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

84 cents of land vide document No. 567/78 of SRO,
Chawakkad.

वी० मोहन लाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम।

अतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित अविक्तियों, अर्कात।—

तारीख : 23-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

1. श्री टी० टी० कुरियन् । (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री पी० क० अष्टुल्ला और 3 दूसरे ।

269व (1) के प्रधीन सूचना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 7 नवम्बर 1978

निर्देश स० एन० सी० 256/78-79—यतः, मुझे वी० मोहन लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व (1) के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मूल्य अनुसूची के अनुमार है, तथा जो वाडानपिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड्ड अनुसूची में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, वाडानपिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन पा अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धर्म; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अन्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1 acre 45 cents of land in R. Survey No. 466/2 of Vatanapilly village.

वी० मोहन लाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, एरणाकुलम।

तारीख : 7-11-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एण्डकुलम

एण्डकुलम, दिनांक 7 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एल० सी० 257/78-79—यतः मुझे,
वी० मोहनलाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो बाड़ानपिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 'बाड़ानपिल्ली'
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 13-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित कर गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरित)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुर्ई किसी आय की बाबत, उक्त आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में मुविधा के सिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आसियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए;

प्रसः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० ए० अब्दुल्ला कुट्टी

(अन्तरक)

2. श्री फी० ए० कुन्जमू

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के गराजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्त भरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सपष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

38½ Cents of land with buildings in R. Sy. No. 261/8 of
Vatanappilly.

वी० मोहनलाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, एण्डकुलम।

तारीख : 7-11-1978

मोहर :

प्रलेप शार्फ० ई० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एण्ड्रिक्युलम
कोन्नी-16, विनांक 7 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एस० मी० 258/78-79—यतः मुझे वी० मोहनलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी म० अनुसूची के अनुमार, है तथा जो कालिकट में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चालपुरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 1-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों और, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः मूव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्याक्तियों, अर्थात्—

1. श्री जयानन्द नागर्जी (अन्तरक)
2. (1) श्री सैयद अल्हारी (2) श्रीमती केंवी० वी० जुवरिया
(3) एम० मोहम्मद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्यक्षित द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोक्तरमः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

674 Cents land with buildings as per Schedule attached to document No. 1169/78 of SRO: Chalapuram.

वी० मोहनलाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, एण्ड्रिक्युलम

तारीख : 7-11-1978
मोहर :

प्रृष्ठ प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणकुलम

कोचीन-16, दिनांक 15 नवम्बर 1978

निदेश सं० एल० सी० 261/78-79—यतः मुझे के० नारायण मेनोन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269च के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० है अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो त्रिचूर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, त्रिचूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का प्रत्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के मिये तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्त दृष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हीरे किसी धारा की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी दून या अम्य प्राप्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269च के अनुवरण में, मेरे उक्त अधिनियम, की धारा 269च की उपचारण (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात्:—

1. श्रीमती के० गंगामाई

(अन्तरक)

2. श्रीमती के० ए० उपा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अम्य व्यक्ति द्वारा, अनुसूचिती के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होणा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

7 Cents of land with building vide document No. 1510 of SRO, Trichur,

के० नारायण मेनोन,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, एरणकुलम

तारीख: 15-11-1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कोचीन

कोचीन-16, दिनांक 15 नवम्बर 1978

निदेश मं० एल० सी० 263/79-79—यतः, मुझे, के० नागर्यण मेनोन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० अनुमूल्य के अनुसार है, तथा जो मूल्यदृश्यमें स्थित है (और इसमें उपांबद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोट्युंडी में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुमूल्य

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, इधाने में सुविधा के लिए;

9 Cents of land with buildings vide document No. 429/78 dated 28-4-1978.

के० नागर्यण मेनोन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कोचीन।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

11—426 GI/78

तारीख : 15-11-1978
मोहर :

1. श्री कम्म (अन्तरक)
2. श्री पी० वी० ममूदुं हार्जी और 3 अन्य व्यक्तियों
(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संज्ञोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही ग्रन्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

1. श्रीमती सुलोचना अम्मा और दो अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती श्रमिका अम्मा

(अन्तर्भूत)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एण्डकुलम कोवीन-16

कोवीन-16, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एल० सी० 264/78-79—यतः मुझे,
के० नारायण मेनोन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ०
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो तिचूर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय तिचूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 28-4-1978

को पर्वोंकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि याचापूर्वोंकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरितों
(ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिये सब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त अधिनियम के
प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को जिस्तें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकृत सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकृत व्यक्तियों में से
किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो इस
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
है, वही अर्थ द्वागा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

45½ Cents of land with buildings in Trichur.

के० नारायण मेनोन,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, एण्डकुलम

तारीख 16-11-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एम. एस. —————

प्रायकर भ्रष्टनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एण्डकुलम, कोचिंचन-16

कोचिंचन-16, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निर्देश सं. एल. सी. 265/78-79-- यतः, मुझे,
के० नारायण मेनोन,

प्रायकर भ्रष्टनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रष्टनियम' कहा गया है), की धारा
269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो तिचूर
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विचूर
रजिस्ट्रीकरण भ्रष्टनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 28-4-1978

को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृश
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तु-
विक रूप में कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वृ किसी आय की बाबत उक्त भ्रष्ट-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर भ्रष्टनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त भ्रष्टनियम, या
धनकर भ्रष्टनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः यद्य, उक्त भ्रष्टनियम की धारा 269-ध के अनुसरण
में मैं उक्त भ्रष्टनियम की धारा 269-ध की समधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्यातः:—

1. श्रीमती सुलोचना अम्मा और दो अन्य

(अन्तरक)

2. श्री वालकृष्ण

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
निए जारीकरिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घासेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरों
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रमाणीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
भ्रष्टनियम के अध्याय 20 के
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

96 Cents of land vide document No. 1866/78 of SRO,
Trichur.

के० नारायण मेनोन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त, (निरीक्षण)
अन्तरिती रेंज, एण्डकुलम

तारीख 16-11-1978

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० प०स०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एण्टाकुलम कोच्चिन-16

कोच्चिन-16, दिनांक 23 नवम्बर 1978

निवेंग सं० एन० मी० 270/78-79—यतः, मुझे,
के० नारायण मेनोन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी म० अनुमूल्य के अनुमार है, तथा जो एण्टाकुलम
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एण्टाकुलम
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 29-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 69-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. Francis alias Wilson
2. Rajan alias Antony.

(अन्तरक)
(Transferor)

(2) 1. Moideen
2. Checku
3. Moidutty.

(अन्तरिती)

(3) 1. Nerolac Paints
2. Vijaya Movies
3. Movie Enterprises.

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एण्टाकुलम रजिस्ट्री अधिकारी से परीक्षित दस्तावेज नं० 1301/78 में निर्गमित अनुमूल्यी सम्पत्ति ।

के० नारायण मेनोन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, एण्टाकुलम

तारीख : 23-11-1978
मोहर :

प्रह्लप प्राईंट टी० एन० एस०---

(1) 1. Professor Peter
2. Smt. Leelamma.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अंतर्गत)

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) Shri C. V. Ibrahim.

(अन्तर्गती)

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एण्टाकुलम

कोचिन-16, दिनांक 23 नवम्बर 1978

निर्देश मं० एल० मी० 271/78-79—यतः, मुझे,
के० नारायण मेनोन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है नि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

श्रीरजिमकी मं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो एण्टाकुलम में स्थित है (श्रीरजिमकी इसमें उपाक्रम अनुसूची में श्रीर और पूर्ण स्थप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, एण्टाकुलम में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसा किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एप्लाइकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

एण्टाकुलम रजिस्ट्री अधिकारी से पंजीकृत दस्तावेज नं० 1270/78 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति।

के० नारायण मेनोन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, एण्टाकुलम

तारीख : 23-11-1978

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एण्कुलम कोच्चन-16

कोच्चन-16, दिनांक 25 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एल० सी० 272/78-79—यतः, मुझे,
के० नारायण मेनोन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269—ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए ने अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो एण्कुलम
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एण्कुलम
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 17-4-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपचारा (1)
अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अपौष्टि:—

1. श्रीमती डिविसी आनटनी (अन्तरक)

2. श्री पी० ए० श्रहम्मु (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयाद्वयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एण्कुलम रजिस्ट्री अधिकारी से दंजीकृत दस्तावेज नं०
1167/78 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति ।

के० नारायण मेनोन
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एण्कुलम

तारीख : 25-11-1978

सोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

भू-विज्ञानी परीक्षा, 1979

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी, 1979

सं० एफ० 4/3/78-ई-I (बी) — भारत के राजपत्र दिनांक 20 जनवरी, 1979 में इस्पात और खान मंत्रालय द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित पद-वर्गों पर भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोचिन, कटक, दिल्ली, दिस्पुर, (गोहाटी), हैदराबाद जयपुर, जम्मू, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्ट ब्लेयर) शिलांग, शिमला, श्रीनगर तथा विवेन्द्रम में 26 जून, 1979 से एक मिमिलित प्रतियोगिता परीक्षा दी जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उपके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश-प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा की ममता भारणी तथा स्थान या वर्ग स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा (देखिए अनुबन्ध पैरा 11)।

2. इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर जिन पद-वर्गों के लिए भर्ती की जानी है वे तथा विभिन्न पदों पर रिक्तियों की निकटतम संख्याएं नीचे दी जाती हैं:—

वर्ग I : (भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण, इस्पात और खान मंत्रालय के पद)।

(i) भू-विज्ञानी (कनिष्ठ), ग्रुप 'क' 32 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 3 तथा अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 आशक्ति रिक्तियां मिमिलित हैं)।

(ii) सहायक भू-विज्ञानी ग्रुप "ख"*

वर्ग II : केन्द्रीय (भूजल बोर्ड, कृषि और मित्राई मंत्रालय के पद)।

(i) कनिष्ठ जल भू-विज्ञानी ग्रुप "क"*

(ii) सहायक जल भू-विज्ञानी, ग्रुप "ख"*

*रिक्तियां मरकार द्वारा सूचित नहीं की गई हैं।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

प्रारम्भ में नियुक्तियां अस्थायी आवार पर की जाएंगी। स्थायी रिक्तियां उपलब्ध होने पर उम्मीदवार अपने क्रमानुसार स्थायी रूप से नियुक्ति के पात्र होंगे।

3. उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सभी या किसी एक पद पर नियुक्ति के लिए परीक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन कर सकता है। उसे केवल उसी पद/उन्हीं पदों के लिए उम्मीदवार माना जाएगा जिसके/जिनके लिए वह आवेदन करेगा। एक बार आवेदन पत्र भेजे जाने के बाद सामान्यतः किसी प्रकार के परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यदि कोई उम्मीदवार एक से श्रद्धिक वर्ग के पदों के उम्मीदवार की हैसियत से प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र

भेजने की आवश्यकता है। नीचे पैरा 6 में उल्लिखित गुलक भी उसे केवल एक बार देना होगा, उस प्रत्येक पद के लिए यलग-यलग नहीं जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

द्यात्रां दें:—उम्मीदवारों से अपेक्षा की जाती है कि वे आवेदन पत्रों में उन पदों का स्पष्टनया उल्लेख करें जिन पर वे वरीयता क्रम में विचार किए जाने के इच्छुक हों।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, मंव लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा में मंवत्र पूर्ण विवरण दो सामें देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राणि सचिव मंव लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली (110011) को मनी-आईर द्वारा या मचिव, मंव लोक सेवा आयोग का नई दिल्ली प्रधान डाक घर पर देय भारतीय पोस्टल आईर द्वारा मेजी जाती चाहिए। मनीआईरपोस्टल आईर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये की यह राणि किसी भी हालत में बातम नहीं की जाएगी।

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र भू-विज्ञानी परीक्षा, 1979 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। भू-विज्ञानी परीक्षा, 1979 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से द्वितीय प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आशक्ति प्रलेखों के साथ सचिव, मंव लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 19 मार्च, 1979 (2 अप्रैल, 1979) से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह और लकड़ीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 19 मार्च, 1979 तक या इससे पूर्व अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह या लकड़ीप में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो उस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह मस्करा है कि वह 19 मार्च, 1979 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान या निकोबार द्वीपसमूह या लकड़ीप में रह रहा था।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को रु 48.00 (ग्रन्तुचिन जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के मामले में रु 12.00) का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, मंव लोक सेवा आयोग का नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय रोडट्रैक आईर या सचिव, मंव लोक सेवा आयोग का भारतीय स्टेट बैंक की मुद्रा शाखा, नई दिल्ली, पर देय भारतीय स्टेट बैंक को किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बक ड्राफ्ट के रूप में हों।

विदेश में रहने वाले भारतीय को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त राजदूत या विवेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा

आयोग परीक्षा शुल्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए, और आवेदन पत्र के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में उक्त अपेक्षाएं पूरी नहीं होंगी उन्हें एक दम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैरा 7 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

7. आयोग यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दें सकता है जब वह इस बात से मनुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में भूतूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या वर्षा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति और है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है या वह श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है और निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया है किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे ₹ 30.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के मामले में ₹ 8.00) की राशि वापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 7 के नीचे नोट 1 की शर्तों के अनुगाम परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह शर्हक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपबन्धों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सके तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त उपबन्धों को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या न्यूनता के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

9. यदि कोई उम्मीदवार 1978 में भू-विज्ञानी परीक्षा में बैठा है और अब वह इस परीक्षा में प्रवेश का इच्छुक हो, तो वह परीक्षा परिणाम का अथवा नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना अपना आवेदन-पत्र निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में प्रस्तुत कर दे। यदि 1978 के परीक्षा परिणाम के आधार पर नियुक्ति हेतु उनकी अनुशंसा हो जाती है, तो 1979 के लिए उनकी उम्मीदवारी उनके अनुरोध पर रद्द कर दी जाएगी अथवा उपर्युक्त पैरा 8 के अनुमान जिस प्रकार किसी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता है, उसी प्रकार उन्हें परीक्षा शुल्क वापस किया जाएगा, किन्तु शर्त यह है कि उम्मीदवारी रद्द करने तथा शुल्क वापसी के बारे में उनका अनुरोध आयोग के कार्यालय में 30 अप्रैल, 1979 को या इससे पूर्व प्राप्त हो जाए।

10. आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में बिचार नहीं किया जाएगा।

आर० एम० अहलुवालिया,
उप सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

अनुबंध

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिंग और नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पाव्र भी हैं या नहीं, निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिंग के पैरा 1 में दिए गए केंद्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अनिम्न स्तर से चुन लेना चाहिए। मामान्यतः चुन द्वारे स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र तथा पावरी कार्ड आपने हाथ से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

सभी उम्मीदवारों को चाहे वे पहले से मरकारी नौकरी में हों या मरकारी औद्योगिक उपकरणों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैर-मरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों अपने आवेदन पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो उस आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से मरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी है सियंत से काम कर रहे हों या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हों जिसमें आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं हैं, उनको इस परीक्षा में अन्तिम रूप में प्रवेश पाने के पहले अपने कार्यालय/विभाग के प्रधान की अनुमति प्राप्त करनी चाहिए। उनको चाहिए कि वे अपने आवेदन-पत्र को, उसके प्रत में संलग्न प्रमाण-पत्र की दो प्रतियां तिकाल कर, आयोग में सीधे भेज दे और प्रमाण-पत्र की उन प्रतियों को तत्काल अपने कार्यालय/विभाग के प्रधान को इस अनुरोध के साथ प्रस्तुत करें कि उक्त प्रमाण-पत्र की एक प्रति विधिवत भर कर मचिव, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली को जल्दी से जल्दी और किसी भी हालत में प्रमाण-पत्र के फार्म में निर्दिष्ट तारीख से पहले भेज दी जाए।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रत्येक अवश्य भेजने चाहिए:—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए इंडियन पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट या शुल्क माफी हेतु दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति (देखिए: नोटिस का पैरा 6 और 7 और नीचे पैरा 6)।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि।
- (iii) शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. ० \times 7 सें. मी. ०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां।
- (v) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि (देखिए: नीचे पैरा 4)।
- (vi) जहां लागू हो वहां आयु में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि (देखिए: नीचे पैरा 5)।

प्रियपणी:—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मद (i), (ii), (iii) और (iv) में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी अराजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें उपर्युक्त प्रमाण पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करने होंगे। लिखित परीक्षा के परिणाम संभवतः सितम्बर, 1979 में घोषित किए जाएंगे उन्हें अपने मूल प्रमाण-पत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखने चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाणपत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

उपर्युक्त मद (i) से (iv) तक में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (v) और (vi) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4 और 5 में दिए गए हैं:—

- (i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित इंडियन पोस्टल आर्डर—प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रेखांकित होना चाहिए और उस पर “सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय” लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के दस्तावेज और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर सेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट भारतीय स्टेट बैंक आफ इंडिया की सेप्राप्त किया जाए और वह सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा, नई दिल्ली में देय हो तथा विधिवत रेखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र : प्रायोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा संधारित मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो आर वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण प्रति-लिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के वाक्यांश के अत्यंत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन उच्च माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र को अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि भेजनी चाहिए जहां उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उससे संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की

तारीख में भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

टिप्पणी 1: जिस उम्मीदवार के पास पहाड़ पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु में संबद्ध प्रविष्टि वाले पाठ की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

टिप्पणी 2:—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अग्रणी परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) एकिक योग्यता का प्रमाण-पत्र: उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित, प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए, जिसमें इस बान का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उस योग्यता प्रियोप प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए, तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बनाना चाहिए और अपेक्षित योग्यता में संबद्ध आगे दावे के प्रमाण में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवता के आधार पर विचार करता, किन्तु वह उस पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

टिप्पणी:—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ कुका हो जिसे उन्हीं कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है, पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उन्हे परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अंतिम मात्रा जाएगी। और यदि वे अर्हक परीक्षी उन्हीं होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 29 मित्रेश्वर 1979 से पहले प्रस्तुत नहीं करते हों यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

(i) फोटो की दो प्रतियाँ: उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लंबाई 5 सेंटीमीटर \times 7 सेंटीमीटर) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ भेजनी चाहिए। इनमें से

एक प्रति आवेदन-प्रपत्र पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नत्थी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही में हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दे: उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3 (ii), 3 (iii), और 3 (iv) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं मुनी जाएगी। यदि कोई प्रमाण-पत्र आदि आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों तो उन्हे आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए (उपर पैरा 3 (v) के नोट 1 में उल्लिखित स्थिति को छोड़कर) हर हालत में आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख से एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिने के जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर से रहते हों, जिला अधिकारी उप-मण्डल अधिकारी या किसी अन्य ऐसे अधिकारी में जैसा कि नीचे उल्लेख किया गया है, जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में मनामित किया हो, नीचे दिए गए कार्य में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्राणित प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों को मन्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिने के अधिकारी से निया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी गिजा में भिन्न किसी अन्य प्रथोजन से आम तौर पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए अविवादित करने वाले अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जन जातियाँ के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का कार्य :

प्रमाणित किया जाना है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*—
सुमुख/*सुमुक्री— जो गंव/
कस्त्रा*— जिला/मण्डल*— के/की*
राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र— जाति/जन जाति
के/की* हैं, जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/
अनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है:—

अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जन जातियाँ सूचियाँ (अधिनियम) आदेश, 1956; बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1960; हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970; उत्तर प्रदीप्ति (पुनर्गठन)

अधिनियम, 1971; और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950,* संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950,* संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951,* संविधान अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र), आदेश, 1951,* संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956*।

अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (ग्रेडमान प्रीर निकोबार द्वीप-समूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश), आदेश, 1967*

संविधान (गोवा, दमन और दीयु) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968*

संविधान (गोवा, दमन और दीयु) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968*

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970*

2. श्रो/श्रीमती/कुमारी*—
और/या* उनका परिवार आमतौर से गांव/कस्बा*—
जिला/संडर्लंग*—
राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र में रहते/रहती* है।

हस्ताक्षर —

पदनाम —

(कार्यालय की मोहर सहित)

स्थान —

तारीख —

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र से

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

टिप्पणी:—पहां प्रयुक्त आमतौर से रहते/रहती हैं वाक्यांश का अर्थ वही होगा जो “सिंगोटेन आफ दि पीपुल प्रेस्ट, 1950” की धारा 20 में है।

**जातिया/जन जातियां प्रसाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी

- (i) जिला मैजिस्ट्रेट/आर्टिशन जिला मैजिस्ट्रेट/कलैक्टर/डिट्री कमिशनर/डिट्री नियमित डिप्टी कमिशनर/डिट्री कलैक्टर/प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/मिटी मैजिस्ट्रेट/मिटी डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्रीज्यूटिव मैजिस्ट्रेट/कम्ड़, अर्मस्ट्रेट कमिशनर (प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट में कम ओहड़े का नहीं)।
- (ii) चौक प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चौक प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट।
- (iii) रेवेन्यू अफसर जिगका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उस दृष्टिकोण का सब-डिवीजनल अफसर जहां उसीश्वार और/या उसका परिवार आग तौर से रहता हो।
- (v) एडिवीनस्ट्रॉयर/एडमिनिस्ट्रॉटर का सचिव/डेवलपमेंट अफसर, लक्ष्मीपुर।

5. (i) नियम 6 (ग) (ii) या 6 (ग) (iii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु रीमा में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नॉटिस के पैग्राफ 7 के शर्तोंनुसार उक्त का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बगला देश) से विद्यापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्रार्थिकार्यों में से किसी एक में नियम गण प्रमाण-पत्र की अभिप्रायाणि/प्रमाणान्त प्रतिनिधि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आया हूँ वा स्थायी विद्यापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच को अवधि के दौरान प्रव्रजन कर भारत आया है:—

- (1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट वेन्ड्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों के कम्प कमांडेंट।
- (2) उम थोक का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) अपने-अपने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अनिवार्यत जिला मैजिस्ट्रेट।
- (4) स्वयं प्रभारित सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर।
- (5) उप-जनरली पुनर्वास-आयुक्त, पश्चिम-बंगाल/निदेशक (पुनर्वासी), कलकत्ता।
- (iii) नियम 6 (ग) (iv) अथवा 6 (ग) (v) के अन्तर्गत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने वाले और/

या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।

(iii) नियम 6 (ग) (vii) अथवा 6 (ग) (viii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु-सीमा में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिलान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिता मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

(iv) नियम 6 (ग) (vi) के अन्तर्गत आयु में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा, तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया से प्रवाजन कर आए हुए या जाम्बिया, मलावी, जेरे तथा इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हुए उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से प्रवाजन कर आया है।

(v) नियम 6 (ग) (ix) अथवा 6 (ग) (x) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनः स्थापन, रक्षा मंत्रालय, से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेंकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु के साथ संघर्ष में अथवा अर्शांतिग्रस्त क्षेत्र में कौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट _____ के रैक नं. _____ श्री _____ रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विवेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष

में/अर्शांतिग्रस्त *क्षेत्र में कौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर _____

पदनाम _____

दिनांक _____

*जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें।

(vi) नियम 6 (ग) (xi) अथवा 6 (ग) (xii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:—

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट _____ के रैक नं. _____ सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए सन् 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर _____

पदनाम _____

तारीख _____

(vii) नियम 6 (ग) (xiii) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।

(viii) नियम 6 (ग) (xiv) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले उम्मीदवार को (i) निरोधक प्राधिकारी से उनकी मुहर लगे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए जिसमें यह लिखा हो कि उक्त उम्मीदवार आन्तरिक सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत निरुद्ध हुआ था या (ii) जिस उप मंडल मैजिस्ट्रेट के क्षेत्राधिकार में वह इलाका आता हो उसके प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए जिसमें लिखा हो कि उम्मीदवार भारत रक्षा तथा आन्तरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 या उसके अन्तर्गत बने नियमों के अन्तर्गत गिरफ्तार था या कैब हुआ था और जिसमें वे तारीखें विनिर्दिष्ट

हों जिनके बीच वह गिरफ्तार या कैद रहा था तथा जिसमें प्रमाणित हो कि निरोध या गिरफ्तारी या कैद जैसी भी स्थिति हो उम्मीदवार के राजनैतिक संबंधों या कार्य कलापों या तत्कालीन प्रतिबंधित संगठनों से उसके संबंध रखने के अनुसरण में थी।

6. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5 (i), (ii) और (iii) में से किसी भी वर्ग से सम्बद्ध है तथा नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शूल्क में छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपत्रित अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखाने के लिए कि वह निर्धारित शूल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होगी।

7. जिस व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है। किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार के इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) या कृषि और सिंचाई मंत्रालय (कृषि विभाग) द्वारा आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाने के बाद ही दिया जाएगा।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई भ्रष्टा व्यौरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविधि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेर बदल करें और न ही कोई फेर-बदल किए गए / भ्रष्टे प्रलेख प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या इससे अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्ध अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

9. आवेदन-पत्र द्वारा से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि आवेदन प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

10. यदि उक्त परीक्षा से संबद्ध आवेदन-पत्रों की प्राप्ति की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पात्रता की सूचना न मिले तो उसे पात्रता सूचना प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी।

किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया है तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के बाबे से वंचित हो जाएगा।

12. भू-विज्ञानी परीक्षा, 1978 से इस परीक्षा की योजना में सम्मिलित समस्त प्रश्न-पत्रों के लिए वस्तुपरक प्रश्नों के लागू किए जाने पर इस परीक्षा के लिए नियमावली और प्रश्न-पत्रों सहित पुस्तिका का मुद्रण बन्द कर दिया गया है। फिर भी जिन पुस्तिकाओं में नियमावली तथा पिछली परीक्षाओं 1977 तक भू-विज्ञानी परीक्षा के प्रश्न-पत्रों का व्यौरा सम्मिलित है, उनकी बिक्री प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल लाइस्ट, दिल्ली-110054 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल आर्डर अथवा नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने एम्पोरिया बिल्डिंग, 'सी' ब्लॉक, बाबा खड़ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110011 और (ii) प्रकाशन शाला का बिक्री काउटर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 और () गवर्नर मेंट आफ इन्डिया बुक लिपो, 8 के० एस० राय रोड, कलकत्ता-700001 से भी नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुस्तिसल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

13. आवेदन-पत्रों से संबद्ध पत्र व्यवहार:— आवेदन-पत्रों से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा व्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए:—

(i) परीक्षा का नाम

(ii) परीक्षा का महीना और वर्ष

(iii) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जन्म की तारीख, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।

(iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)

(v) आवेदन में दिया गया पत्र व्यवहार का पता

ध्यान दें:— जिन पत्रों में उपर्युक्त व्यौरा नहीं होगा, संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

14. पते में परिवर्तनः— उम्मीदवार को हम बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए, पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए, पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त

पैरा 13 में उल्लिखित व्यंग्रे के साथ, यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है किन्तु हम विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 24th November 1978

No. A.32016/2/78-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri Ram Singh, a permanent Research Assistant (R&S) and officiating Research Investigator in the office of Union Public Service Commission, to officiate on an *ad hoc* basis as Junior Research Officer (R&S) in the Commission's office for the period from 2-12-1978 to 28-2-1979, or until further orders, whichever is earlier, *vice* Smt. Raj Kumari Anand, Junior Research Officer (R&S) granted leave.

The 6th December 1978

No. A.12019/5/74-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. S. Chhabra, a permanent Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis as Senior Analyst for the period from 1-12-1978 to 28-2-1979, or until further orders, whichever is earlier.

Shri M. S. Chhabra will be on deputation to an *ex cadre* post of Senior Analyst, Union Public Service Commission and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F.10(24) E III/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

No. A.12025/1/78-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Dr. Shyam Kumar as Director (Information System) in the office of Union Public Service Commission in a temporary capacity with effect from the afternoon of 30-11-1978, until further orders.

The 8th December 1978

No. P/1150-Admn.II(ii).—Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. L. Khanduri, a permanent P.A. (Grade C of C.S.S.S.), officiating S.P.A. (Grade B of C.S.S.S.), and working as Section Officer on loan basis from the Department of Commerce, to officiate on an *ad hoc* basis as Special Assistant to Chairman, for the period from 28-11-1978 to 28-2-1979, or until further orders, whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN,
Under Secretary
for Chairman,
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 27th November 1978

No. A.32014/2/76-Admn.III.—In continuation of this Office notification of even number dated the 1st March 1978 the President is pleased to appoint, under proviso to Rule 10 of the C.S.S. Rules, 1962, Shri A. Gopalakrishnan, a Selection Grade Officer of the C.S.S.S. (Grade A of the C.S.S.S.) cadre of Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission for a further period from 15-11-1978 to 28-2-1979 or until further orders, whichever is earlier.

The 30th November 1978

No. A.12025(ii)/1/77-Admn.III.—In pursuance of the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel & Administrative Reforms) O.M. No. 5/21/77-CS(I) dated 15th March, 1978 and in partial modification of this Office notification No. A.32014/1/78-Admn.III dated 9-11-78, the President is pleased to appoint Shri K. L. Sharma, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission and officiating as Section Officer on *ad hoc* basis in the same cadre, to officiate in the Section Officers' Grade in the same cadre with effect from the forenoon of 1st November 1978, until further orders.

The 7th December 1978

No. A.32014/1/78-Admn.I.—In partial modification of this Office Notification of even number dated 17-11-78 Shri S. P. Mehra, a permanent Personal Assistant (Grade C of C.S.S.S.) of the cadre of Union Public Service Commission and officiating in the Selection Grade for Grade C Stenographer who was allowed to officiate as Senior Personal Assistant upto

31-12-78 has been reverted to the lower post i.e. w.e.f. 30-11-78 (F.N.)

The 8th December 1978

No. P/1150-Admn.II(i).—Consequent upon his qualifying the Combined Limited Departmental Competitive Examination 1977, and his allocation to the Ministry of Commerce, the President is pleased to appoint Shri M. L. Khanduri, a permanent Personal Assistant (Grade C of C.S.S.S.), and officiating Senior Personal Assistant (Grade B of C.S.S.S.) and *ad hoc* Special Assistant to Chairman to officiate as Section Officer in the office of Union Public Service Commission for the period from 28-11-1978 to 28-2-1979, or until further orders, whichever is earlier, on loan basis from the cadre of Department of Commerce to that of Union Public Service Commission.

The 13th December 1978

No. A.19014/1/78-Admn.I.—The President is pleased to appoint Km. Tyoti Pande, an officer of the Indian Administrative Service (Uttar Pradesh Cadre) to the post of Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 4th December, 1978, until further orders.

The 14th December 1978

No. P/1854-Admn.I.—Consequent upon his appointment as Joint Secretary to the Government of India in the Ministry of Defence, Shri S. N. Bajpe, an officer of the Indian Postal Service and at present officiating as Joint Secretary (Examination) in the office of Union Public Service Commission, has been relieved of his duties in the office of Union Public Service Commission, w.e.f. 14-12-78 (AN).

The 15th December 1978

No. P/1894-Admn.I.—Consequent upon his selection for appointment as Reader, Punjabi University, Patiala, Dr. V. Prakasam, Lecturer in Linguistics Osmania University and at present officiating as Under Secretary, Union Public Service Commission on deputation, has been relieved of his duties in the office of UPSC with effect from the afternoon of 15th December, 1978.

The 16th December 1978

No. A.12025(ii)/1/77-Admn.III.—Consequent on his having been nominated on the basis of the Combined Limited Departmental Competitive Examination 1977 *vide* D.O.P. & A.R. O.M. No. 5/77/78-CS(I) dated 25-10-78, the President is pleased to appoint Shri N. Namasivayam, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service in the same cadre with effect from 13th November, 1978, until further orders.

No. A.32013/1/77-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following permanent officers of the Section Officers' Grade of the C.S.S. cadre in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries on *ad hoc* basis in Grade I of the service for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

Sr. No., Name & Period

1. Shri B. S. Jagopota, 7-11-78 to 21-12-78.
2. Shri B. S. Kapur, 24-11-78 to 8-1-79.
3. Shri P. C. Mathur, 17-11-78 to 31-12-78.

S. BALACHANDRAN,
Under Secy.,
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 26th December 1978

No. 8 EPRS 303.—Shri Kasturi Lal, a permanent Section Officer of the Central Vigilance Commission, retired from Government Service with effect from 2-12-78 (F.N.) in terms

of the Department of Personnel & A.R. O.M. No. 25013/7/77-Estt.(A) dated 26-8-77.

SHRI NIVAS,
Under Secy.
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 27th December 1978

F. No. S-169/68-Ad.V.—On his being selected for deputation to the Govt. of Nagaland for appointment as Director of Investigation in the Nagaland Vigilance Commission, Shri S. N. Mukherjee, Dy. Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, relinquished charge of the office of Dy. Supdt. of Police in C.B.I. with effect from 1-12-78 (forenoon).

RIPDAMAN SINGH,
Administrative Officer (A)
C.B.I.

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 26th December 1978

No. E-38013(2)/1/78-Pers.—On Transfer from New Delhi, Shri D. V. Behl assumed the charge of the post of Commandant, CISF unit Bokaro Steel Ltd., Bokaro, w.e.f. the forenoon of 11th Dec. 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from New Delhi, Shri M. M. Thappar, assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit, VPT Visakhapatnam w.e.f. the forenoon of 14th December, 1978.

Sd/- Illegible
Inspector General/CISF

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

Hyderabad, the 28th December 1978

No. E.B.I./8-312/Promotions/726.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri S. Balaramakrishna a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-E-B-40-1200 with effect from 27-10-78 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

S. MUKHERJEE,
Senior Deputy Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR, N.E. RAILWAY

Gorakhpur, the 27th December 1978

No. S.S.O. No. 539.—On reaching the age of superannuation Shri R. K. Srivastava Permanent Audit Officer of this office, & on deputation as Dy. Director Internal Audit with the U.P.S.E.B., relinquished charge with effect from 31-10-78 (AN).

2. Shri A. S. Verma, an officiating Audit Officer has been appointed substantively by the Chief Auditor in the grade of Audit Officer w.e.f. 1-11-1978.

Sd/- Illegible
Dy. Chief Auditor

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 022, the 23rd December 1978

No. 68018(2)/71-AN-II.—The President is pleased to appoint Shri P. K. Ramanujam, an officer of the Indian Defence Accounts Service (on deputation to the Department of Science & Technology as Financial Adviser in the rank of Joint Secretary), to officiate in Level I of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service with effect from the forenoon of the 12th December, 1978, until further orders, under the 'Next Below Rule'.

The 27th December 1978

No. 18348/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri T. Venkatasubramanian, Assistant Controller of Defence Accounts will be transferred to the Pension Establishment and struck off strength of the Defence Accounts Department with effect from 31-8-1979 (AN).

R. L. BAKHSHI,
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 18th December 1978

No. 91/78/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri T. K. Sen, Offg. A.M. (Subst. & Permit. Foreman), retired from service w.e.f. 28-2-78 (AN).

V. K. MEHTA,
Assistant Director General,
ORDNANCE FACTORIES

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPTT. OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 15th November 1978

No. 12(714)/72-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri C. C. Das, Asstt. Director (Gr. II) (Glass/Ceramics) in Small Industry Development Organisation to officiate as Asstt. Director (Gr. I) (Glass/Ceramics) in the Small Industry Development Organisation w.e.f. the 24th May, 1978 (F.N.).

2. Consequent upon his appointment as Asstt. Director (Gr. I) (Glass/Ceramics), Shri Das relinquished charge of the post of Asstt. Director (Gr. II) (Glass/Ceramics) in the Small Industries Service Institute, Gauhati on the forenoon of 24-5-1978 and assumed charge of the post of Asstt. Director (Gr. I) (Glass/Ceramics) in the Small Industries Service Institute, Gauhati on the forenoon of 24-5-1978.

M. P. GUPTA,
Deputy Director (Admn.)

DTE. GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(Admn. Section A-6)

New Delhi, the 14th December 1978

No. A-17011/142-A6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri A. Shivaramkrishnan, Examiner of Stores (Textiles) in the Bombay Inspectorate to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Textile) on ad-hoc basis in the office of Dy. Director of Inspection Kanpur under NI Circle New Delhi w.e.f. the forenoon of 18th October, 1978 and until further orders.

P. D. SFTH
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL & MINES
IRON & STEEL CONTROL
(DEPARTMENT OF STEEL.)

Calcutta-20, the 1st December 1978

No. Admn.PF(201) (.)—Shri Sunil Kumar Mitra, Supdt, is hereby appointed to officiate in the post of Asstt. Commissioner of Payments (USCO Compensation) on an ad-hoc basis with effect from 1-12-1978 (F.N.).

P. K. SARKAR,
Iron & Steel Controller

(DEPARTMENT OF MINES)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 27th November 1978

No. 4962N/4/72/19A.—Shri S. B. Deb Barman Stores Superintendent (Iech.) Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Stores Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 10-11-1978, until further orders.

The 26th December 1978

No. 9826D/2339(MRV)/19B.—Shri Mool Raj Verma, Assistant Geophysicist, Northern Region, Geological Survey of India, has been released from the services of the Geological Survey of India with effect from the afternoon of 23rd August, 1978, for joining the post of Lecturer in the Regional Engineering College, Srinagar.

The 28th December 1978

No. 5012N/2222(VCS)/19A.—Shri V. Chandra Sekaran is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 10th November, 1978, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY,
Director General

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA
INDIAN MUSEUM

Calcutta-16, the 23rd December 1978

No. 4-154/78/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri S. R. Das to a post of Assistant Anthropologist (Cultural) in this Survey at Central Region, Nagpur, on a temporary basis, with effect from the forenoon of 23rd November, 1978, until further orders.

C. T. THOMAS,
Senior Administrative Officer

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the December 1978

No. 3(8) 68-D(S)/SIL.—Shri Basudev Bhattacharya, Jr. Accounts Officer, Pay & Accounts office, Doordarshan Kendra, Calcutta has been appointed on deputation to the post of Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in the office of Regional Engineer (East), All India Radio, Calcutta with effect from 6-11-78 until further order.

No. 1/9/78-SI.—Director General, All India Radio, is pleased to make the following appointment on *ad hoc* basis at Central Sales Units, Commercial Broadcasting Services, All India Radio, Bombay, until further orders : -

1. Sh. J. Gomes De Melo, A.O., CSU, CBS, AIR, Bombay as Sr. A.O. with effect from 12-10-78 (F.N.)
13—426GI/78

2. Sh. P. D. Achari, Sr. Acctt, CSU, CBS, AIR, Bombay as A.O. with effect from 12-10-78. (F.N.)

S. V. SESHADRI,
Deputy Director of Administration
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 23rd December 1978

No. A. 22013/73-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints Shri C. K. Madhava Rao, offg. Cameraman Films Division, New Delhi, to officiate as News-reel Officer at Calcutta with effect from 2nd December 1978, (F.N.) until further orders.

N. N. SHARMA,
Assistant Administrative Officer,
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 22nd December 1978

No. A. 12025/6/78(CIP)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri R. P. Saxena, Accountant, Directorate of Printing, Ministry of Works & Housing, New Delhi as Administrative Officer at the Central Institute of Psychiatry, Ranchi with effect from the forenoon of 26th October, 1978 in a temporary capacity and until further orders.

Consequent on the appointment of Shri R. P. Saxena to the post of Administrative Officer in the Central Institute of Psychiatry, Ranchi Shri B. B. Nag stands reverted from the post of Administrative Officer with effect from the forenoon of 26th October, 1978.

The 28th December 1978

No. A. 12026/15/77-Adm.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Braham Kumar to the post of Hindi Officer at the National Malaria Eradication Programme, Delhi, with effect from the forenoon of the 23rd November, 1978, on an ad-hoc basis and until further orders.

No. A. 12025/5/78(SJH)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri D. Sarkar, Junior Biochemist, Safdarjung Hospital, New Delhi to the post of Biochemist in the same Hospital with effect from the forenoon of the 29th November, 1978, on temporary basis, and until further orders.

S. L. KUTHIAJALA,
Deputy Director Administration (O&M)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 16th December 1978

No. PPED/3 (236)/78-Adm./ :—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay is pleased to appoint the under-mentioned personnel of this Division as Scientific Officers/Engineers-Grade 'SB' in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1978 until further orders :

Sl. No.	Name	Percent Grade	Permanent post held, if any
1.	Shri K. Ramadasan	Scientific Asstt. 'C'	Scientific Assistant 'B'
2.	Shri M. S. Kalsi	—do—	Scientific Assistant 'B'
3.	Shri D. S. Kamble	—do—	—

B. V. Thatte, Administrative Officer,

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Narora, the 12th December 1978

No. NAPP/Adm/1(104)/78-S/12061.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri K. R. C. Pillai, a temporary Assistant of the Bhabha Atomic Research Centre to officiate as an Assistant Personnel Officer in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of November 1, 1978 until further orders.

S. KRISHNAN,
Administrative Officer
for Chief Project Engineer

Narora, the 21st December 1978

No. NAPP/Adm/1(18)/78-S.—Consequent on his transfer to Power Projects Engineering Division, Bombay Shri P. Venugopalan, Assistant Personnel Officer in this Project has relinquished charge of his post on the forenoon of Nov. 1, 1978.

S. KRISHNAN,
Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 12th December 1978

No. AMD-2/2752/78-Adm.—The resignation from Government service tendered by Shri K. K. Chatterjee, temporary Scientific Officer/SB of the Atomic Minerals Division has been accepted by the Director, Atomic Minerals Division with effect from 30-11-1978 (Afternoon).

S. Y. GOKHALE,
Sr. Administrative & Accounts Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 28th November 1978

No. A. 32013/7/78-EC.—The President is pleased to appoint Aviation is pleased to appoint Shri R. N. Rai, to the post of Assistant Fire Officer, in the Civil Aviation Department with effect from 11-11-1978 (FN) until further orders and to post him in the Office of the Regional Director, Calcutta Region (at Fire Service Training Centre, Calcutta).

S. D. SHARMA,
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 29th December 1978

No. A. 32013/15/67-E. C.—In partial modification of this Department Gazetted Notification No. A. 32013/15/76-EC dated 23-11-78, the entries against Sl. No. 2 thereof are amended as under :—

S. No.	Name	Station of posting.
2.	Shri D. K. Sharma	Office of the Regional Director, Civil Aviation Department, Safdarjung Airport, New Delhi.

No. A. 12025/1/78-EC.—The President is pleased to appoint the two undermentioned persons in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department as Technical Officer in an officiating capacity w. e. f. the date shown against each and until further orders and to post them at the station indicated against each :—

S. No.	Name	Date from which appointed.	Stn. to which posted.
1	2	3	4
1.	Shri Debasish Ghosh	16-11-78 (FN)	Aeronautical Comm Stn. Calcutta.

1	2	3	4
2.	Shri Dipak Pal	18-11-78 (FN)	Aeronautical Comm. stn. Calcutta.

No. A. 32013/2/78-EC.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/4/75-EC dated 7-1-78, the President is pleased to decide that the deemed date of promotion of Shri P. S. Mukherjee, Assistant Technical Officer who has been on deputation to Govt. of Peoples Democratic Republic of Yemen (Aden) to the grade of Technical Officer will be 29-10-75 (FN).

No. A. 32013/7/78-EC.—The President is pleased to appoint Shri Vijay Panwar, Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Palam to the grade of Senior Technical Officer on ad-hoc basis w.e.f. 21-11-78 (AN) for a period of six months or till regular appointments to the grade are made, whichever is earlier and to post him at the same station.

No. A. 39012/3/78-FC.—The President is pleased to accept the resignation from service of Shri Ajay Kumar Luthra, Technical Officer in the office of the Director, Radio Const. & Dev. Units, New Delhi w.e.f. 1-8-78 (FN).

No. A.39012/4/78-FC.—The President is pleased to accept the resignation from service of Shri S. N. Murthy, Technical Officer in the office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Bombay Airport, Bombay with effect from 30-9-78 (AN).

S. D. SHARMA,
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 23rd December 1978

No. A.32013/18/78-FA.—The President has been pleased to appoint Shri K. Gopal, Senior Aerodrome Officer to the grade of Deputy Director/Controller of Aerodromes, on a purely ad hoc basis with effect from the 27th November, 1978, for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

Shri K. Gopal is posted as Deputy Director (Training & Licensing) at Headquarters.

V. V. JOHRI,
Asstt. Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Nagpur, the 22nd November 1978

No. 10/78.—Consequent upon his transfer from Collectorate of Customs and Central Excise Goa (Panji), Shri M. T. Wachasunder, Chief Accounts Officer, has assumed charge of the office of the Pay and Accounts Officer, Central Excise Collectorate, Nagpur in the forenoon of 6-11-1978, relieving Shri G. T. Chiplunkar, Chief Accounts Officer, who was holding additional charge of the Office of the Pay and Accounts Officer from 1-10-1978 to 5-11-1978.

No. 11/78.—Shri R. S. Berar, Pay and Accounts Officer, Central Excise, Nagpur, having attained the age of superannuation retired from Government service w.e.f. 30-9-1978 A.N.

No. 9/78.—Shri Z. Khwala, Superintendent of Central Excise, Group 'B', M.O.R. III, Gondia of this Collectorate,

having attained the age of superannuation, retired from Government service in the afternoon of 31-10-1978.

M. R. PAROOLAKER,
Collector

SOUTH EASTERN RAILWAY

Calcutta-43, the 27th December 1978

No. P/G/14/300B (III):—The following Junior Scale (Class-I) Officers of Civil Engineering Department of this Railway are confirmed in the Senior Scale of that Department of this Railway with effect from the date noted against each:—

S. No.	Name	Date from which confirmed
1.	Shri H. V. Sanjeeva Rao	27th March, 1967
2.	Shri K. S. Gulab	6th November, 1968
3.	Shri P. D. Peres	12th December, 1968
4.	Shri M. P. Budhiraj	1st April, 1969
5.	Shri N. Santhanam	22nd July, 1969
6.	Shri M. Srinivasan	22nd July, 1969
7.	Shri J. C. Gupta	22nd July, 1969
8.	Shri K. Venkateswar Rao	22nd July, 1969

The 28th December 1978

No. P.G/14/300B/Pt.III.—The following officiating Class II Officers of Civil Engineering Department of this Railway are confirmed in Class II service of that Department on this Railway with effect from 7th February 1974:—

Sl. No., & Name

1. SHRI A. N. PAUL
2. SHRI S. K. MAJUMDAR
3. SHRI J. G. DAWSON
4. SHRI P. K. BHATTACHARJEE
5. SHRI R. B. SAXENA
6. SHRI S. K. MONDAL

M. S. Gujral, General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Arms & Saraswat Marine Engineers Private Limited*

Panaji, the 18th December 1978

No. 253/G.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Arms & Saraswat Marine Engineers Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

D. R. GHAROTE,
Registrar of Companies
Goa, Daman & Diu
Panaji

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Essential Coal & Mineral Co. Private Limited.*

Kanpur, the 28th December 1978

No. 14916/3209-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Essential Coal & Mineral Co. Pvt. Ltd.

unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN,
Registrar of Companies, U.P.,
Kanpur

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Island Import Export Trading Co. Pvt. Ltd.*

Bombay-2, the 21st December 1978

No. 15261/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Island Import Export Trading Co. Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Jacquard Woven Tables Private Limited*

Bombay-2, the 21st December 1978

No. 12418/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Jacquard Woven Tables Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

L. M. GUPTA,
Asstt. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Kocks (India) Private Limited.*

Cuttack, the 22nd December 1978

No. S.O./461/3553(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Kocks (India) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Rathor Investments Private Limited.*

Cuttack, the 22nd December 1978

No. S.O./715/3554(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Rathor Investments Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s The Blue Mount Hotels Private Limited.*

Cuttack, the 22nd December 1978

No. S.O./677/3555(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s The Blue Mount Hotels Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Sambalpur Mineral Industries Private Limited.*

Cuttack, the 22nd December 1978

No. S.O./357/3556(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Sambalpur Mineral Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

D. K. PAUL,
Registrar of Companies, Orissa

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Hawk Finance Private Limited.

Jullundur, the 28th December 1978

No. G/Stat/560/3772/9940.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Hawk Finance Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Coronation Woollen & Steel Industries Private Limited.

Jullundur, the 28th December 1978

No. G/Stat/560/3212/9943.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Coronation Woollen & Steel Industries Private limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Himachal Films Private Limited.

Jullundur, the 28th December 1978

No. G/Stat/560/3014/9946.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Himachal Films Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company wil be dissolved.

S. P. TAYAL,
Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chandigarh

Notice under Section 445(2) of the Companies Act, 1956 in the matter of M/s Prestige Finance Pvt. Ltd.

New Delhi, the 20th December 1978

No. Co. Lign./3558/21645.—By an order dated the 4-9-1972 of the Hon'ble High Court of Delhi M/s Prestige Finance Private Limited has been ordered to be wound up.

P. S. MATHUR,
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Kanpur, the 22nd December 1978

ORDER

No. 41.—Shri Inderjeet Sharma, Inspector of Income-tax is appointed to officiate as Income-tax officer (Group 'B') FB-40-1200 with immediate effect and until further orders. He will be liable to reversion in case it is subsequently found that his appointment has been made in excess of vacancy available. His services, on promotion are placed at the disposal of the Commissioner of Incometax, Agra.

P. K. MITRA,
Commissioner of Incometax,
Kanpur

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-3, BOMBAY

Bombay, the 27th December 1978

Ref. No. ARIII/AP 282/78-79.—Whereas, I,
R. M. PANJWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 62 Hissa No. 6, Survey No. 63 Hissa No. NIL, situated at Adhavli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 13-6-78 (Doc. No. 427/76) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/S Prakash Construction & Engg. Co. Hague Building, 2nd Sport Road, Bellard Estate, Bombay-1.
(Transferor)
- (2) M/S Refinery View-Co-op. Housing Society Ltd., F, 1,62/63 Ghatkopar Mahul Road, Chembur, Bombay-74.
(Transferee)

(3) Building 'A'

Flat No.	Name of Flat owner.
A-1	Shri N. S. Vakil
A-2	Shri Harbhajan Singh
A-3	Smt. G. D. Chavla
A-4	Sardar A. S. Datt
A-5	Smt. Mohinder Kaur
A-6	Shri Ramkrishna B. Wadke
A-7	Shri K. L. Chopra
A-8	Smt. Ranjeet Kaur
A-9	Smt. Nando Devi Jagannath
A-11	Shri Tala Jugan Nath
A-12	M/s. Jagannath & Sons
A-13	Shri Hansraj Bahl
A-14	Smt. Savita Bali
A-15	Smt. Uttam Kaur Sahney
A-16	Shri Kulwant Singh Sawhney

Building 'B'	
B-2	Smt. Harvinder Kaur Chaddhah
B-3	Shri Kochhar Bishan Nath
B-4	Shri Kochhar Bishan Nath
B-5	Shri Yodlingar Lal Sharma
B-6	Smt. S. V. Deo
B-7	Shri Ram Jodh Ram
B-8	Smt. Pushpa Mittal
B-9	Shri Kuwanian Ghosla

B-10	Smt. Balwant Kaur
B-11	Shri Gulshan Talwar
B-12	Smt. Kaushalya Khatial
B-13	Shri Hans Raj Behal
B-14	Shri Amik Lal Khosla
B-15	Shri Ram Lal Chopra
B-16	Smt. N. V. Ratna

Building 'C'

C-2	Shri Kalyanpur S. R.
C-3	Shri Lal Singh
C-4	Shri V. V. Navre
C-5	Smt. K. K. Behl
C-6	Smt. Hukam Kaur Chopra
C-7	Shri N. K. Gupta
C-8	Sardar Surjeet Singh
C-9	Shri Puran Prakash Sehgal
C-10	Shri Dharam Pal Uppal
C-11	Shri Suraj Prakash Sehgal
C-12	Shri Behari Lal Sehgal
C-13	M/s. Ram & Co.
C-14	Shri Mohinder Singh
C-15	Smt. Vimla B. Jvin
C-16	Shri Charles Mathias

Building 'D'

D-1	Smt. Lilly Behl
D-3	Major Tilochan Singh
D-4	Major Tilochan Singh
D-6	Shri Ravinder Kumar
D-7	Shri Ramlal Chopra
D-8	Smt. Urmila Chopra
D-9	Shri Subhash Chander Wadhwan
D-10	Shri Pritam Lal Wadhwan
D-11	Smt. Shanti Rani Wadhwan
D-12	Shri Balkrishna Wadhwan
D-13	Shri R. S. Bhatla
D-14	Shri L. T. Diwan
D-15	Shri S. D. Kapur
D-16	Shri R. P. Kapoor

Building 'F'

F-1	Shri Sardar Swaran Singh
F-1A	Shri Sadh Ram Bhatia
F-1B	Shri Jagan Nath & Sons
F-2	Shri Talwar
F-3	Shri N. S. Manchanda
F-4	Shri S. P. Kashyap
F-5	Shri Sudhir & Arun Bhasin
F-6	Shri Bodhraj Anand
F-7	Smt. Vimal Kheta
F-8	Shri O. P. Thapar
F-9	Smt. Geeta G. Naik
F-10	Shri K. L. Bhatia
F-11	Smt. Aruna Sen
F-12	Smt. Harbans Kaur
F-12A	Shri Shadi Lal Chopra

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THOSE pieces or parcels of Agricultural land or ground situate at Adhavli containing by admeasurement 5293 & 3/4 sq. yards or thereabout equivalent to 4425.58 sq. meters with buildings A, B, C, D and F standing thereon except the

flats bearing Nos. B-1, A-10, C-1, D-2 and D-5 in the Registration District of Bandra, Bombay Suburban District bearing the following numbers :—

Survey No.	Hissa No.	A.G.	Assessment.
62	6	0-33	Rs. 2-0-0
63	Nil	0.10	3/4 Rs. 2-0-0

Equivalent to 5293 & 3/4 sq. yards.

and bounded as follows :—

North by the property bearing Survey No. 60, Hissa No. 5. South by Survey No. 81 by property bearing Survey No. 9 of Maravali, East by the property bearing Survey No. 60, Hissa No. 7, West by Mahul Ghatkopar Road.

R. M. PANJWANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated : 27-12-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 27th December 1978

Ref. No. TAC/Acq.-III/12-78/322. —Whereas I, D. P. Goyal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-244, situated at Hari Nagar in the area of Village Tihar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 15-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Lal Karwal S/o Shri Bhagwan Dass Karwal R/o WZ-409/K, Janak Park, Hari Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Prakash Aneja S/o Shri Mool Chand Aneja R/o B-244, Hari Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house bearing No. WZ-332 (Old) B-244 (New), situated in Hari Nagar, area of Village Tihar, New Delhi with the land measuring 220 sq. yds. (60' x 33') bounded as under :—

North	: Property No. 237-B
South	: Road
East	: Built house on plot No. 243B
West	: Property No. 245 B

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III,
Delhi/New Delhi.

Date : 27-12-1978

Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III
4/14A, ASAIF ATT ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 27th December 1978

Ref. No. IAC/Acq-III/12-78/323.—Whereas I, D. P. Goyal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-79, situated at Malviya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 25-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Roshan Lal Dhawan S/o Sh. Siri Ram R/o No. D/79, Malviya Nagar, New Delhi has special attorney on behalf of Sh. Suresh Chander S/o Sh. Daulat Ram.
(Transferor)

(2) Shri Daulat Ram son of Sh. Siri Ram Dhawan R/o D/79, Malviya Nagar, New Delhi
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. D/79, situated at Malviya Nagar, New Delhi area 296 sq. yds. bounded as under :—

North	: House No. D/80
South	: House No. D/78
East	: Service Land
West	: Road

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III,
Delhi New Delhi

Date : 27-12-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 28th December 1978

Ref. No. IAC/Acq-III/12-78/324 —Whereas, I, D. P. Goyal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10/66 situated at Punjabi Bagh New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 16-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Joginder Singh S/o Shri Milkhi Ram
R/o 15-A, Pusa Road, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Lalit Kumar S/o Shri R. K. Nanda
R/o J-10/49, Rajouri Garden New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot of land No. 10 on Road No. 66, measuring 279.55 sq. yds. situated in the colony known as Punjabi Bagh area, of village Madipur, Delhi State Delhi, within the limits of Delhi Municipal Corporation and bounded as under :—

North	:	Plot No. 8
South	:	Plot No. 12
East	:	Service Lane
West	:	Road No. 66

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III,
Delhi/New Delhi.

Date : 28-12-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Bhagwani, w/o Sh. Sunder Dass Tekchandani, r/o, 7/19, South Patel Nagar, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sushila Bai Chadha (1/2 Share)
(2) w/o Sh. R. K. Chadha (2) Sh. B. K. Chadha
(3) Sh. Inder Bhushan Chadha (4) Navin Chadha,
s/o Sh. R. K. Chadha, r/o, 9/23, South Patel
Nagar, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II
4-14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI-110001

New Delhi, the 1st January 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/May-89/3848/78-79/4857.—Whereas
I. R. B. L. AGGARWAL
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 9/23 situated at South Patel Nagar, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on 6-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said Act.
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed building bearing No. 9/23, measuring 200 sq.
vds. situated at South Patel Nagar, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
14—426GI/78

Date : 1-1-1979

Seal : —

FORM ITNS—

(1) Smt. Rajinder Kaur, w/o. Col. Prabhjinder Singh, r/o. B-21, Green Park Extension, New Delhi, (Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi, w/o Sh. Shikher Chand Jain, r/o. 15, Bungalow Road, Kamla Nagar, Delhi-7, (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 1st January 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/May-108/3865/78-79/4857.—Whereas I. R. B. L. Aggarwal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. B-2/5 situated at Northern City Extn. D.D.A., Roop Nagar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 1-5-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storied property No. B-2 in Block No. 5 situated in Northern City Extension Scheme, D.D.A., Roop Nagar, Delhi, measuring 1167.66 sq. yds. and bounded as under:—

East : Plot No. 1

West : Plot No. 3

North : Road

South : Road

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Date : 1-1-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 1st January 1979

Ref. No. I.A.C. Acq.I/S.R.III/405/April/1878-79.—
 Whereas I, (Miss) ANJANI OZA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing No.
 No. 118 situated at SUNDER NAGAR, NEW DELHI
 (and more fully described in the Schedule annexed
 hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 New Delhi on 7-4-1978
 for an apparent consideration
 which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

1. Mrs. Surjit Jaiswal wife of Shri L. P. Jaiswal Resident of 148 Sunder Nagar, New Delhi.
2. Mrs. Daulat Jaiswal wife of Shri Jagjit Jaiswal Resident of 118 Sunder Nagar, New Delhi.
3. Shri Karamjit Jaiswal son of Shri L. P. Jaiswal, Resident of 148 Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferors)

- (1) Mrs. Raj Mohini Suri wife of Satwant Suri Resident of B-38 Connaught Place, New Delhi.
- (2) Mrs. Lalita Mehra wife of Shri Om Parkash Mehra, Resident of D-161 New Rajinder Nagar, New Delhi.
- (3) Shri Rajendra Nath Khanna son of Shri Harinath Khanna Resident of 11 Shiwe Sadan, C-Road, Marine Drive, Bombay.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

An immovable property bearing No. 118 situated at Sunder Nagar, New Delhi admeasuring 0.179 Acres with a building thereon, boundary wall and other structures constructed thereon and bounded as under :—

North : Plot No. 117
 South : Plot No. 119
 West : Service lane
 East : Main Road.

(Miss) ANJANI OZA
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I
 Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-1-1979
 Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Lajya Rani Bahalla, w/o V. M. Bahalla,
r/o 5/621, Lodhi Colony, New Delhi.
(Transferor)

(2) Joginder Singh s/o Dharan Singh
r/o E-238, Greater Kailash Part I, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 28th December 1978

Ref. No. IAC. Acq.-I/SR.III/April 78-79/408.—Whereas I, Miss Anjani Oza, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-128, situated at Greater Kailash Part-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 10-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land measuring 400 sq. yards bearing plot No 128, Block M situated in the residential colony known as Greater Kailash-II, area of village Bahapur in the Union Territory of Delhi Municipal Corporation and bounded as under :—

East : Road

West : S. Lane

North : Plot No. M-126

South : Plot No. M-130.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-12-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chetan Dass son of Shri Kisor Mal Resident of House No. 1533, Gali No. 4, Bahadurgarh Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Baldev Raj Chawla son of Shri Godha Ram Chawla, Resident of S-40 Masjid Road, Jangpura Extension, New Delhi.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 1st January 1979

Ref. No. I.A.C. Acq.-I/S.R III April 447/1978-79. —Whereas I, MISS ANJANI OZA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding No. S-40 (Shop) situated at Masjid Road, Jangpura Extension, New Delhi Rs. 25,000/- and bearing (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at New Delhi on 29.4.1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reductio nor evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A G. B. Shop bearing No. S-40 measuring 286 Sq. ft. (ground floor) situated at Masjid Road, Jangpura Extension, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 1-1-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sneh Lata w/o Sh. Parshotam Singh Chopra
r/o Prem Villa Central Road, Jammu Tawai.
(Transferee)

(2) Shri Shivbir Singh s/o Attar Singh,
r/o S-6, Greater Kailash Part-I, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I
4/14A, ASAFA LI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 1st January 1979

Ref. No. IAC/Acq. 436/April-64/78-79/436.—Whereas I, Miss Anjani Oza being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-185, situated at Greater Kailash Part-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 25-4-1978,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A free-hold plot No. M-185, measuring 400 sq. yards situated in Greater Kailash-II, New Delhi bounded as under:

East: Service Lane

West: Road

North: M-138

South: M-187.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 1-1-1979

Seal:

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAFAI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the January 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R.III/440/April/1978-79.—
Whereas I, MISS ANJANI OZA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

B-10 Kailash Colony, situated at New Delhi
and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 26-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(1) 1. S/Shri Aftab Ahmed and Anwar Ahmed sons of
Haji Sheikh Mohd. Ishaq, Resident of B-10 Kailash
Colony, New Delhi.

(Transferors)

(2) 1. S. Pritpalsingh
2. S. Hormander Singh sons of Shri S. Harbans Singh
3. Mrs. Paramjit Kaur wife of Rajinder Singh
4. Mrs. Manmohan Kaur wife of S. Inderjit Singh
All Residents of B-10 Kailash Colony, New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
bile property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

A 2½ storied bungalow known as B-10 Kailash Colony,
New Delhi measuring 464½ Sq. yards bounded as under:

East : Plot No. B-9

West : Plot No. B-11

North : Road

South : Service Lane.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 1-1-1979

Seal :

FORM ITNS—

1. Smt. Kailash Suri w/o N. C. Suri,
r/o W-36, 1st Floor Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 1st January 1979

Ref. No. IAC Acq-I/SR-III/April/1978.—Whereas I, Miss Anjani Oza being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W-36 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 18-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

2. (1) Smt. Shanti Suri, w/o Krishan Lal Suri
(2) Sh. Krishan Lal Suri s/o Sh. Labh Chand
(3) Krishan Lal Suri
(4) Mahinder Kumar Suri s/o Krishan Lal Suri, R/o W-36, Greater Kailash-I, New Delhi,
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or only moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1962) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A 2½ storeyed bungalow known as W-36 Greater Kailash, New Delhi admeasuring 500 sq. yards (418 sq. meters) within the limits of Municipal Corporation, Delhi and bounded as under:—

East : Road

West : Service Lane

North : House, Plot No. 34

South : House Plot No. 38.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi-New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 1-1-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Kundan Khushi Ram,
S/o Sh. Khushi Ram
r/o Camcas Street, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 1st January 1979

Ref. No. IAC. Acq. I/SR-III/409/April/1978-79.—Whereas I, Miss Anjani Oza being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23 Block No. 172, situated at JOR BAGH, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 20-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) M/s. Tej Properties (P) Ltd.
E-6/13, Vasant Vihar
At present C-37, Mayfair Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

A 2½ storeyed building standing on a lease-hold plot No. 23, Block No. 172, situated at Jor Bagh, measuring 1236.1 sq. yards bounded as under :

East : Plot No. 24
West : Plot No. 22
North : Main Road
South : Service Lane

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

15—426GI/78

Date : 1-1-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 1st January 1979

Ref. No. IAC. Acq. I(SR-II/400/April/1978-79).—Whereas I, Miss Anjani Oza being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at B-30, Maharani Bagh Bangla No. 8, Eastern Avenue, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 4-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Deep B. Kalekar S/o (Late) Dr. B. D. Kalekar R/o 22, G.I.D.C. Industrial Area, Maker Pura Road, Baroda.

(Transferor)

(2) Smt. Mahinder Kaur w/o Sardar Sujan Singh, R/o B-30, Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 2½ storeyed building built on plot No. B-30, (known as 8-Eastern Avenue) measuring 1191.66 sq. yards situated at Maharani Bagh, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date : 1-1-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. J. N. Khanna & others

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Harbhajan Singh & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

(3) Transferor

[Person in occupation of the property]

(4) Transferor

[Person whom the undersigned knows to be interested in property]

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 14th December 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. H-30/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 427, Civil Lines, New Hyderabad situated at Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 19-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 427, civil lines, New Hyderabad, Lucknow (freehold) and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 1889 duly registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow on 28-3-78.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-12-1978

Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Smt. J. N. Khanna & others

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Prakash Misra & others.

(Transferee)

(3) Transferors

[Person in occupation of the property]

(4) Transferors

[person whom the undersigned knows to be interested in property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. J-49/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 427, Civil Lines, situated at New Hyderabad, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 19-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 427, civil lines, New Hyderabad, Lucknow (freehold) and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 27 G No. 1872 duly registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow on 28-3-78.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 14-12-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. J. N. Khanna & others

(Transferor)

(2) Sri P. N. Srivastava

(Transferee)

(3) Transferors

[Person in occupation of the property]

(4) Transferors

[Person whom the undersigned knows to be interested in property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th December 1978

Ref. No. P-67/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 427, New Hyderabad, Lucknow, situated at Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 19-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 427, New Hyderabad, Lucknow admeasuring 6924 sqt. (freehold) and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and from 37-G No. 1879 duly registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow on 28-3-78.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 14-12-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. J. N. Khanna & others

(Transferor)

(2) Shri Prabhoo Dayal

(Transferee)

(3) Transferor

[Person in occupation of the property]

(4) Transferor

[Person whom the undersigned knows to be interested in property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th December 1978

Ref. No. P-68/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 427/Z, New Hyderabad, Lucknow situated at Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 19-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 427, civil lines, New Hyderabad, Lucknow (freehold) and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 1884/duly registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow on 28-3-78.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 14-12-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. S/Shri A. Nageswara Rao,
H. No. 16-1694 at Ramamurthy Nagar,
Nellore.
2. A. Madhavarao,
C/o I. D. P. I. Balanagar, Hyd.
(H. No. 1-8-702/29-2 Nallagutta, Hyderabad).
3. Smt. Balasaraswathamma,
H. No. 16-1694 Ramamurthy Nagar, Nellore.

(Transferor)

(2) S/Shri Thiruveedhi Ramamurthy,
R/o Thoomalivari-Palem,
Kaniviri-Tq. Prakasam. Dist.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 2nd December 1978

Ref. No. RAC No. 233/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16/25 situated at Jonnalagadda Vari St. Nellore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nellore on 12-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Door No. 16/25 situated at Jonnalagadda Vari Street, Nellore, known as "Manzu Hotel" registered vide Doc. No. 847/78 with the Joint Sub-Registrar Nellore.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-12-1978

Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd December 1978

Ref. No. RAC No. 234/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-4-554 situated at Nallagutta, Ramgopalpet, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on 10-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Mrs. Rahmatunnisa,
W/o late A. A. S. Quraishi,
H. No. 201, Marcdpally, Secunderabad
2. Mr. Gulam Moinuddin Quraishi,
3. Mr. Gulam Mohiuddin,
4. Mr. Khaleeduddin,
5. Smt. Gousia,
6. Smt. Sheonaz,
7. Suraiya Quraishi,
S. No. 2 to 7 represented by their mother and
G.P.A. Mrs. Ramatunnisa Begum, Vendor No. 1.

(Transferor)

(2) M/s. Summit Engineering Corporation at 7946
at Raniganj, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing M. No. 2-4-554 on the lease-hold plot number as 33-A admeasuring 248 Sq. Yds. at Nallagutta Secunderabad, registered vide Doc. No. 930/78 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-12-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S/Shri Galla Ramanna, 2. G. Bapuji, 3. G. Vinodhbabu, 4. G. Sainatha, (Minor) G.P.A. mother Akkumma, all R/o Siriguppa Village, Hospet Tq. Bellary, Dist. Karnataka State.

(Transferor)

(2) Sri S. G. Nagireddy S/o S. Nagireddy, Holmespet, Proddatur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd December 1978

Ref. No. RAC No. 235/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7/528 A&B situated at Proddatur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Proddatur on April 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in property No. 7/528 A&B known as "Saibaba Theatre" situated at proddatur, registered vide Doc. No. 835/78 with the Sub-registrar of Proddatur.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

16—426GI78

Date: 2-12-1978

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd December 1978

Ref. No. RAC No. 236/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7/528 A&B situated at Proddatur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Proddatur on April 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Galla Ramanna, 2. G. Bapuji, 3. G. Vinodhbabu, 4. G. Sainatha, (Minor) G.P.A. mother Smt. Akkamma, all R/o Siriguppa Village, Hospet Tq. Bellary, Dist. Karnataka State.

(Transferor)

(2) Sri Falagiri Nagamma, W/o Narayana Reddy, R/o Co-operative Central Stores Road, Proddatur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1/6th share in H. No. 7/528 A&B known as "Saibaba Theatre" at Proddatur, registered vide Doc. No. 836/78 in the office of the Sub-Registrar Proddatur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-12-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Galla Ramanna, 2. G. Bapuji, 3. G. Vinodhbabu, 4. G. Sainatha, (Minor) G.P.A. mother Smt. Akkamma, all R/o Siriguppa Village, Hospet Tq. Bellary, Dist. Karnataka State.

(Transferor)

(2) Onteddula Lakshmidevi W/o Chandrasekhara Reddy, Cuddapah town, Cuddapah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 2nd December 1978

Ref. No. RAC No. 237/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/6th Share in 7/528 proddatur situated at Proddatur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Proddatur on 12-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/6th share in H. No. 7/528 known as "Saibaba Theatre" at Proddatur, registered vide Doc. No. 837/78 in the Sub-Registrar Proddatur.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date : 2-12-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 2nd December 1978

Ref. No. RAC No. 238/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/6th in 7/528 situated at Proddatur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Proddatur on 12-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) S/Shri Galla Ramanna, 2, G. Bapuji, 3, G. Vinodhbabu, 4, G. Sainatha, (Minor) G.P.A. mother Akkamma, all R/o Siriguppa Village, Hospet Tq. Bellary, Dist. Karnataka State.

(Transferor)

(2) Sri Settipalli Nagi Reddy, minor, G.P.A. father Sri Raghurami-Reddy, R/o Co-operative Central Stores Road, Proddatur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in Door No. 7/528 known as "Saibaba Theatre" at Proddatur, registered vide Doc. No. 838/78 in the office of the Sub-Registrar, Proddatur.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 2-12-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd December 1978

Ref. No. RAC No. 239/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/6th port. of 7/528 situated at Proddatur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Proddatur on 12-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Galla Ramanna, 2. G. Bapuji, 3. G. Vinodhbabu, 4. G. Srinatha, (Minor) G.P.A. mother Akkamma, all R/o Siriguppa Village, Hospet Tq. Bellary, Dist. Karnataka State.

(Transferor)

(2) Avvripalli Nageswara Reddy S/o S. C. Nagi-Peddy R/o Co-operative Central Stores Road, Proddatur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

16th share in Door No. 7/528 known as "Saibaba Theatre" at Proddatur, registered vide Document No. 839/78 in the office of the Sub-Registrar Proddatur.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 2-12-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd December 1978

Ref. No. RAC No. 240/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/6th share in 7/528 situated at Proddatur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Proddatur on 12-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following namely :—

(1) S/Shri Galla Ramanna, 2. G. Bapuji, 3. G. Vinodhbabu, 4. G. Sainatha, (Minor) G.P.A. mother Akkamma, all R/o Siriguppa Village, Hospet Tq. Bellary, Dist. Karnataka State.

(Transferor)

(2) Sri Settipalli Ashok Reddy, minor, represented by father Sri S. Ragurami-Reddy, R/o Co-operative Central Stores Road, Proddatur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th portion in Door No. 7/528 known as "Saibaba Theatre" at proddatur, registered vide Document No. 840/78 in the office of the Sub-Registrar Proddatur.

K. S. VENKATARAMAN.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 2-12-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd December 1978

Ref. No. RAC No. 241/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 5 in 1-11-251/5 Begumpet situated at Secunderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 19-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri Vishnu W-Shahani,
R/o next of the Kala Bhavan,
Opposit To I.G.P. Office, Saibabad, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Smt. C. Bharathi Devi,
H. No. 1-2-412/2 at Gaganmahal Colony,
Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 on 1st floor in M. No. 1-11-251/5 at Begumpet, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1032/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 2-12-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd December 1978

Ref. No. RAC No. 242/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing land S. No. 9/1/F situated at Saroonaagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on April-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) 1. Valluru Seshamma, W/o V. Venkateswarlu, 2. Kum. V. Sridevi, D/o V. Venkateswarlu, both residing at Kothapet, Hyderabad-35.

(Transferor)

(2) Venkateswara Cooperative House Building Society, Ltd., its president Sri Kona Radhakrishna Murthy, H. No. 3-5-1140 at Ramkote, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land in S. No. 9/1/F admeasuring 1.26 Acrs. or 0.66 hectares, at Saroonaagar Village, Hyderabad-East, registered vide Doc. No. 1770/78 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

K. S. VENKATARAMA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 2-12-1978,

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd December 1978

Ref. No. RAC No. 243/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing land S. No. 9/1/F situated at Saroonagar Hyderabad-East, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East, on 1-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

17—426GI/78

(1) 1. Sri Valluri Subbaraju, 2. V. Subbamma, 3. V. Visweswar Rao 4. V. Ramachandra Raju, all residing at H. No. 1-2-412/1 at Gaganmahal Colony, Hyderabad.

(Transferor)

(2) The Venkateswara Cooperative House Building Society Ltd., Saroonagar, its president Sri K. Radha-Krishnamurthy, 3-5-1140 at Ramkote, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land admcasuring 7.08 Acres situated at Saroonagar village, Hyderabad-East-Tq. in Survey No. 19/1/F, registered vide Document No. 1870/78 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 6-12-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Vankadari Narasimhulu, Tadpatri, Ananthapur-District.
(Transferor)

(2) Sri Mutyalu Bala Rangaiah, 2, M. Chinni Rangaiah, Ward No. 10, Main Bazar, Tadpatri Ananthapur Dt. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th December 1978

Ref. No. RAC No. 244/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

8/373 situated at Main Bazar Tadpatri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Tadpatri, on 12-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Door No. 8/373 other end of the Main Bazar, Tadpatri, Town, Ananthapur-Dist, registered vide Document No. 496/78 in the Sub-Registrar office Tadpatri, Ananthapur-Dist.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

K. S. VENKATARAMAN.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated : 6-12-1978

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Sri Gunupati Sreenivasulu Reddy, S/o Balarami Reddy, R/O Kottur-Village, Nellore Tq, Nellore, Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th December 1978

Ref. No. RAC No. 245/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3/294 situated at Lakshmipuram Nellore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore, on 29-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) J. Lingareddy Venkata Ramana Reddy, 2. Lingareddy, Venkata Narsareddy, C/o L. V. Ramana Reddy, & Co., Santhapet, Nellore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 3/294 at Lakshmipuram, Nellore, registered vide Document No. 980/78 registrar office Nellore.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-12-1978.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri S. Amalchandra Rao, 3-6-641 at Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th December 1978

Ref. No. RAC No. 246/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office No. 213, situated at Sagarview, building, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on 13-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 213 on 11nd floor in Sagar View Building No. 1-2-524 at Domalguda, Hyderabad, admeasuring 427 Sq. Ft. registered vide Doc. No. 1303/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-12-1978

Seal :

FORM ITNS —

(1) M/s Swastic Builders, H. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. K. Sukkubavamma, H. No. 6-3-596/21 at Venkataranama Colony, Kairtabad, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th December 1978

Ref. No. RAC No. 247/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office No. 108, situated at Sagar View, Domalguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 13-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 108 on first floor in H. No. 1-2-524/3 at Sagar View, Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 1304/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-12-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Swastic Builders, H. No. 1-2-524/3 at Domalguda Sagar View Building, Hyderabad,
(Transferor)

(2) Sri N. Mohan Reddy, S/O Dr. N. Balakrishna Reddy, H. No. 3-6-198 at Himayatnagar, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th December 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC No. 248/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office No. 207 situated at Sagar View, Building, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office premises No. 207 on 11nd floor of Sagarview Building No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1305/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 6-12-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri S. Krishnakumar, S/O N. Srinivas Iyengar, H. No. 553 at Somajiguda, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th December 1978

Ref. No. RAC No. 249/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office No. 209 situated at Sagarview Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 13-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 209 on 11th floor of H. No. 1-2-524/3 at Sagarview Building at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 1306/78 in the office of the Joint Sub-Registerer Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Dated : 6-12-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Swastik Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th December 1978

Ref. No. RAC No. 250/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. Office No. 112 situated at Sagarview building, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 13-4-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 112 on 1st floor of H. No. 1-2-524/3 of Sagar View, Building, at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 1307/78 in the office of Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 6-12-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Swastic Builders, at 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th December 1978

Ref. No. RAC No. 251/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 111 situated at 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—426GI78

(2) Sri Satish Kumar, Agarwal, 15-1-52 at Keshkhana, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 111 on 1st floor of Sagar View, H. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 1369/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 6-12-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) M/o Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. (Smt. K. Shanta Prakash, W/o Dr. K. Jaya
Prakash, H. No. 11-2-553 at Agapura, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th December 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 252/78-79.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office No. 313 situated at 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on April-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office premises No. 313 on 3rd floor of 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1370/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 6-12-1978
Seal:

FORM ITNS—

(1) M/s Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri S. Amalchandra Rao, H. No. 3-6-641 at Himayatnagar, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th December 1978

Ref. No. RAC No. 253/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office No. 214 situated at Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April-78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 214 on 2nd floor of Sagar View Building M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 1371/78 with the office of the Joint Sub Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 6-12-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th December 1978

Ref. No. RAC No. 254/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing plot in situated at 3-5-874 Hyderguda, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 21-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri/Smt./Kumari, S/Sri, 1. Mahadev Shrinagesh S/o late of Air vice Marshal, M. M. Shrinagesh, 2. Ashok Shrinagesh, S/o M. M. Shrinagesh, 3. J. M. Shrinawash, S/o Dr. S. Mallanna, 4. Miss Malati Shrinagesh, S/o Dr. S. Mallanna, 4. Miss Malati Shrinavass D/o late Dr. S. Mallanna, 6. Miss Leila M. Shrinagesh D/o late Dr. S. Mallana, 7. Mrs. Shakuntala M. Hartog D/o late Dr. S. Mallanna, 8. Mrs. S. M. Srinagesh W/o late General S. M. Shrinagesh, 9. Sri Satish Shrinagesh, S/o late General S. M. Shrinagesh, 10. Sri Ashok Shrinagesh, S/o late General S. M. Shrinagesh, 11. Sri Ravi Shrinagesh, S/o late General S. M. Shrinagesh 12. Mrs. Ahalya Bai, M. Shrinagesh W/o late Dr. S. Mallanna, all residing at Hyderabad, Hyderabad, vendor Nos. 1, 2, and 4 to 12 represented by their General power of Attorney Sri J. M. Shrinagesh, the vendor No. 3 herein referred to above. 13. Sri Kailash Charan S/o Sri Mahabir Pershad H. No. 8-2-626 Road No. 1 Banjara Hills, represented Messrs. Smarg Construction Company situated at 5-8-612 at Abid Road Hyderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Sri B. Jagadishwar Reddy, 2. Smt. B. Vijaya Lakshmi W/o B. Jagadishwar Reddy, H. No. 17-2 at Malkajgiri, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 576 Sq. Yds. the premises of H. No. 3-5-874 at Hyderguda, Hyderabad, registered vide Document No. 1479/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 6-12-1978
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th December 1978

Ref. No. RAC No. 255/78-79.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Plot in 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Hyderabad on 21-4-78
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(1) Sri/Smt./Kumari; S/Shri. 1. Mahadev Shrinagesh
S/o late of Air vice Marshal, M. M. Shrinagesh,
2. Ashok Shrinagesh, S/o M. M. Shrinagesh, 3. J.
M. Shrinagesh, S/o Dr. S. Mallanna, 4. Miss Malati
Shrinagesh D/o late Dr. S. Mallanna, 5. Mrs. Kamala
S. Vass D/o late Dr. S. Mallanna, 6. Miss Leila
M. Shrinagesh D/o late Dr. S. Mallanna, 7. Mrs.
Shakuntala H. Hartog D/o late Dr. S. Mallanna, 8.
Mrs. S. M. Shrinagesh W/o late General S. M.
Shrinagesh, 9. Sri Satish Shrinagesh, S/o late General
S. M. Shrinagesh 10. Sri Ashok Shrinagesh, S/o
late General S. M. Shrinagesh 11. Sri Ravi Shrinagesh,
S/o late General S. M. Shrinagesh 12. Mrs.
Ahalya Bai, M. Shrinagesh W/o late Dr. S. Mallanna,
all residing at Hyderguda, Hyderabad, vendor
Nos. 1, 2, and 4 to 12 represented by their General
power of Attorney Sri J. M. Shrinagesh, the vendor
No. 3 herein referred to above. 13. Sri Kailash
Charan S/o Sri Mahabir Pershad H. No. 8-2-626
Road No. 1 Banjara Hills, represented Messrs.
Smarc Construction Company situated at 5-8-612 at
Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Miss V. Suhasini D/o Dr. V. Gopal Rao, H. No.
3-5-170/A/8 at Narayanguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 355 Sq. Yds. in the pre-
mises No. 3-5-874 at Hyderguda, Hyderabad, registered vide
Document No. 1478/78 in the office of the Joint Sub-
Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 6-12-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons
namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th December 1978

Ref. No. RAC No. 256/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open plot in 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 21-4-1978 for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri/Smt./Kumari; S/Sri. 1. Mahadev Shrinagesh S/o late of Air Vice Marshal, M. M. Shrinagesh, 2. Ashok Shrinagesh, S/o M. M. Shrinagesh, 3. J. M. Shrinagesh, S/o Dr. S. Mallanna, 4. Miss Malati Shrinagesh D/o late Dr. S. Mallanna, 5. Mrs. Kamala S. Vass D/o late Dr. S. Mallanna, 6. Miss Leila M. Shrinagesh D/o late Dr. S. Mallanna 7. Mrs. Shaktala M. Hartog D/o late Dr. S. Mallanna, 8. Mrs. S. M. Srinagesh W/o late General S. M. Shrinagesh, 9. Sri Satish Shrinagesh, S/o late General S. M. Shrinagesh, 10. Sri Ashok Shrinagesh, S/o late General S. M. Srinagesh, 11. Sri Ravi Shrinagesh, S/o late General S. M. Srinagesh, 12. Mrs. Ahalya Bai, M. Shrinagesh W/o late Dr. S. Mallanna, all residing at Hyderguda, Hyderabad, vendor Nos. 1, 2, and 4 to 12 represented by their General power of Attorney Sri J. M. Shrinagesh, the vendor No. 3 herein referred to above, 13. Sri Kailash Charan S/o Sri Mahabir Pershad H. No. 8-2-626 Road, No. 1 Banjara Hills, represented Messrs. Smarg Construction Company situated at 5-8-612 at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Natwarlal, S/o Jivandas Kotcha, 2. Smt. Chandrika W/o Natwarlal Kotesha, H. No. 3-5-141 at Eden Garden, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 283/1/2 Sq. Yds. in the premises of 3-5-874 at Hyderguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1480/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 6-12-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th December 1978

Ref. No. RAC No. 257/78-79.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot in 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad situated at Pinapalla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 21-4-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property **as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of**—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri/Smt./Kumari; S/Sri. 1. Mahadev Shrinagesh S/o late of Air Vice Marshal, M. M. Shrinagesh. 2. Ashok Shrinagesh, S/o M. M. Shrinagesh. 3. J. M. Shrinagesh, S/o Dr. S. Mallanna. 4. Miss Malati Shrinagesh D/o late Dr. S. Mallanna. 6. Miss Leila M. Shrinagesh D/o late Dr. S. Mallanna. 7. Mrs. Shaktala M. Hartog D/o late Dr. S. Mallanna. 8. Mrs. S. M. Srinagesh W/o late General S. M. Shrinagesh. 9. Sri Satish Shrinagesh, S/o late General S. M. Shrinagesh. 10. Sri Ashok Shrinagesh, S/o late General S. M. Srinagesh. 11. Sri Ravi Shrinagesh, S/o late General S. M. Srinagesh. 12. Mrs. Ahalya Bai, M. Shrinagesh W/o late Dr. S. Mallanna, all residing at Hyderguda, Hyderabad, vendor Nos. 1, 2, and 4 to 12 represented by their General power of Attorney Shri J. M. Shrinagesh, the vendor No. 3 herein referred to above. 13. Sri Kailash Charan S/o Sri Mahabir Pershad H. No. 8-2-626 Road, No. 1 Banjara Hills, represented Messrs. Smarg Construction Company situated at 5-8-612 at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mohammed Iqbal, S/o late Sri Mohammed Ibrahim H. No. 3-5-854/3 at Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 200 Sq. Yds. in the premises No. 3-5-874 at Hyderguda, Hyderabad, registered vide Document No. 1481/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 6-12-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th December 1978

Ref. No. RAC No. 258/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-3-380 situated at Subash Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 13-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Sri Mukundass Malani S/o Mohanlal Malani, Representing Joint Hindu family of Messrs, Mohanlal Mukundass Malani, H. No. 44-al M. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Naina Bai, W/o Mohan Dass, H. No. 3-3-380 at Subash Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 3-3-380 situated at Subash Road, Secunderabad admeasuring 57 Sq. Yds. registered vide Document No. 981/78 in the Office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax.
Acquisition Range,
Hyderabad

Date : 6-12-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Amina Begum Hydari, H. No. 8-2-309 at Banjara Hills, Hyderabad. Road No. 14.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Hyderabad Chemical Supplies Pvt. Ltd., represented by its Managing Director, Dr. Ramesh Gandhi, H. No. 6-3-903/1 at Somajiguda, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th December 1978

Ref. No. RAC. No. 259/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number No. 6-3-903/1 situated at Somajiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 11-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House M. No. 6-3-903/1 situated at Somajiguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1150/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 6-12-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
19—426GI/78

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Sri Pasupuleti Chenchaiah, S/o P. Swamy Kondajah, R/o Seeramulupet, Proddatur-town.

(Transferor)

(2) Sri Kipparupu Subbarayudu S/o Chinnasubbaiah, Society Colony, Proddatur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 6th December 1978

Ref. No. RAC. No. 260/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8/173 situated at Seeramulupet Proddatur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Proddatur on April 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Door No. 8/173 situated at Seeramulupet, Proddatur-town Cuddapah-Dist, registered vide Doc. No. 880/78 in the Office of the Sub-Registrar Proddatur.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 6-12-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th December 1978

Ref. No. RAC. No. 261/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-289 situated at Hyderabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 27-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. S/Shri. Mohammed Shafitdin Khan, 2. Mohammed Imamuddin Khan, 3. Mohammed Hasanuddin Khan, 4. Vicarunissa Begum, 5. Laiqunissa Begum, all residing at H. No. 11-5-121 at Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) S/Shri 1. Dawood Khan, 2. Mohd. Ali Khan, 3. Asadullah Khan, 4. Mohammed Rayazuddin Khan, 5. Ibrahim Ali Khan, R/o H. No. 22 at Khadakpura, Kurnool, (at present residing at H. No. 3-6-289 at Hyderguda, Hyderabad.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Single story building bearing his banking H. No. 3-6-289 situated at Hyderbuda, Hyderabad, registered vide Document No. 1615/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 6-12-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th December 1978

Ref. No. RAC. No. 262/78-79.—Whereas, I V. PASUPATHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. in 5-8-525 situated Chiragali lane, Abid Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Laxmi Bai, W/o Sri Jagdish Pershad, H. No. 21-1-293 at Rikab Gunj, Hyderabad, through G.P.A. Jagdish Pershad.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Kamla Bai, W/o late Ilazarilal,
2. Smt. Rukmani Bai, W/o Babulal,
3. Smt. Rukmani Bai, W/o Sedmal,
all residing at H. No. 21-2-755 Rikab Gunj, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4 part of premises No. 5-8-525 at Chirag Ali lane, Hyderabad, admeasuring 28-11 Sq. Yds, registered vide Document No. 1116/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

V. PASUPATHY,
Competent Authority,
(I/C) Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date : 13-12-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Jagdish Pershad, H. No. 21-1-293 at Rikabgunj,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Eliah Abbas, H. No. 22-1-66, Jambagh, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th December 1978

Ref. No. RAC. No. 263/78-79.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Shop No. 11 in 5-8-522 situated Chiragali lane,
Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Hyderabad on April 1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11 in the premises No. 5-8-522 at Chiragali lane
Abid Road, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1146/78 in
the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

V. PASUPATHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 13-12-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th December 1978

Ref. No. RAC No. 264/78-79.—Whereas, I, V. PASUPATHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Port 5-7-637/12 situated at Station Road, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 10-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Pushpa Devi, W/o Dhanraj Sarda, R/o Gandhi Gunj, Nizamabad.
(Transferor)

(2) Smt. A. Rajubai, W/o Devidas, 2. Sri A. Dilipkumar, S/o Devidas, both residing at Vanuel, Armoor-Tq, Nizamabad. Dist.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Double Storied Mulgi bearing M. No. 5-7-637/12 situated at Station Road Nizamabad registered vide Document No. 1197/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Nizamabad.

V. PASUPATHY,
Competent Authority,
(I/C) Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-12-1978.

Seal :

FORM ITNS —

(1) Smt. Shobha Devi, W/o Goverdhan Sarada,
R/o Ghandhi Gunj, Nizamabad.
(Transferor)

(2) Sri A. Dileep Kumar S/o Sri Devidas,
R/o Vannel, Armoor-Tq, Nizamabad, Dist.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th December 1978

Ref. No. RAC. No. 265/78-79.—Whereas, I V. PASUPATHY,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mulgi No. 5-7-637/13 situated Station Road, Nizamabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 10-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability so the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi No. 5-7-637/13 admeasuring 56.00 Sq. Yds. at Station Road, Nizamabad registered vide Document No. 1198/78 in the Joint Sub-Registrar Office, Nizamabad.

V. PASUPATHY,
Competent Authority,
(I/C) Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 13-12-1978.
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri B. Sudershan Reddy, R/o Gandhi Gunj, Nizamabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt. Kishnibai, W/o Ratanlal Joshi, 2. Sri Nandalal Byas, S/o Nathmal Byas, both residing at 7-4-303 at Kumargkali, Nizamabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th December 1978

Ref. No. RAC. No. 266/78-79.—Whereas, I, V. PASUPATHY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7-1-47/2-A situated at Gunj, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 27-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House M. No. 7-1-47/2-A situated at Lalajpatti Rai, Gandhi Gunj Nizamabad registered vide Document No. 1486/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Nizamabad.

V. PASUPATHY,
Competent Authority,
(I/C) Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-12-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th December 1978

Ref. No. RAC. No. 267/78-79.—Whereas, I, V. PASUPATHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-47/2-A portion situated at Mirchi Compound, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Nizamabad on 27-4-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—426GI/78

(1) Sri B. Sudhershan Reddy, R/o Gandhi Gunj, Nizamabad.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Kishni Bai, 2. Bhagwandas Byas, H. No. 7-4-301 at Kumargalli, Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R.C.C. Godown M. No. 7-1-47/2A situated at Lalalajpatrai, (Mirchi Compound) Nizamabad, registered vide Document No. 1487/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Nizamabad.

V. PASUPATHY,
Competent Authority,
(I/C) Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 13-12-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Mohini K. Devnani, H. No. 3-5-170/A, behind Narayanguda Post Office, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri S. Hanumantha Rao, H. No. 3-5-318 at Vittawadi, Narayanguda, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th December 1978

Ref. No. RAC. No. 268/78-79.—Whereas, I, V. PASUPATHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mulgi no. 7 in situated at 5-9-250 to 257 Chiragali lane, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi No. 7 on the ground floor of Unity House bearing M. No. 5-9-250 to 257 at Chiragali lane, Abid Road, Hyderabad, registered vide Document No. 1566/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

V. PASUPATHY,
Competent Authority,
(I/C) Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Dated : 13-12-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Laxmi Bai, W/o Jagdish Pershad, 21-1-295 at Rikabgunj, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri V. Yadgiri Rao, 2. V. L. Narsimha Rao, 3. V. Krishna Rao, all residing at H. No. 2-1-332 at Nallakunta, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th December 1978

Ref. No. RAC. No. 269/78-79.—Whereas, I V. PASUPATHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 5 in 5-8-524 situated at Chiragali lane, Abid Road, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5 in the premises No. 5-8-524 situated at Chiraga Ali lane, Abid Road, Hyderabad, admeasuring 28.11 Sq. Yds. registered vide Document No. 1579/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

V. PASUPATHY,
Competent Authority,
(I/C) Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Dated : 13-12-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Tahira Sayeed, W/o Brig. G. M. Sayeed, H. No. 10-2-287/1 at A.C. Guard, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt. K. Chinnammal, W/o late Karuppan Chettiar, 2. Mrs. P. Saroja, W/o P. Periaswamy, (Periaswamy Cheet Stores, H. No. 7-1-702 Market Street, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th December 1978

Ref. No. RAC. No. 271/78-79.—Whereas, I, V. PASUPATHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-Part 10-2-287/1 situated at A. C. Guards, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Portion of "A" of Building M. No. 10-2-287-1 situated at Shantinagar, A-C guards, Hyderabad, registered vide Document No. 1141/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

V. PASUPATHY,
Competent Authority
(I/C) Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 14-12-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th December 1978

Ref. No. RAC. No. 271/78-79.—Whereas, I, V. PASUPATHY, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-5-783/22 situated at King Koti, Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Dino Khanna, W/o Dr. R. C. Khanna, H. No. 9-4-4 at Toli Chowli, Hyderabad. (Or H. No. 2-2-1130/26 at A.B. New Nallakunta, Hyderabad)

(Transferor)

(2) Sri K. B. Nagraj, S/o Sri K. S. Murthy, H. No. 5-9-194/2 at Chiragali Lane, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS.—The terms and expressions used here, in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3-5-783/22 at King Koti Road, Hyderabad, registered vide Document No. 1587/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

V. PASUPATHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 14-12-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th December 1978

Ref. No. RAC. No. 281/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18% in 3-4-258 situated at Kachiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following namely:—

(1) 1. Sri Dimyar Baria, 1-1-538/1 at Bakaram, Hyderabad, 2. Sri Percy Baria, 1-1-538/1 Bakaram, Hyderabad. 3. Sri T. Venkata Swamy, S/o Krishnaswamy, Warangal.

(Transferor)

(2) 1. Sri R. Shankaraiah, R/o Kaspa Bazar, Khammam, 2. Sri M. Vijayendar Reddy, 3. Sri R. Rajalingam, Both H. No. 11-4-411 at Chikkalguda, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 18 paise share in the Building M. No. 3-4-258 situated at Kachiguda, Station Road, Hyderabad admeasuring 1692 Sq. Yds. registered vide Document No. 1248/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 18-12-1978.

Seal :

FORM ITNS-----

(1) Leslie Fernandez, S/o P. Fernandez,
H. No. 1-4-1004 at Bogukkunta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Shameem Fatima, D/o Mohd. Hussainuddin,
H. No. 5-5-708 at Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 20th December 1978

Ref. No. RAC. No. 282/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1 & 2 situated at Road No. 1 Banjara Hills, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. one and two (1 & 2) at Banjara Hills Road, No. 1 Hyderabad, measuring 710 Sq. Yds. registered vide Document No. 1564/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 20-12-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Leslie Farnandcz, S/o P. Fernandez,
H. No. 1-4-1004 at Bogukunta, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Smt. Shamceem Fatima, D/o Mohd. Hussainuddin,
H. No. 5-5-708 at Nampally, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 20th December 1978

Ref. No. RAC. No. 282/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1 & 2 situated at Road No. 1 Banjara Hills, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. One and Two (1 & 2) at Banjara Hills Road, No. 1 Hyderabad, measuring 710 Sq. Yds. registered vide Document No. 1564/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 20-12-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Kurshna Keshav Kolhekar
Retired Civil Judge, Dhantoli,
Nagpur.

(Transferor)

(2) Smt. Manibai Ramavtar Mistras,
Sadar Bazar, Nagpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR
NAGPUR

Nagpur, the 2nd September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/78/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Two storeyed House bearing corp. No. 197/0+1, constructed on Plot No. 16, 3500 Sq. ft. Mauja Sitabuldi, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 18-4-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as greed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
21—426GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed House bearing corporation No. 197/0+1, constructed on plot No. 16, 3,500 Sq ft. Sitabuldi, Nagpur.

K. M. CHAVDA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date : 2-9-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ganeshkumar Kisangopal Purohit,
Ramdaspeth, Nagpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR
NAGPUR

Nagpur, the 12th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/82/78-79.—Whereas, I, P. B. CHARLES, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nazul Plot No. 23/2 & 22 & construction theron, Kirana Bazar, situated at Akola (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Akola on 28-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Jairamdas Kartarmal Gurbani,
Shri Tulsidas Kartarmal Gurbani, both r/o
C/o Baliram Kartarmal,
Kirana Bazar, Akola.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Nazul Plot No. 23/2 & 22, & construction thereon, Kirana Bazar, Akola.

P. B. CHARLES
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date : 12-10-1978
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Madanlal Dhondiramji Biyani,
R/o Latur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nirmala W/o Onkar Firke,
Shri Ashok Laxman Kukade,
R/o Latur
Shri Ramchandra Krishnaji Alurkar,
R/o Latur

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR NAGPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Nagpur, the 16th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/AIC/84/78-79.—Whereas, I, W. HASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Open plot bearing No. 68/1 (old) 150/ Area—150×100 ft. situated at Signal Campus, Latur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Latur on 26-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot bearing M.C. No. 68/1 old and New 150/1, situated at Signal Campus, Latur
Length East—West 150'
Width South—North 100'

W. HASAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-11-1978
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) (i) Dr. A. Ramachandran,
 (ii) Govindankutty (by Ramachandran)
 (Transferor)

(2) P. V. Ashokan.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
 MARLENA BUILDING, M.G. ROAD,
 ERNAKULAM, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 16th August 1978

Ref. No. L.C. 226/78-79.—Whereas I, P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per Schedule situated at Oorakam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Cherpu on 17-4-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

24 cents of land in sy. no. 101/1 of Oorakam village.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. O. GEORGE,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 16-8-1978
 Seal :

FORM ITNS—

(1) T. P. Jose.

(Transferor)

(2) Somapalan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
ANJIPARAMBIL BUILDINGS, ANAND BAZAR,
COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 21st October 1978

Ref. No. L.C. 248/78-79.—Whereas I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per Schedule.

situated at Manalur Panchayath

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anthikad on 28-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

10 cents of land with building as per Schedule attached to document No. 991/78 of SRO-Anthikad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. MOHANLAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 21-10-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) P. Bhaskaran Nair & others.

(Transferor)

(2) P. V. Abdul Wahab.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
ANJIPARAMBIL BUILDINGS, ANAND BAZAR,
COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 23rd October 1978

Ref. No. L.C. 251/78-79.—Whereas I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Sy. No. as per Schedule, situated at Chavakkad,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chavakkad on 25-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

84 cents of land vide document No. 567/78 of SRO, Chavakkad.

V. MOHANLAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 23-10-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) T. T. Kurien

(Transferor)

(2) P. K. Abdulla & 3 others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
ANJIPARAMBIL BUILDINGS, ANAND BAZAR,
COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 7th November 1978

Ref. No. L.C. 256/78-79.—Whereas I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per Schedule,
situated at Vatanappilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vatanappilly on 18-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 acre 45 cents of land in R. Survey No. 466/2 of Vatanappilly village.

V. MOHANLAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Dated : 7-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri S. A. Abdullakutty.

(Transferor)

(2) Shri P. M. Kunhammu.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
ANJIPARAMBIL BUILDINGS, ANAND BAZAR,
COCHIN-682 016

Cochin-682016, the 7th November 1978

Ref. No. I.C. 257/78-79. Whereas I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per Schedule,

situated at Vatanappilly

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vatanappilly on 13-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

38½ cents of land with buildings in R. Sy. No. 261/8 of Vatanapilly.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

Date : 7-11-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Jayanand Nagjee,
Nagarom, Calicut.

(Transferor)

(2) 1. Syed Alavi
2. K. V. Juvariya
3. M. Mohammed.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
ANJIPARAMBIL BUILDINGS, ANAND BAZAR,
COCHIN-682 016

Cochin-682016, the 7th November 1978

Ref. No. L.C. 258/78-79.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per Schedule,

situated at Calicut

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chalapuram on 1-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

67 1/4 cents of land with buildings as per schedule attached to document No. 1169/78 of SRO, Chalapuram.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
22—426GI/78

Date: 7-11-1978
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
ANJIPARAMBIL, BUILDINGS, ANAND BAZAR,
COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 15th November 1978

Ref. No. I.C. 261/78-79.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per Schedule,
situated at Trichur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Trichur in April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. K. Gangabai,
Krishna Vilas, Marar Lane, Trichur.
(Transferor)

(2) Smt. K. A. Usha, D/o K. Achuthan,
Komathkattil, Chulooru Desom, Trichur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7 cents of land with buildings vide document No 1510 of S.R.O., Trichur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 15-11-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Kammu, Rayam marakkar Veedu,
Muthuvattoor Desom,
Guruvayoor.
(Transferor)

(2) Sri P. V. Mammutti Haji & 3 others,
Puzhangara Illath Valiparambil,
Chavakkad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
ANJIPARAMBIL BUILDINGS, ANAND BAZAR,
COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 15th November 1978

Ref. No. I.C. 263.—Whereas J. K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per Schedule,
situated at Muthuvattor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
Kottappady on 28-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other acts which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9 cents of land with buildings vide document No. 429/78 dated 28-4-1978 of S.R.O., Kottappady.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 15-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
ANJIPARAMBIL BUILDINGS, ANAND BAZAR,
COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 16th November 1978

Ref. No. L. C. 264/78-79.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per Schedule, situated at Trichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 28-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sulochana Amma & two others
D/o Kochattil Devaki alias Ammukutty Amma,
Veliyannur, Trichur.
(Transferor)

(2) Ambika Amma,
D/o Pariyadath Lcela Amma,
Trichur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

45 $\frac{1}{2}$ cents of land with buildings in Trichur.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 16-11-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sulochana Amma & 2 others,
D/o Kochattil Devaki alias Ammukutty Amma,
Veliyannur, Trichur.
(Transferor)

(2) Balakrishna Menon,
S/o Vadavattath Janaki Amma,
Trichur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOMETAX.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

ACQUISITION RANGE,
ANJIPARAMBIL BUILDINGS, ANAND BAZAR,
COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 16th November 1978

Ref. No. L. C. 265.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No.

As per Schedule

situated at Trichur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 28-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

96 Cents of land vide document No. 1866/78 of SRO, Trichur.

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
ANJIPARAMBIL BUILDINGS, ANAND BAZAR,
COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 23rd November 1978

Ref. L.C. 270/78-79.—Whereas 1. K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule) situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 29-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Mr. Francis alias Wilson,
2. Mr. Rajan alias Antony,
Sons of Mr. Kavalakkattu Cherpanath Lonappan,
East Chalukudy, Mukundapuram Taluk,
Trichur Dt.

(Transferees)

(2) 1. Mr. Moideen, S/o Abubucker,
Kollamkuzhi Menayil,
Vadakkekad, Chowghat Taluk.
2. Mr. Kanjirappully Checku,
S/o Mr. Poker Hajee, Edakkara Desom,
Punnayur Amsom.

3. Mr. Chenganath Moidutty,
S/o Kulathingsal Muhammed Kutty,
Edakkara Desom, Kudikkad Amasom,
Chowghat.

(Transferees)

(3) 1. Nerolac Paints, Ernakulam,
2. Vijaya Movies,
Ernakulam.
3. Movil Enterprises,
Ernakulam.

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 cents 900 sq. links of land with a three storeyed building No. XXXVIII/843/1.2. 3. 4. 5 vide Schedule to Document No. 1301/78.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 23-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
ANJIPARAMBIL, BUILDINGS, ANAND BAZAR,
COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 23rd November 1978

Ref. No. I.C. 271/78-79.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per Schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 26-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Professor Peter, S/o
Mr. Chacko,
Kattadiyil, Udayamperoor,

2 Smt. Leelamma,
Kattadiyil, Udayamperoor.

(Transferors)

(2) Shri C. V. Ibrahim,
S/o Kallaroth Ummar Hajee,
Managing Partner,
Queens Hotel, M.G. Road, Ernakulam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

13 cents 196 Sq. links of land in Ernakulam Village Survey No. 629/13 vide Schedule to Document No. 1270/78

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 23-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
ANJIPARAMBIL BUILDINGS, ANAND BAZAR,
COCHIN-682 016

Cochin-682, 016, the 25th November 1978

Ref. No. I. C. 272/78-79.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per Achedule

situated at Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 17-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Daisy Antony,
D/o Parakkal George,
XXXVI/370, Chittoor Road,
Ernakulam.

(Transferees)

(2) Shri P. M. Ahamu,
Company officer, S/o Alikutty,
Panikkaveettil Marakkaparambil, Orumanayoor,
Chowghat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXI of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 cents 206 sq. links of land together with a single storeyed residential building comprised in Ernakulam village Sy. No. 7/6.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 25-11-1978

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE

GEOLOGISTS' EXAMINATION, 1979

New Delhi the 20th January 1979

No. F.4/3/78-EL(B).—A combined competitive examination for recruitment to the categories of posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALIABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORT BLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR and TRIVANDRUM commencing on 26th June, 1979 in accordance with the Rules published by the Ministry of Steel and Mines in the Gazette of India, dated 20th January, 1979.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure, para 11).

2. The categories of posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various posts are given below:—

Category I: (Posts in the Geological Survey of India, Ministry of Steel & Mines)

(i) Geologist (Junior Group A) 32 (Includes 3 vacancies reserved for Scheduled Castes and 2 vacancies for Scheduled Tribes candidates).

(ii) Assistant Geologist Group B

Category II: (Post in the Central Ground Water Board Ministry of Agriculture & Irrigation).

(i) Junior Hydrogeologist, Group A

(ii) Assistant Hydrogeologist Group B
*vacancies not intimated by Government.

The above numbers are liable to alteration.

Appointments will be made on a temporary basis in the first instance. The candidates will be eligible for permanent appointment in their turn as and when permanent vacancies become available.

3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of all or any of the posts mentioned in para 2 above. He will be considered only for the post(s) he applies for. Once an application has been made, no change will ordinarily be allowed.

If a candidate wishes to be admitted for more than one category of posts he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 6 below once only and will not be required to pay separate fee for each post for which he applies.

N.B.—Candidates are required to specify clearly in their applications the posts for which they wish to be considered in the order of preference.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. This prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), by Money Order or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be

obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office.

This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE GEOLOGISTS' EXAMINATION, 1979. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE GEOLOGISTS' EXAMINATION, 1979 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 19th March, 1979 (2nd April, 1979) in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 19th March, 1979 accompanied by necessary documents. *No application received after the prescribed date will be considered.*

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 19th March, 1979.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 48.00 (Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or Crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commission, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051-Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

8. A refund of Rs. 30.00 (Rs. 8.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes), will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note 1 below rule 7 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

9. If any candidate who took the Geologists' Examination held in 1978 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1978 examination his candidature

for the 1979 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, as in the case of a candidate not admitted to the examination *vide* para 8 above provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's office on or before 30th April 1979.

10. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

R. S. AHLUWALIA, Deputy Secy.
Union Public Service Commission.

ANNEXURE
INSTRUCTION TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidate should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION, ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

All candidates, whether already in Government service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service, whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees, are however, required to obtain the permission of Head of their Office/Department before they are finally admitted to the examination. They should send their applications direct to the Commission after detaching the 2 copies of the form of certificate attached at the end of the application form, and submit the said forms of certificate immediately to their Head of Office/Department with the request that one copy of the form of certificate duly completed may be forwarded to the Secretary, Union Public Service Commission, New Delhi as early as possible and in any case not later than the date specified in the form of certificate.

3. A candidate must send the following documents with his application:—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission (See paras 6 & 7 of the Notice and para 6 below).
- (ii) Attested/certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the Candidate.
- (v) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (See Para 5 below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (iv) AND (vi) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF THE GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF SEPTEMBER, 1979. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES, WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THEY WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4 and 5:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED BANK Draft for the prescribed fee

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi, and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank drafts will also not be accepted.

(ii) Certificate of Age.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Registrar of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificate mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualification.*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The Certificate submitted must be one issued by the authority (i.e., University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

NOTE.—A candidate who has appeared at an examination, the passing of which would render him eligible to appear at this examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 29th September, 1979.

(iv) *Two copies of Photograph.*—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. x 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above, without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office (except as provided for in Note under paragraph 3(iii) above) within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinary reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* son/daughter* of of village/town* in District/Division* of the State/Union Territory* of belongs to the Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribes* under the Constitution (Scheduled Castes)

Order, 1950* the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950* the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*, the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951* as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order 1956; the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 the North Eastern Areas (Reorganisation) Act 1971, and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order 1956*.

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

2. Shri/Shrimati/Kumari* and*/* or his/her* family ordinarily reside(s) in village*/town of District*/Division of the State*/Union Territory of

Signature.....

**Designation.....
(with seal of office)

Place State*/Union Territory

Date.....

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

5. (i) displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6(c) (ii) or 6(c)(iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India

during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakarnaya Project of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;
- (3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their irrespective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Dirctor (Rehabilitation), in Calcutta.

(ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6(c)(iv) or 6(c)(v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 6(c)(vii) or 6(c)(viii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or a copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(iv) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia, claiming age concession under Rule 6(c)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being resident, to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 6(c)(ix) or 6(c)(x) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No.

Shri of Unit was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature
Designation
Date

*Strike out whichever is not applicable.

Certified that Rank No. with any foreign country or in a disturbed area, and released

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 6(c)(xi) or 6(c)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Force, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. Shri of Unit was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature
Designation
Date

(vii) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 6(c)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the

District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.

(viii) A candidate claiming age concession under the 6(c)(xiv) should submit (i) an attested/certified copy of a certificate from the detaining authority under his seal stating that the candidate had been detained under the Maintenance of Internal Security Act or (ii) an attested/certified copy of a certificate from the Sub-Divisional Magistrate having jurisdiction in the area stating that the candidate had been arrested or imprisoned under the Defence and Internal Security of India Act, 1971 or Rules thereunder specifying the dates between which he was arrested or imprisoned and certifying that the detention or arrest or imprisonment, as the case may be, was in pursuance of the candidate's political affiliations or activities or his association with the erstwhile banned organisations.

6. A candidate belonging to any of the categories, referred to in para 5(i), 5(ii) and 5(iii) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Steel & Mines (Department of Mines) or the Ministry of Agriculture & Irrigation (Department of Agriculture) as the case may be.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. With the introduction of objective type questions for all the papers included in the scheme of this examination with effect from the Geologists' Examination, 1978, the printing of pamphlets containing rules and question papers for this examination has been discontinued. However, copies of pamphlets containing rules and question papers of preceding examinations upto Geologists' Examination held in 1977 are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

13. *Communications regarding application.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLOPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INvariably CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE, IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).

(5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

NB.—COMMUNICATIONS NOT GIVING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. *Change in address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

